www.dainikjayantnews.com
कोटद्वार, बुधवार
5 अगस्त 2026
वर्षः 49
अंकः 95 पृष्ठः 6
मूल्यः 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार
www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल
डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोनः 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

'चढ़ावा चोरी' को लेकर संसद में संग्राम

विपक्ष का भारी हंगामा, खड़गे बोले-ईडी कहां है

रिजिजू ने कहा-विपक्ष घड़ियाली आंसू बहा रहा

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद के मानसून सत्र के 12वें दिन राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले को लेकर दोनों सदनों में जमकर हंगामा हुआ। मंगलवार को लोकसभा की कार्यवाही सिर्फ 19 मिनट चल पाई। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमन ने इस दौरान टैक्स संशोधन से जुड़े बिल पेश किए। इसके बाद सदन बुधवार तक के लिए स्थगित हो गई। राज्यसभा की कार्यवाही दिन में दो बार स्थगित हुई। 11 बजे कार्यवाही शुरू होने के आधे घंटे के भीतर स्थगित भी हो गई। दोपहर 12 बजे कार्यवाही दोबारा शुरू हुई, लेकिन 20 मिनट ही चल पाई। दोपहर 2 बजे कार्यवाही फिर शुरू हुई। इससे पहले राज्यसभा में नेता विपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू के बीच बहस हुई। खड़गे ने कहा- राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट का गठन केंद्र सरकार ने किया था।

वित्त मंत्री सीतारमन ने शोर-शराबे के बीच बिल पेश किया

दोपहर 2 बजे लोकसभा की कार्यवाही शुरू होते ही विपक्षी सांसद खड़े होकर नारे लगाने शुरू कर दिए। पीठासीन दिलीप सैकिया ने इन सांसदों को नारे न लगाने और बैठ जाने के लिए कहा लेकिन वे नहीं माने। शोर शराबे के बीच वित्त मंत्री निर्मला सीतारमन ने टैक्सेशन एंड अदर्स लॉ (संशोधन) बिल पेश किया। बिहार और मध्य प्रदेश विधानसभा उपचुनाव में भाजपा की हार पर कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा कि अब साफ है कि जनता भाजपा से ऊब चुकी है।

यूपी विधानसभा में पोस्टर दिखाने पर जमकर बवाल

- सपा विधायक बाहर निकाले गए, सीएम का हमला

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी विधानमंडल में मॉनसून सत्र के दूसरे दिन मंगलवार को अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी मुद्दे पर जमकर हंगामा हुआ। सपा और कांग्रेस ने इसको लेकर सदन में नारेबाजी की। इस दौरान जैसे ही सीएम योगी बोलने के लिए खड़े हुए, सपा विधायक सचिन यादव ने हाथ में एक पोस्टर लहराया जिसमें सीएम की फोटो के साथ चढ़ावा चोरी को लेकर कई सवाल पूछे गए थे। इस वजह से विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने सचिन यादव को पूरे सत्र के लिए बाहर कर दिया। इस दौरान सपा की महिला विधायकों ने हंगामा किया।

चढ़ावा चोरी का साधु-संतों से कोई मतलब नहीं

सीएम योगी ने कहा कि राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में जो भी लोग पकड़े गए हैं, उनका भाजपा और साधु–संतों से कोई लेना देना नहीं। इसके बावजूद विपक्ष के नेता सनातन धर्म पर अनावश्यक लांछन लगा रहे हैं। ये लोग सत्य को दबाने का कुत्सित प्रयास कर रहे हैं। इसीलिए ये लोग सदन में चर्चा से भागना चाहते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले से जो एजेंडा हाउस द्वारा तय किया गया था, उस एजेंडे के तहत जब सदन में विधायी कार्य हों, उन सभी पर विरोधी दल के लोगो ने कोई रुचि नही ली।

रुद्रपुर में हैवान बना पिता, अपनी ही 10 साल की बेटी से किया रेप

उधमसिंहनगर। उत्तराखंड में बेटियों के प्रति लगातार अपराध के मामले बढ़ते जा रहे हैं। बेटियां घर के बाहर तो छोड़िए अब घर के भीतर भी सुरक्षित नहीं हैं। ऐसा ही कुछ बाप बेटी के रिश्ते को कलंकित कर देने वाला मामला उधम सिंह नगर जिले से सामने आ रहा है, जहां पर नशे में धुत पिता ने अपनी ही 10 साल की बेटी के साथ दुष्कर्म किया है। पुलिस प्रशासन द्वारा आरोपी को हिरासत में लिया गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार उधम सिंह नगर जिले के रुद्रपुर में बीते सोमवार की रात करीब 1:00 बजे महिला अपने 3 साल के बेटे के साथ चारपाई में सो रही थी। जबकि महिला की 10 वर्षीय बेटी पास में ही बेड पर सोई हुई थी। तभी इस दौरान महिला का पति शराब के नशे में धुत होकर घर पहुंचा और सीधे नाबालिक बेटी के पास जाकर लेट गया। इस दौरान वह गलत नीयत से बच्ची के साथ आपत्तिजनक हरकतें करने लगा।

हैवान बना पिता अपनी ही बेटी से कर बैठा गलत हरकत

बच्ची घबराकर चिल्लाई तो मां ने उसे सपना समझकर शांत कराया और दोबारा सुला दिया। मां ने जैसे ही कमरे की लाइट बंद की तो कुछ देर बाद बच्ची फिर से घबराने लगी। अनहोनी की आशंका के चलते मां ने तुरंत उठकर कमरे की लाइट जलाई तो लाइट खुलते ही मां ने देखा कि पति अपनी ही

10 साल की बेटी के साथ रेप कर रहा था। इस घटनाक्रम को देखकर मां के होश उड़ गए और उसने अपने दरिंदे पति से अपनी बच्ची को छुड़ाया। जब मां ने इसका विरोध किया तो आरोपी पति ने उसे बुरी तरह पीटा तथा धमकी दी कि यदि पुलिस के पास शिकायत करी तो जान से मार दूंगा।

पुलिस की गिरफ्त में आरोपी

पति की इस हरकत के बाद पीड़िता महिला अपने दोनों बच्चों की सुरक्षा को लेकर डरकर तुरंत पुलिस स्टेशन पहुंची और उन्हें लिखित शिकायत सौंपकर आरोपी के खिलाफ कठोर कारवाई की मांग की। महिला की तहरीर के आधार पर पुलिस प्रशासन की टीम ने आरोपी के खिलाफ पॉक्सो एक्ट और संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आरोपी को हिरासत में लिया है।

एअर इंडिया की फुकेट-दिल्ली फ्लाइट टर्बुलेंस में फंसी

- किसी के कान का पर्दा फटा, किसी का कंधा हुआ चोटिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। एअर इंडिया की फुकेट से दिल्ली आने वाली फ्लाइट एआई 2379 मंगलवार को टर्बुलेंस (तेज हवा के झटकों) में फंस गई। तेज झटकों के कारण फ्लाइट हिलने लगी और अचानक नीचे आने लगी। हालांकि, पायलट ने स्थिति संभाली और फ्लाइट को दिल्ली एयरपोर्ट पर सुरक्षित उतार दिया। न्यूज एजेंसी ने सूत्रों के हवाले से बताया कि हादसे में विमान में सवार 12 लोग घायल हुए हैं। इनमें यात्री और क्रू मेंबर्स शामिल हैं। घायलों को दिल्ली एयरपोर्ट के

मेडिकल सेंटर में जांच और इलाज के लिए भेजा गया है। एअर इंडिया ने पहले बताया था कि सभी यात्री और क्रू सुरक्षित हैं। किसी के गंभीर रूप से घायल होने की खबर नहीं है। घटना की जांच की जा रही है। टर्बुलेंस के बाद फ्लाइट की तस्वीरें सामने आई हैं, जिनमें प्लेन की सीलिंग के पैनल में दरारें दिखीं। टर्बुलेंस का मतलब है हवा का बहाव अचानक बदल जाना, जिससे विमान को झटके लगने लगते हैं।

इस दौरान विमान कुछ समय के लिए ऊपर-नीचे या दाएं-बाएं हिल सकता है और कभी-कभी कुछ फीट नीचे भी आ जाता है। इसी वजह से यात्रियों को लगता है कि विमान गिर रहा है। हालांकि, ज्यादातर मामलों में ऐसा नहीं होता। टर्बुलेंस को ऐसे समझ सकते हैं, जैसे ऊबड़-खाबड़ सड़क पर चलती कार अचानक हिलने लगती है। कुछ टर्बुलेंस हल्के होते हैं, जबकि कुछ ज्यादा तेज हो सकते हैं।

भारतीय एजेंट्स ने हमारे 30 लोगों को मारा

- आतंकी बोला-पेशावर से रावलपिंडी तक हमले किए
- लश्कर ने कहा-पीओके में भी चैन से नहीं रहने दिया

इस्लामाबाद (एजेंसी)। इस्लामाबाद में लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े आतंकी रिजवान हनीफ ने दावा किया है कि पिछले तीन-चार साल में उनके संगठन के 30 से ज्यादा लोग मारे गए हैं। उसके मुताबिक ये हमले पेशावर, कराची, रावलपिंडी, रावलकोट और मुजफ्फराबाद में अज्ञात हमलावरों ने किए। उसने आरोप लगाया कि ये हमलावर भारतीय एजेंट्स थे। इससे जुड़ा एक वीडियो सामने आया है। इसमें हनीफ कहता है, हमारे लोगों को भारतीय खुफिया एजेंसियों ने आजाद कश्मीर में अमन और चैन से नहीं रहने दिया। अपने एजेंट्स के जरिए उन्होंने हमारे लोगों को शहीद किया।

40 साल पहले लश्कर-ए-तैयबा का गठन- लश्कर-ए-तैयबा की स्थापना 1987 में पाकिस्तान में हुई थी। यह संगठन सोवियत-अफगान युद्ध के दौरान बने जिहादी नेटवर्क से निकला था। ओसामा बिन लादेन के मेंटर माने जाने वाले अब्दुल्ला अज्जाम और उसके दो

साथियों ने मिलकर मरकज-अद-दावा-वल-इरशाद नाम के धार्मिक संगठन की स्थापना की। मिलिटेंट विंग बाद में लश्कर-ए-तैयबा कहलाया।

पाकिस्तान पहले भी भारत पर ऐसे आरोप लगा चुका

पाकिस्तान पहले भी देश में आतंकियों की हत्याओं के लिए भारत पर आरोप लगाता रहा है। जनवरी 2024 में तत्कालीन विदेश सचिव मुहम्मद साइरस सज्जाद काजी ने दावा किया था कि भारतीय एजेंसियां पाकिस्तान में सीमा पार टारगेट किलिंग में शामिल हैं। भारत ने इन आरोपों को खारिज कर दिया था। इसके बाद अप्रैल 2024 में ब्रिटिश अखबार द गार्डियन की रिपोर्ट में दावा किया गया कि 2020 के बाद पाकिस्तान में करीब 20 आतंकियों और उग्रवादियों की अज्ञात हमलावरों ने हत्या की। इनमें लश्कर–ए–तैयबा, जैश–ए–मोहम्मद और हिज्बुल मुजाहिदीन से जुड़े लोग भी शामिल बताए गए। रिपोर्ट में पाकिस्तानी अधिकारियों ने इसकी पुष्टि की है।

तमिलनाडु के नेता विपक्ष उदयनिधि गिरफ्तार, फिर रिहा

- एक्ट्रेस तृषा पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने का आरोप

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु के नेता प्रतिपक्ष और डीएमके नेता उदयनिधि स्टालिन को अभिनेत्री तृषा पर आपत्तिजनक टिप्पणी के मामले में मंगलवार को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने उनके खिलाफ 6 धाराओं में केस दर्ज किया है। गिरफ्तारी से बचने के लिए उदयनिधि ने मद्रास हाईकोर्ट में अग्रिम जमानत की अर्जी दाखिल की थी। हालांकि, उस पर सुनवाई होने से पहले ही पुलिस ने उन्हें अरेस्ट कर लिया। बाद में हाईकोर्ट के निर्देश पर उन्हें रिहा कर दिया गया। सोमवार को तंजावुर में कावेरी जल विवाद पर आयोजित रैली में उदयनिधि मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय पर निशाना साध रहे थे। इसी दौरान भीड़ से तृषा, तृषा के नारे लगे। आरोप है कि इस पर उन्होंने कहा, पानी कहीं और पहुंचे या न पहुंचे, वहां जरूर पहुंचना चाहिए। बाद में उन्होंने सफाई दी कि उनका इशारा कावेरी के पानी की ओर था। हालांकि, विपक्षी दलों ने इस टिप्पणी को डबल मीनिंग और महिलाओं का अपमान करने वाली बताया। इसी आरोप के आधार पर उनके खिलाफ मामला दर्ज किया गया।

डीएमके नेता बोले–उदयनिधि ने किसी का अपमान नहीं किया– डीएमके नेता टीकेएस इलांगोवन ने कहा कि मैंने पूरी स्पीच सुनी। जैसा कहा जा रहा है, भाषण में वैसा कुछ नहीं है। उन्होंने (उदयनिधि) केवल सीएम की नाकामियां गिनाईं।

पटना की सड़कों पर एक बार फिर उतरा वाटर कैनन

एनएसयूआई का जोरदार प्रदर्शन हिरासत में बिहार कांग्रेस अध्यक्ष

पटना (एजेंसी)। छात्रों पर हुई फायरिंग और पूर्णिया सांसद पप्पू यादव पर दिल्ली में हुए हमले के विरोध में पटना की सड़कों पर भारी हंगामा देखने को मिला। भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन और बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कार्यकर्ताओं और नेताओं ने आयकर चौराहे पर जोरदार प्रदर्शन किया। स्थिति उस समय बेकाबू हो गई जब प्रदर्शनकारियों ने पुलिस द्वारा लगाई गई बैरिकेडिंग को तोड़कर मुख्यमंत्री आवास की ओर बढ़ने का प्रयास किया। पुलिस और कार्यकर्ताओं के बीच तीखी नोकझोंक हुई, जिसके बाद उग्र भीड़ को तितर-बितर करने के लिए पुलिस को वाटर कैनन का इस्तेमाल करना पड़ा। छात्र आंदोलन के दौरान हुई फायरिंग की घटना और दिल्ली में पूर्णिया सांसद पप्पू यादव पर हुए हमले के विरोध में यह मार्च निकाला गया था।

मदरसे में पढ़ने वालों की सोच आतंकवादियों जैसी है:केशव

मौर्य बोले-ये नहीं बोलते भारत माता की जय

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने मदरसा और यहां पढ़ने वालों पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि मदरसे में पढ़ने वालों की मानसिकता एक आतंकवादी जैसी होती है। वह पहले भी यह बात बोल चुके हैं। मौर्य ने यह भी दावा किया कि यूपी में बीजेपी 2027 में लगातार तीसरी बार सरकार बनाने जा रही है। मदरसे को लेकर दिए गए बयान के सपा समेत अन्य विपक्षी दलों ने मौर्य पर निशाना साधा है। विधानमंडल के मॉनसून सत्र में जाने से पहले पत्रकारों से बातचीत में केशव मौर्य ने कहा-मदरसी शिक्षा जो भी प्राप्त करता है वो भारत माता की जय नहीं बोलता।

मदरसे आतंकवादियों को पैदा करने की फैक्ट्री– केशव प्रसाद मौर्य इससे पहले बोले थे कि मदरसा चाहे भारत का हो या पाकिस्तान का, देखा जाए तो वे अघोषित तौर पर आतंकवादियों को पैदा करने की फैक्ट्री हैं। मदरसों का मुख्य चरित्र और उनका मकसद आतंकवाद को बढ़ावा देना ही है। गौरतलब है कि योगी सरकार मदरसों में दी जाने वाली उच्च शिक्षा कामिल (स्नातक) और फाजिल (परास्नातक) की डिग्रियों पर पूरी तरह रोक लगाने जा रही है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद मदरसों में अब केवल 12वीं कक्षा तक ही पढ़ाई हो पाएगी। दरअसल, 5 नवंबर 2024 को अंजुम कादरी बनाम भारत संघ मामले में सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि बिना विश्वविद्यालय अनुदान आयोग यानी यूजीसी की गाइडलाइंस का पालन किए चलाए जा रहे उच्च शिक्षा के कोर्स बंद किए जाएं। इसी आधार पर राज्य सरकार यह कदम उठाने जा रही है।

पंजाब में आईएसआई समर्थित आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़

- रेलवे ट्रैक पर सीसीटीवी कैमरा लगाकर रेकी कर रहे थे आरोपी
- 9 लोग हुए गिरफ्तार, पेट्रोल बम बरामद; विदेशी हैंडलरों से संपर्क

अमृतसर (एजेंसी)। अमृतसर कमिश्नरेट पुलिस ने पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के समर्थन से संचालित आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है। इस कार्रवाई में 4 नाबालिगों समेत कुल 9 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। आरोपियों के कब्जे से 3 अवैध पिस्तौल, 9 जिंदा कारतूस और पेट्रोल से भरी 4 बोतलें, जिन्हें बम के रूप में इस्तेमाल किया जाना था बरामद की गई हैं।

प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि गिरफ्तार आरोपी विदेश में बैठे आईएसआई हैंडलरों के संपर्क में थे और उनके निर्देश पर काम कर रहे थे। पुलिस के अनुसार इन युवकों को आतंकी गतिविधियों के लिए तैयार किया जा रहा था। उन्हें सुरक्षा प्रतिष्ठानों की रेकी करने,

अवैध हथियार जुटाने और पंजाब में शांति एवं कानून व्यवस्था को प्रभावित करने जैसे कार्य सौंपे गए थे। जांच के दौरान एक और चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। पुलिस को पता चला कि आरोपियों ने रेलवे ट्रैक के पास निगरानी के लिए सीसीटीवी कैमरे लगाए थे। इन कैमरों से रिकॉर्ड की गई फुटेज कथित तौर पर विदेशी आईएसआई हैंडलरों को भेजी जा रही थी, ताकि नजर रखी जा सके।

अन्य सदस्यों की पहचान

अमृतसर के मोहकमपुरा, एयरपोर्ट और सी–डिवीजन थाना में अलग–अलग एफआईआर दर्ज की गई हैं। पुलिस पूरे नेटवर्क की गहराई से जांच कर रही है। अधिकारियों का कहना है कि नेटवर्क के अन्य सदस्यों की पहचान की जा रही है। साथ ही इसके आगे और पीछे जुड़े संपर्कों, फंडिंग के स्रोत व विदेश से मिलने वाली आर्थिक मदद की भी जांच की जा रही है। पुलिस यह भी पता लगाने में जुटी है कि क्या गिरफ्तार आरोपी किसी अन्य आतंकी साजिश या घटना में भी शामिल रहे हैं। अमृतसर कमिश्नरेट पुलिस का कहना है कि राज्य की सुरक्षा से खिलवाड़ करने वाले किसी भी तत्व को बख्शा नहीं जाएगा। उल्लेखनीय है कि करीब एक महीने पहले अमृतसर–दिल्ली रेलवे ट्रैक पर एक ओएचई (ओवरहेड इलेक्ट्रिफिकेशन) पोल पर सीसीटीवी कैमरा मिला था। कैमरे को बिजली आपूर्ति देने के लिए वहां सोलर पैनल भी लगाया गया था। जांच के दौरान पुलिस को एक सिम कार्ड मिला है।

केजरीवाल ने पीएम आवास तक निकाला मार्च, दिया धरना

- पुलिस ने रोका, फिरोजशाह रोड पर धरने पर बैठे

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के पूर्व सीएम और आम आदमी पार्टी संयोजक अरविंद केजरीवाल ने मंगलवार को ई 20 फ्यूल के खिलाफ प्रधानमंत्री आवास तक मार्च निकला। हालांकि, दिल्ली पुलिस ने केजरीवाल, मनीष सिसोदिया, जैस्मिन शाह समेत पार्टी के अन्य नेताओं को फिरोजशाह रोड पर ही रोक दिया। इसके बाद केजरीवाल सहित अन्य एएपी नेता फिरोजशाह रोड पर ही बीच सड़क पर धरने पर बैठ गए। एएपी ने करीब 100 नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ यह मार्च निकाला था। पार्टी का दावा है कि उसने देशभर से 2.30 लाख से ज्यादा लोगों की याचिकाएं जुटाई हैं, जिन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को

सौंपना था। मार्च के दौरान केजरीवाल ने कहा कि ई 20 के खिलाफ 2 लाख से ज्यादा लोगों ने प्रधानमंत्री को चिट्ठियां लिखी हैं, जिन्हें वे खुद प्रधानमंत्री को सौंपना चाहते हैं। लेकिन हमें पुलिस ने रोक दिया। हमने सभी चिट्ठियां मोदी जी को भेज दी हैं। केजरीवाल ने बताया कि उन्होंने प्रधानमंत्री को मैसेज भेजा है। उन्होंने कहा- हमें उम्मीद है कि पीएम हमसे मिलेंगे।

मुख्यमंत्री ने स्वास्थ्य सेवा शिविर का किया शुभारंभ

जयन्त प्रतिनिधि।

देहरादून : धर्मनगरी हरिद्वार में कांवड़ यात्रा के दौरान मंगलवार को आस्था, सेवा और संस्कृति का अद्भुत संगम देखने को मिला। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में देवभूमि उत्तराखंड ने देश के विभिन्न राज्यों से आए शिवभक्त कांवड़ियों का आत्मीय स्वागत और अभिनंदन किया। राज्य सरकार की ओर से आयोजित इस विशेष कार्यक्रम में श्रद्धालुओं के सम्मान के साथ-साथ कांवड़ यात्रा के सुरक्षित, सुव्यवस्थित और सफल संचालन के लिए किए जा रहे प्रयासों का भी संदेश दिया गया। मुख्यमंत्री ने देश के विभिन्न राज्यों से आए शिवभक्त कांवड़ियों के बीच पहुंचकर उनका स्वागत किया और अपने हाथों से भोजन परोसा।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के हरिद्वार आगमन पर हरकीपैड़ी से लेकर कांवड़ यात्रा मार्ग पर हेलीकॉप्टर से शिवभक्तों पर पुष्पवर्षा कर उनका स्वागत किया गया। अलकनंदा होटल परिसर में आयोजित भव्य समारोह में मुख्यमंत्री ने पाँच शिवभक्त कांवड़ियों का चरण प्रक्षालन कर उनका सम्मान किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कांवड़ यात्रियों की स्वास्थ्य सहायता एवं सुविधाओं के लिए स्थापित मुख्यमंत्री स्वास्थ्य सेवा शिविर का उद्घाटन किया। उन्होंने शिविर में उपलब्ध चिकित्सकीय सुविधाओं का अवलोकन किया और श्रद्धालुओं को त्वरित उपचार, आवश्यक दवाइयां तथा अन्य स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध

कराने की व्यवस्थाओं की जानकारी ली। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड सरकार का संकल्प है कि देवभूमि आने वाले प्रत्येक शिवभक्त को सुरक्षित, सुगम और सम्मानजनक वातावरण मिले। कांवड़ यात्रा केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि भारत की सनातन परंपरा, सामाजिक समरसता और आध्यात्मिक चेतना का विराट पर्व है।

इसके सफल आयोजन के लिए राज्य सरकार सभी संबंधित विभागों के समन्वय से निरंतर कार्य कर रही है। इस अवसर पर महामण्डलेश्वर ललितानंद गिरी महाराज, कैबिनेट मंत्री मदन कौशिक, प्रदीप बत्रा, राम सिंह कैड़ा, जिला पंचायत अध्यक्ष किरण चौधरी, विधायक रानीपुर आदेश चौहान, हरिद्वार की मेयर किरण जैसल, रुड़की की मेयर अनिता अग्रवाल, पूर्व कैबिनेट मंत्री स्वामी यतीश्वरानंद, भाजपा जिलाध्यक्ष आशुतोष शर्मा, पूर्व विधायक संजय गुप्ता, राज्य मंत्री देशराज कर्णवाल, दिनेश कौशिक, डॉ. जयपाल सिंह चौहान, श्यामवीर सैनी, आयुक्त आनंद स्वरूप, मेलाधिकारी श्रीमती सोनिका, आईजी गढ़वाल राजीव स्वरूप, आईजी (कुंभ मेला) योगेन्द्र सिंह रावत, जिलाधिकारी मयूर दीक्षित, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नवनीत सिंह भुल्लर, एसएसपी (कुंभ मेला) आयुष अग्रवाल, नगर आयुक्त नंदन कुमार, मुख्य विकास अधिकारी डॉ. ललित नारायण मिश्र, पुलिस अधीक्षक (यातायात) निशा यादव, अपर जिलाधिकारी जितेंद्र कुमार, पुलिस अधीक्षक नगर अभय प्रताप सिंह, सचिव एचआरडीए प्रत्यूष सिंह, उपजिलाधिकारी हरिद्वार योगेश मेहरा, उप मेलाधिकारी मनजीत सिंह आदि मौजूद थे। कार्यक्रम का संचालन अपर मेलाधिकारी दयानंद सरस्वती ने किया।

पुलिसकर्मियों एवं पर्यावरण मित्रों को किया सम्मानित

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि कांवड़ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसके लिए यात्रा मार्गों पर सीसीटीवी कैमरे, ड्रोन निगरानी, एंबुलेंस सेवाएं, स्वास्थ्य शिविर और आपातकालीन सहायता व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं। उन्होंने शिवभक्तों से यात्रा के दौरान अनुशासन, मर्यादा और धार्मिक परंपराओं का पालन करने की अपील की।

मुख्यमंत्री ने कांवड़ यात्रा के सफल संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले पांच पुलिसकर्मियों तथा पांच पर्यावरण मित्रों को सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि यह सम्मान केवल कुछ व्यक्तियों का नहीं, बल्कि उन सभी कर्मयोगियों के प्रति राज्य की कृतज्ञता का प्रतीक है, जो यात्रा के दौरान सुरक्षा, स्वच्छता, स्वास्थ्य सेवाओं और अन्य व्यवस्थाओं को सुचारु बनाए रखने में दिन-रात जुटे हुए हैं।

एक नजर

बाईपास निर्माण में विस्फोट करने का आरोप

गोपेश्वर। उक्रांद ने बदरीनाथ हाईवे पर हेलंग–मरवाड़ी बाईपास निर्माण में अनियमितता का आरोप लगाया। उन्होंने जिलाधिकारी गौरव कुमार को ज्ञापन सौंपकर मामले की जांच कराने की मांग की।

उक्रांद के जिला महामंत्री सुबोध बिष्ट व कार्यकारी अध्यक्ष पंकज पुरोहित ने ज्ञापन में कहा कि बाईपास निर्माण में स्वीकृति के बिना मलबा सीधे अलकनंदा नदी में डाला जा रहा है। इससे अलकनंदा नदी पर पर्यावरणीय संकट पैदा हो गया है। जलीय जीवों को भी इससे नुकसान हो रहा है। साथ ही उन्होंने निर्माण क्षेत्र में लगातार विस्फोट करने का आरोप लगाया। कहा कि ज्योतिर्मठ नगर क्षेत्र के ठीक नीचे ब्लास्टिंग की जा रही है ज्योतिर्मठ नगर पहले ही भू धंसाव का दंश झेल रहा है। ऐसे में विस्फोटों का नगर पर दूरगामी परिणाम पड़ सकता है।उन्होंने निर्माण कार्य पर्यावरणीय नियमों के अनुरूप कराने की मांग की। कहा यदि समय रहते इस दिशा में कार्रवाई नहीं की गई तो आंदोलन किया जाएगा।

निर्वाचक नामावली में प्रत्येक मतदाता का नाम सही दर्ज हो

गोपेश्वर। जिलाधिकारी व जिला निर्वाचन अधिकारी गौरव कुमार ने प्रत्येक मतदाता का विवरण निर्वाचक नामावली में सही व त्रुटिरहित दर्ज करने के निर्देश दिए। उन्होंने पात्र मतदाताओं की शत प्रतिशत मैपिंग निर्धारित समय के भीतर पूरा करने को कहा।

एसआईआर के तहत बदरीनाथ विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत प्रावि सगर में दावे व आपत्तियों का निस्तारण कार्य किया जा रहा है। जिलाधिकारी ने मंगलवार को मौके पर जाकर निस्तारण कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने निर्देश दिए कि निर्वाचन आयोग के दिशा निर्देशों के अनुरूप प्रत्येक प्रकरण का निष्पक्ष, पारदर्शी व समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करें। डीएम ने बताया कि एसआईआर के द्वितीय चरण के तहत जिन मतदाताओं के नाम अभी तक मैप नहीं हो पाए हैं या जिनके विवरण में किसी तरह की त्रुटि या विसंगति है उनके निस्तारण के लिए जिले में कैंप मोड पर सुनवाई की जा रही है। डीएम ने कहा कि यह कार्य अत्यंत महत्वपूर्ण व संवेदनशील है सभी अधिकारी गंभीरता व जिम्मेदारी के साथ कार्य करें। इस दौरान एसडीएम राजकुमार पांडे, अधिशासी अधिकारी अनिल कुमार व अन्य विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

देवाल–लोहाजंग मार्ग बंद, 12 हजार की आबादी का कटा संपर्क

देवाल। विकासखंड के गमलीगाड़ में मलबा आने से श्री नंदा राजजात व स्टेट हाईवे देवाल–लोहाजंग मार्ग बंद है। गमलीगाड़ में दलदल होने से यहां पर एक कार फंसी हुई है। वहीं देवाल–खेता व हाटकल्याड़ी–सवाड़ मोटर मार्ग बंद होने से इस क्षेत्र का संपर्क तहसील मुख्यालय से कटा हुआ है। ऐसे में करीब 12 हजार से अधिक आबादी परेशान है।

सोमवार की रात्रि को हुई मूसलाधार बारिश से देवाल–खेता मोटर मार्ग गमलीगाड़ में बंद है। यहां पर मलबा से दलदल बना हुआ है। जिस कारण मंगलवार को एक कार दलदल में फंस गई। इस मार्ग के बंद होने से इस क्षेत्र के करीब 12 हजार आबादी का संपर्क कटा है। वहीं दस हजार आबादी को जोड़ने वाला देवाल–खेता मानमती सड़क सुयालकोट में बंद है। यहां पर करीब ढाई सौ मीटर सड़क में मलबा आया है। हालांकि लोनिवि ने मलबा हटाने के लिए पोकलैन मशीन व एक जेसीबी मशीन लगाई है। लेकिन लगातार मलबा व बोल्डर गिरने से मलबा हटाने का काम बाधित हो रहा है। लोनिवि के सहायक अभियंता जेके टम्टा ने बताया कि मलबा हटाने के लिए जेसीबी व पोकलैन मशीन लगी हुई है। यातायात के लिए शीघ्र सड़क खोल दी जाएगी।

चमोला और सेनू गांवों में तीन दिन से नहीं आ रहा पानी

कर्णप्रयाग। ब्लॉक के चमोला और सेनू गांवों में तीन दिन से पेयजल आपूर्ति पड़ी है। ऐसे में ग्रामीण लगभग एक किमी दूर जल स्रोत से पीने का पानी लाने के लिए विवश हैं। 100 से अधिक उपभोक्ताओं को परेशानियों झेलनी पड़ रही हैं।

चमोला और सेनू गांवों में सांकवा गदेरे स्रोत से पेयजल आपूर्ति होती है। चमोला गांव की पेयजल व्यवस्था का जिम्मा पेयजल निगम और सेनू गांव का जिम्मा जल संस्थान के पास है। सामाजिक कार्यकर्ता समीर मिश्रा, मनोज चमोली, सचिन, पवन, बलवीर सिंह आदि ने बताया कि बरसात के चलते गदेरे का जल स्तर बढ़ गया है। ऐसे में पिछले 18 दिनों से लगातार गांव में मिट्टीयुक्त पानी की आपूर्ति हो रही थी लेकिन विगत तीन दिन से चमोला और सेनू गांवों में पेयजल आपूर्ति ठप है।

एक साल बाद भी 25 फीट मलबे के नीचे दबा है कल्प केदार मंदिर

उत्तरकाशी। धराली आपदा के एक वर्ष बाद भी कल्प केदार मंदिर मलबे में दबा है। करीब पच्चीस फीट मलबे के नीचे दबे इस मंदिर की खोज के लिए ठोस कदम नहीं उठे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि ग्राम देवता समेश्वर देवता ने 5 अगस्त 2026 तक कुछ भी करने से मना किया है।

गत वर्ष 5 अगस्त 2025 को आई आपदा में यह प्राचीन मंदिर मलबे में दब गया। सावन माह में भगवान शंकर के इस मंदिर में श्रद्धालुओं और कांवड़ यात्रियों की भीड़ रहती थी। आपदा के बाद मंदिर समिति ने एनडीआरएफ की मदद से इसकी स्थान तलाशी। उस आधार पर 5 अगस्त 2025 से वहां एक हनुमान झंडी स्थापित है। लगभग जून 2026 में स्थानीय युवाओं ने स्वच्छता के लिए लकड़ी के खंभे और झंडे लगाए। मंदिर को मलबे से निकालने के लिए ग्रामीणों ने समेश्वर देवता की देवडोली की अनुमति ली।

मंदिर समिति के पदाधिकारियों के अनुसार, देवता ने 5 अगस्त 2026 तक खोदाई से मना किया है। कल्प केदार मंदिर समिति के अध्यक्ष राजेश पंवार ने भी देवता के निर्देश की पुष्टि की। उन्होंने बताया कि एक वर्ष पूरा होने के बाद दोबारा देवता से पूछा जाएगा।

भारी बारिश से जोनसार–बावर में जनजीवन अस्त–व्यस्त

सहिया,जनजातीय क्षेत्र जोनसार–बावर में पिछले दो दिनों से लगातार हो रही मूसलाधार बारिश ने जनजीवन को पूरी तरह प्रभावित कर दिया है।

क्षेत्र में लगातार हो रही बारिश के चलते जजरेड पहाड़ी से भारी भूस्खलन और मलबा आने के कारण मुख्य मोटर मार्गों सहित कई संपर्क सड़कें बंद हो गई हैं। सड़कें अवरुद्ध होने से ग्रामीणों, यात्रियों और किसानों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

लगातार बारिश के कारण पहाड़ियों से बड़े–बड़े बोल्डर और मलबा गिरने का सिलसिला जारी है। इससे कई स्थानों पर यातायात पूरी तरह ठप हो गया है और लोगों की आवाजाही प्रभावित हुई है।

उत्तराखण्ड में अनोखा मामला: 2 साल का बकरा दे रहा दूध

देहरादून, उत्तराखण्ड की राजधानी देहरादून के सेलाकुई क्षेत्र से एक बेहद अनोखा और दुर्लभ मामला सामने आया है, जिसने स्थानीय लोगों के साथ–साथ पशुपालन विशेषज्ञों का भी ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। आमतौर पर दूध देने का कार्य मादा बकरी करती है, लेकिन यहां एक दो वर्षीय नर बकरा दूध दे रहा है।

इस अनोखी घटना की चर्चा पूरे क्षेत्र में फैल गई है और बकरे को देखने के लिए दूर–दूर से लोग पहुंच रहे हैं।

'बोरा' बना पूरे इलाके में आकर्षण का केंद्र

सेलाकुई निवासी सुखपाल के पास मौजूद इस दो वर्षीय बकरे का नाम 'बोरा' है। परिवार के लोगों ने कुछ समय पहले उसके शरीर में विकसित थनों को देखा तो उन्हें आश्चर्य हुआ। बाद में जब स्थानीय निवासी राजेंद्र बिल्ला और बकरे के मालिक ने उसके थनों से दूध निकलते देखा, तो सभी हैरान रह गए।

यह खबर आसपास के गांवों में तेजी से फैल गई और देखते ही देखते 'बोरा' को देखने वालों का तांता लग गया। लोग इसे अपने मोबाइल कैमरों में कैद कर रहे हैं और सोशल मीडिया पर इसकी तस्वीरें व वीडियो तेजी से साझा की जा रही हैं।

ग्रामीण बोले– पहली बार देखा ऐसा नजारा

स्थानीय लोगों का कहना है कि उन्होंने आज तक किसी नर बकरे को दूध देते नहीं देखा। कई ग्रामीण इसे प्रकृति का अनोखा करिश्मा मान रहे हैं, जबकि कुछ लोग इसे दैवीय चमत्कार बता रहे हैं। यही कारण है कि 'बोरा' इन दिनों पूरे क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है।

देहरादून और बागेश्वर में ऑरेंज अलर्ट

देहरादून, उत्तराखंड में मानसून एक बार फिर सक्रिय हो गया है। मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने प्रदेश के कई जिलों के लिए भारी बारिश का पूर्वानुमान जारी करते हुए लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है।

विभाग ने देहरादून और बागेश्वर जनपद के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है, जबकि 6 अगस्त तक प्रदेश के अधिकांश पर्वतीय जिलों के लिए येलो अलर्ट घोषित किया गया है।

मौसम विभाग के अनुसार, देहरादून, चमोली, रुद्रप्रयाग, उत्तरकाशी, पिथौरागढ़, बागेश्वर, टिहरी गढ़वाल, चंपावत और नैनीताल जनपदों के अनेक स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। कुछ इलाकों में तेज बारिश के साथ गरज–चमक और बिजली गिरने की घटनाएं भी हो सकती हैं। ऑरेंज अलर्ट वाले जिलों में कहीं–कहीं भारी से बहुत भारी वर्षा होने की संभावना जताई गई है। लगातार बारिश के कारण पर्वतीय क्षेत्रों में भूस्खलन, चट्टान गिरने, सड़कें अवरुद्ध होने और नदी–नालों के जलस्तर में अचानक वृद्धि का खतरा बना रह सकता है। प्रशासन ने संवेदनशील क्षेत्रों में रहने वाले लोगों से अनावश्यक यात्रा से बचने और मौसम की ताजा जानकारी पर नजर बनाए रखने की अपील की है। विशेष रूप से चारधाम यात्रा मार्गों, पहाड़ी सड़कों और नदी–नालों के आसपास अतिरिक्त सतर्कता बरतने की सलाह दी गई है। आपदा प्रबंधन विभाग ने सभी संबंधित विभागों और जिला प्रशासन को अलर्ट मोड पर रहने के निर्देश दिए हैं, ताकि किसी भी आपात स्थिति से तुरंत निपटा जा सके।

जिला अस्पताल में एक्सपायरी इंजेक्शन मिलने से हड़कंप

देहरादून। उत्तराखंड की स्वास्थ्य व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करने वाला एक मामला राजधानी देहरादून के जिला अस्पताल (कोरोनेशन अस्पताल) से सामने आया है। अस्पताल के सर्जरी वार्ड में भर्ती एक मरीज को उपचार के दौरान एक्सपायरी डेट पार कर चुका इंजेक्शन लगाए जाने की तैयारी की जा रही थी। हालांकि मरीज की सतर्कता के चलते समय रहते यह बड़ी लापरवाही पकड़ में आ गई और संभावित हादसा टल गया। घटना के सामने आने के बाद अस्पताल प्रशासन में हड़कंप मच गया है और पूरे मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

मरीज ने खुद पकड़ी लापरवाही

जानकारी के अनुसार सहस्त्रधारा निवासी गौरव गुलाटी का लगभग छह दिन पहले कोरोनेशन अस्पताल में हर्निया का ऑपरेशन हुआ था। ऑपरेशन के बाद वह सर्जरी वार्ड में भर्ती होकर उपचार करा रहे हैं। आरोप है कि उपचार के दौरान वार्ड स्टाफ द्वारा उन्हें एक इंजेक्शन लगाने की तैयारी की गई।

इसी दौरान मरीज की नजर इंजेक्शन की शीशी पर अंकित एक्सपायरी डेट पर पड़ी। जांच

करने पर पता चला कि इंजेक्शन जुलाई माह में ही एक्सपायर हो चुका था। यह देखते ही मरीज ने तत्काल इंजेक्शन लगवाने से इनकार कर दिया और वार्ड स्टाफ को इसकी जानकारी दी।

वीडियो वायरल होने के बाद मचा हड़कंप

घटना के दौरान मौजूद लोगों ने पूरे घटनाक्रम का वीडियो बना लिया, जो बाद में सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया। वीडियो सामने आने के बाद अस्पताल प्रशासन हरकत में आया और मामले का संज्ञान लेते हुए तत्काल जांच के आदेश जारी कर दिए।

हालांकि वायरल वीडियो की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है, लेकिन अस्पताल प्रशासन ने मामले को गंभीर मानते हुए संबंधित फार्मेसी और नर्सिंग स्टाफ से स्पष्टीकरण तलब किया है।

दवा प्रबंधन व्यवस्था पर उठे गंभीर सवाल

इस घटना ने अस्पताल में दवाओं के भंडारण, वितरण और वार्ड तक पहुंचने से पहले होने वाली जांच प्रक्रिया पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि एक्सपायर दवा या इंजेक्शन का इस्तेमाल मरीज के स्वास्थ्य के लिए बेहद खतरनाक साबित हो सकता है। इसलिए अस्पतालों में दवाओं की नियमित मॉनिटरिंग के साथ वार्ड स्तर पर भी एक्सपायरी डेट का दोबारा सत्यापन अनिवार्य किया जाना चाहिए।

अस्पताल प्रशासन ने दिए जांच के आदेश

अस्पताल के प्रमुख चिकित्सा अधीक्षक डॉ. यतेंद्र सिंह ने कहा कि प्रथम दृष्टया मामला बेहद गंभीर प्रतीत हो रहा है। पूरे घटनाक्रम की विस्तृत जांच कराई जा रही है। फार्मेसी और नर्सिंग स्टाफ को नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण मांगा गया है। यदि जांच में किसी भी स्तर पर लापरवाही सामने आती है तो संबंधित कर्मचारियों के खिलाफ नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने किया मतदान केंद्रों का निरीक्षण

देहरादून, उत्तराखंड के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) डॉ. बी.वी.आर.सी. पुरुषोत्तम ने मंगलवार को देहरादून जनपद के विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों में स्थित मतदान केंद्रों का स्थलीय निरीक्षण कर विशेष गहन पुनरीक्षण (रकफ) अभियान के तहत जारी नोटिसों की सुनवाई और मतदाता सत्यापन प्रक्रिया का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने मतदान केंद्रों पर मौजूद मतदाताओं से सीधे संवाद कर निर्वाचन संबंधी व्यवस्थाओं और चल रही प्रक्रिया पर उनका फीडबैक भी लिया।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने राजपुर विधानसभा क्षेत्र के बूथ संख्या–65 (प्राथमिक विद्यालय, दिलाराम बाजार) तथा रायपुर विधानसभा क्षेत्र के बूथ संख्या–10 (प्राथमिक विद्यालय, डांडा खुदानेवाला) का निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से नोटिसों के निस्तारण, मतदाता सत्यापन, दस्तावेजों की जांच और शिकायतों के समाधान की प्रगति की

विस्तृत जानकारी प्राप्त की। निरीक्षण के दौरान डॉ. पुरुषोत्तम ने कहा कि फील्ड विजिट का उद्देश्य केवल निरीक्षण करना नहीं, बल्कि धरातल पर सामने आ रही व्यवहारिक समस्याओं को समझना और उनका समाधान सुनिश्चित करना है। उन्होंने बताया कि प्रदेशभर में सभी मंडल आयुक्तों, जिलाधिकारियों तथा निर्वाचन पंजीकरण अधिकारियों (एफड) को भी नियमित रूप से मतदान केंद्रों का भ्रमण कर व्यवस्थाओं का आकलन करने के निर्देश दिए गए हैं।

उन्होंने कहा कि जिन नोटिसों में सामान्य प्रकार की विसंगतियां हैं, उनका निस्तारण बीएलओ (बूथ लेवल अधिकारी) अपने स्तर पर आवश्यक दस्तावेजों का सत्यापन कर करें, ताकि मतदाताओं को अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। वहीं जिन मतदाताओं की मैपिंग नहीं हो पाई है, ऐसे मामलों को प्राथमिकता के आधार पर ईआरओ एवं एईआरओ स्तर पर नियमानुसार सुनवाई कर समयबद्ध तरीके से निस्तारित किया जाए।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि मतदाता सूची से संबंधित प्रत्येक शिकायत का निष्पक्ष, पारदर्शी और समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया जाए, ताकि किसी भी पात्र मतदाता को मतदान के अधिकार से वंचित न होना पड़े। उन्होंने बताया कि सोमवार को हरिद्वार जनपद के विभिन्न मतदान केंद्रों का निरीक्षण करने के बाद मंगलवार को देहरादून में व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई। प्रदेश के सभी जनपदों में निर्वाचन प्रक्रिया की सतत निगरानी की जा रही है।

जिले के अस्पतालों में लगेंगे नेत्र जांच शिविर

गोपेश्वर। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के तहत चमोली जिले में अगस्त माह के दौरान विभिन्न स्वास्थ्य संस्थानों में निशुल्क नेत्र जांच (मोतियाबिंद स्क्रीनिंग) शिविर आयोजित किए जाएंगे। इन शिविरों में विशेषज्ञ चिकित्सकों की ओर से लोगों की आंखों की जांच कर परामर्श एवं उपचार किया जाएगा।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. राजीव सिंह पाल ने बताया कि 5 अगस्त को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र थराली, 12 अगस्त को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र नारायणबगड़, 19 अगस्त को सीएचसी पोखरी, 22 अगस्त को पीएचसी दशोली–चमोली, 26 अगस्त को सीएचसी नंदानगर तथा 29 अगस्त को उप जिला चिकित्सालय कर्णप्रयाग में निशुल्क नेत्र जांच एवं मोतियाबिंद स्क्रीनिंग शिविर आयोजित किए जाएंगे।

चारधाम के साथ अन्य मंदिरों में भी श्रद्धालुओं ने बनाया रिकॉर्ड, त्रियुगीनारायण में ढाई गुना बढ़े

देहरादून। चारधाम के साथ अन्य ऐतिहासिक मंदिरों में दर्शन करने वाले श्रद्धालुओं की संख्या का रिकॉर्ड बन रहा है। इस साल अब तक जागेश्वर व त्रियुगीनारायण में बीते वर्ष की तुलना में ढाई गुना अधिक श्रद्धालु पहुंचे हैं। वहीं, धारी देवी व पूर्णागिरि धाम में डेढ़ गुना श्रद्धालु बढ़े हैं। चारधाम के साथ ही अन्य प्रमुख धार्मिक स्थलों में दर्शन के लिए उमड़ रही भक्तों की लगातार बढ़ती संख्या को प्रमाण के रूप में देखा जा रहा है। प्रदेश के प्रमुख पर्यटक स्थलों को पर्यटन सर्किट से जोड़ने के साथ केदारखंड की तर्ज पर मानसखंड मंदिरमाला मिशन के तहत पौराणिक मंदिरों का विकास, बुनियादी सुविधाएं, सड़कों का विस्तार किया जा रहा है।

चारधाम यात्रा में अब तक 45.84 लाख श्रद्धालु दर्शन कर चुके हैं। वहीं, जनवरी से जून तक जागेश्वर

धाम में 1.74 लाख से अधिक श्रद्धालु दर्शन को पहुंचे हैं, जबकि बीते वर्ष 2025 में इस अवधि में यह संख्या 67 हजार 875 थी। पूर्णागिरि धाम में जून माह तक 20,91,788 श्रद्धालुओं ने दर्शन किए। बीते वर्ष इसी अवधि में 14,35,290 यात्रियों ने दर्शन किए थे। धारी देवी में दर्शनार्थियों की संख्या 5,42,626 रही है, जबकि वर्ष 2025 में यह आंकड़ा 2,83,275 था। त्रियुगीनारायण में भी श्रद्धालुओं की संख्या में बढ़ोतरी हुई है। इस वर्ष 3.40 लाख से अधिक श्रद्धालु पहुंचे हैं। जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में भक्तों की संख्या 1.36 लाख थी।

चार साल से जर्जर भवन में चल रहा प्राथमिक स्कूल छेटी

नई टिहरी। जाखणीधार ब्लॉक के राजकीय प्राथमिक विद्यालय छेटी का जर्जर भवन पिछले चार साल से 11 छात्र–छात्राओं के लिए खतरा बना हुआ है। वर्ष 1998–99 में बने विद्यालय भवन की वर्ष 2022 से हालत लगातार खराब होती जा रही है। मरम्मत नहीं होने के कारण जगह–जगह से प्लास्टर झड़ रहा है। छत का बिम भी टेढ़ा हो चुका है।

प्राथमिक विद्यालय छेटी भवन की जर्जर स्थिति के कारण बारिश में छात्र–छात्राओं की पढ़ाई प्रभावित होती है। खतरे को देखते हुए मौसम खराब होने पर विद्यालय की कक्षाएं समीप स्थित आंगनबाड़ी केंद्र में संचालित करनी पड़ती है। केंद्र में केवल एक कमरा है जिसमें आंगनबाड़ी के बच्चों के अलावा स्कूल के 11 छात्र–छात्राओं के बैठने और पढ़ाई करने के लिए पर्याप्त जगह नहीं है। इससे विद्यार्थियों और शिक्षकों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। कई बार लगातार बारिश होने या मौसम खराब रहने की स्थिति में विद्यालय में छुट्टी करनी पड़ती है।

स्कूल भवन की हालत इस कदर खराब हो चुकी है कि बारिश का पानी सीधे कक्षाओं में आने से भवन क्षतिग्रस्त होने की आशंका बनी रहती है।

वर्षा होते ही आमसौड़ के ग्रामीणों की आंखों से उड़ रही नींद

गत वर्षाकाल में पहाड़ी से आए मलबे ने आमसौड़ में मचाई थी तबाही वर्तमान में हो रही वर्षा ने एक बार फिर बढ़ाई ग्रामीणों की चिंता

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : बरसात के मौसम ने दुगड्डा ब्लॉक के आमसौड़ के ग्रामीणों की चिंता बढ़ा दी है। वर्षा होते ही ग्रामीणों की आंखों के सामने गत वर्ष हुई तबाही के भयावह दृश्य ताजा हो उठे हैं। दिनभर ग्रामीणों की निगाहें गांव के ऊपर स्थित केलापानी की खतरनाक पहाड़ी पर टिकी रहती हैं, जबकि रातें डर और आशंका के बीच जागकर कट रही हैं। ग्रामीणों को हर पल इस बात का भय सता रहा है कि कहीं फिर से भूस्खलन या मलबा गांव पर कहर न बरपा दें। लगातार शिकायत के बाद भी सरकारी सिस्टम ने ग्रामीणों के विस्थापन की सुध नहीं ली।

दुगड्डा ब्लाक का आमसौड़ गांव जो वर्षाकाल के दौरान खतरे की जद में है

गत वर्ष वर्षाकाल आमसौड़ गांव के ऊपर स्थित केलापानी की पहाड़ी से भारी मलबा आ गया था। मलबा कई घरों के अंदर घुस गया था। जबकि, हाईवे के किनारे स्थित एक भवन का हिस्सा मलबे की जद में आकर ध्वस्त हो गया था। इस मलबे व बोल्डर के कारण गांव का दशकों पुराना प्राकृतिक स्रोत भी ध्वस्त हो गया था। कई दिनों की मशक्कत के बाद ग्रामीणों ने घरों से मलबा तो साफ कर दिया था। लेकिन, पहाड़ी से लगातार बोल्डर गिरने का खतरा बना हुआ था। ऐसे में सरकारी सिस्टम ने खतरे की जद में आने वाले 15 परिवारों को अन्यत्र शिफ्ट कर दिया था। पूरे वर्षाकाल के दौरान ग्रामीण अपने घरों से दूर अन्यत्र शरण लेकर रहे। इसके बाद ग्रामीण लगातार उनके विस्थापन की मांग कर रहे थे। ग्रामीणों का कहना था कि पहाड़ी से आ रहे बोल्डर व मलबे के कारण उन्हें हर वर्षाकाल जान-माल का खतरा बना रहेगा। लेकिन, सरकारी सिस्टम ने उनकी समस्या को गंभीरता से नहीं लिया। नतीजा, आज भी ग्रामीण वर्षाकाल के दौरान खतरे की जद में आए अपने भवनों में रह रहे हैं। ग्रामीणों ने बताया कि वर्षा होते ही उनकी चिंता भी बढ़ गई है। खतरे के कारण गांव से लगातार पलायन का दौर भी जारी है। गांव के ऊपर स्थित पहाड़ी कब तबाही मचा दें कुछ कहा नहीं जा सकता।

लगातार उठा रहे विस्थापन की मांग

वर्षाकाल में भूस्खलन की मार झेल रहे आमसौड़ के ग्रामीण पिछले लंबे समय से विस्थापन की मांग उठा रहे हैं। इसके लिए ग्रामीणों ने गांव के समीप राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे बैठकर धरना भी दिया था। लेकिन, अब तक हालात जस के तस बने हुए हैं। हालांकि, सरकारी सिस्टम ने ग्रामीणों को गांव के ऊपर बोल्डर व मलबे को रोकने के लिए योजना तैयार करने का आश्वासन दिया था। लेकिन, यह आश्वासन भी धरातल पर नजर नहीं आ रहा।

फाउंडेशन ने 51 जरूरतमंद महिलाओं को दी सिलाई मशीनें, राशन किट भी बांटी

आयोजित कार्यक्रम के दौरान महिलाओं को सामान बांटते सदस्य

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में संदीप भट्ट फाउंडेशन ने एक सराहनीय पहल करते हुए कोटद्वार क्षेत्र की 51 जरूरतमंद महिलाओं को सिलाई मशीन और राशन किट वितरित की। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं को स्वरोजगार के लिए प्रेरित करते हुए उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनने का संदेश दिया गया।

फाउंडेशन के संस्थापक संदीप भट्ट ने कहा कि संस्था का मुख्य उद्देश्य जरूरतमंद महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना और उन्हें सम्मानजनक आजीविका से जोड़ना है। उन्होंने बताया कि फाउंडेशन लगातार समाजसेवा के कार्यों में सक्रिय है और इससे पहले भी कई महिलाओं को सिलाई मशीनें उपलब्ध कराई जा चुकी हैं। उन्होंने कहा कि वे मूल रूप से पिथौरागढ़ के निवासी हैं और पूरे उत्तराखंड में सामाजिक सरोकारों से जुड़े विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से जरूरतमंद लोगों की सहायता कर रहे हैं। उन्होंने अन्य सामाजिक संगठनों और सक्षम लोगों से भी अपील की कि वे गरीब, असहाय और जरूरतमंद परिवारों की मदद के लिए आगे आएं, ताकि अधिक से अधिक लोगों तक सहयोग पहुंच सके। कार्यक्रम में प्रीति गुसाई, विमला रावत, डॉ. अनुराधा नैथानी, इंदु नौटियाल, डॉ. माधुरी डबराल, शोभा रावत, जेपी ध्यानी सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

एक सप्ताह बाद भी नहीं हुई पुश्ते की मरम्मत, लोग परेशान

श्रीनगर गढ़वाल : नगर निगम के वार्ड नंबर-12 के एजेंसी मोहल्ला में डाट पुलिया के नीचे का पुश्ता ढहे एक सप्ताह से अधिक समय बीत चुका है, लेकिन नगर निगम अभी तक मरम्मत कार्य शुरू नहीं करा पाया है। ऐसे में क्षतिग्रस्त मार्ग से आवाजाही जारी रहने के कारण यहां हादसे की आशंका बनी है। बारिश के कारण डाट पुलिया के नीचे का पुश्ता भरभराकर गिर गया था। इससे पुराने बदरीनाथ मार्ग का एक हिस्सा भूस्खलन की चपेट में आ गया। यह मार्ग एजेंसी मोहल्ला, श्रीकोट और घसिया महादेव सहित आसपास के क्षेत्रों के लोगों की आवाजाही का प्रमुख रास्ता है। स्थानीय संजय, रोहिताश और अंशुल ने बताया कि पुश्ता ढहने के बाद मार्ग खतरनाक हो गया है। उन्होंने क्षतिग्रस्त हिस्से की जल्द मरम्मत कराने की मांग की। पार्षद शुभम प्रभाकर ने कहा कि मेयर आरती भंडारी को पत्र देकर स्थिति से पहले ही अवगत कराया जा चुका है। निर्माण पूरा होने तक मार्ग पर वाहनों की आवाजाही प्रतिबंधित की जानी चाहिए। वहीं नगर निगम के जेई सूरज ने बताया कि पुश्ते के निर्माण का इस्टीमेट तैयार किया जा रहा है। प्रक्रिया पूरी होते ही कार्य शुरू कराया जाएगा। (एजेंसी)

जड़ी-बूटी दिवस पर औषधीय पौधों का नि:शुल्क वितरण

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : नगर निगम क्षेत्र के मालवीय उद्यान के समीप भारत स्वाभिमान न्यास, पतंजलि योग समिति एवं पतंजलि किसान सेवा समिति के संयुक्त तत्वावधान में आचार्य बालकृष्ण का जन्मदिवस जड़ी-बूटी दिवस के रूप में उत्साहपूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर लोगों को विभिन्न प्रकार के औषधीय पौधों का निःशुल्क वितरण किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने आचार्य बालकृष्ण के स्वस्थ एवं दीर्घायु जीवन की कामना की। इसके बाद प्रतिभागियों को औषधीय पौधे वितरित किए गए और उनके औषधीय महत्व, उपयोग तथा पर्यावरण संरक्षण में उनकी भूमिका के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। वक्ताओं ने लोगों से घरों और आसपास औषधीय पौधे लगाने तथा आयुर्वेद आधारित जीवनशैली अपनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में सुमन कोटनाला, आरती पंत, अशोक नेगी, चंद्र किशोर असवाल, प्रकाश कोठारी, विवेक अग्रवाल, रमाकांत कुकरेती, दिनेश जुयाल, शशिभूषण अमोली, अमित सजवाण, भगवती प्रसाद जुयाल, नंदन सिंह और रणवीर सिंह सहित कई लोग मौजूद रहे।

भगवान शिव ही संपूर्ण सृष्टि के मूल आधार

श्रीनगर गढ़वाल : सिद्धपीठ कमलेश्वर महादेव मंदिर में चल रही शिव महापुराण कथा के तीसरे दिन श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। कथा व्यास आचार्य जगन्नाथ प्रसाद डिमरी ने कहा कि भगवान शिव ही संपूर्ण सृष्टि के मूल आधार हैं। इससे पहले उन्होंने रुद्राक्ष और भस्म की महिमा का भी उल्लेख किया। कथा के दौरान अभय बहुगुणा, अस्मित बहुगुणा, सुमित रतूड़ी और रोहन चमोली ने शिव भजनों की प्रस्तुति दी। 108 महंत आशुतोष पुरी की मौजूदगी में महाआरती की गई।

मतदाता सूची सुधार शिविर में पहुंचे कई लोग

पुरोला। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के तहत मंगलवार को राबाइंका पुरोला में नाम शुद्धिकरण एवं मतदाता सूची की त्रुटियों के सुधार के लिए विशेष शिविर आयोजित किया गया। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार लगे शिविर में दर्जनों मतदाताओं ने पहुंचकर अपने नाम, पता, आयु और अन्य प्रविष्टियों का सत्यापन कराया। आवश्यक दस्तावेजों के साथ संशोधन आवेदन जमा किए। अधिकारियों ने मतदाताओं को सही एवं अद्यतन जानकारी दर्ज कराने के महत्व की जानकारी देते हुए समय सीमा के भीतर त्रुटियों का संशोधन कराने को कहा। निर्वाचन विभाग के अनुसार नाम, पता और अन्य प्रविष्टियों में त्रुटियों को लेकर अब तक लगभग चार हजार मतदाताओं को नोटिस जारी किए जा चुके हैं।

मालन नदी पर बनें वैकल्पिक पुल की बदहाल स्थिति पर उक्रांद नाराज

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : उत्तराखंड क्रांति दल ने मालन नदी पर ह्यूम पाइपों से बनाए गए वैकल्पिक पुल की जर्जर स्थिति पर चिंता जताते हुए प्रशासन से तत्काल सुरक्षा एवं मरम्मत कार्य शुरू कराने की मांग की है। पार्टी ने चेतावनी दी कि यदि दस दिनों के भीतर आवश्यक कार्रवाई नहीं हुई तो मोटाढांक में एक दिवसीय धरना-प्रदर्शन किया जाएगा। महानगर अध्यक्ष भारत मोहन काला के नेतृत्व में उक्रांद कार्यकर्ताओं ने तहसील परिसर पहुंचकर उपजिलाधिकारी संदीप कुमार को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में कहा गया कि स्थायी पुल क्षतिग्रस्त होने के बाद तल्ला मोटाढांक-बेलगिरी आश्रम-हल्दूखाता मार्ग पर करीब दो करोड़ रुपये की लागत से ह्यूम पाइपों के माध्यम से वैकल्पिक पुल बनाया गया था, जिससे क्षेत्र के लोगों की आवाजाही सुचारु हो सकी। उक्रांद का आरोप है कि पुल के आसपास अवैध रूप से रेत और बजरी निकाले जाने के कारण उसकी नींव प्रभावित हुई है और पुल अब जर्जर स्थिति में पहुंच गया है। यदि समय रहते सुरक्षा कार्य और मरम्मत नहीं कराई गई तो पुल के क्षतिग्रस्त होने का खतरा बढ़ सकता है, जिससे क्षेत्र की आवाजाही फिर प्रभावित होगी। पार्टी ने प्रशासन से पुल के आसपास सुरक्षा उपाय सुनिश्चित करने, खनन गतिविधियों पर प्रभावी रोक लगाने और पुल की मजबूती के लिए तत्काल आवश्यक कार्य शुरू करने की मांग की। इस दौरान महेंद्र सिंह रावत, रवींद्र सैंद, उम्मेद सिंह भंडारी, अशोक कंडारी, हरीश द्विवेदी, हरेंद्र सिंह भंडारी, कृपाल सिंह गुसाईं, वृजेश चतुर्वेदी, कुलदीप तोमर और नरेश धस्माना सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

कोटद्वार में प्रशासन को ज्ञापन देते उक्रांद के सदस्य

न्यायालय परिसर में स्थापित हो बैरिस्टर मुकुंदीलाल की प्रतिमा : अरुण भट्ट

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष एवं वरिष्ठ अधिवक्ता अरुण कुमार भट्ट ने देश के प्रख्यात विधिवेत्ता एवं स्वतंत्रता संग्राम से जुड़े बैरिस्टर मुकुंदीलाल की प्रतिमा को न्यायालय परिसर में स्थापित किए जाने की मांग उठाई है। उनका कहना है कि इससे महान विभूति को उचित सम्मान मिलने के साथ ही नई पीढ़ी को उनके योगदान से परिचित होने का अवसर मिलेगा।

अरुण कुमार भट्ट ने कहा कि बैरिस्टर मुकुंदीलाल की प्रतिमा पिछले कई वर्षों से नगर निगम के प्रेक्षागृह के भूतल में उपेक्षित अवस्था में रखी हुई है। इसके चलते उनकी जयंती और पुण्यतिथि पर भी उन्हें अपेक्षित सम्मान नहीं मिल पाता। उन्होंने कहा कि बैरिस्टर मुकुंदीलाल तत्कालीन टिहरी रियासत में न्यायाधीश के पद पर रहे थे और प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी वीर चंद्र सिंह गढ़वाली के अधिवक्ता के रूप में भी उन्होंने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। ऐसे महान व्यक्तित्व की प्रतिमा का न्यायालय परिसर में स्थापित होना न्याय पालिका और विधि जगत के लिए सम्मान की बात होगी। वरिष्ठ अधिवक्ता ने शासन-प्रशासन और संबंधित विभाग से बैरिस्टर मुकुंदीलाल की प्रतिमा को शीघ्र न्यायालय परिसर में स्थापित करने की मांग करते हुए कहा कि इससे आमजन, विशेषकर युवा अधिवक्ताओं और छात्रों को उनके जीवन, न्यायिक योगदान और राष्ट्रसेवा से प्रेरणा लेने का अवसर मिलेगा।

स्वयं सहायता समूह ग्रामीण महिलाओं की आर्थिक उन्नति का प्रभावी माध्यम

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : विकासखंड के आदर्श ग्राम पंचायत धनाऊं मल्ला के मिनी सचिवालय भवन में मंगलवार को स्वयं सहायता समूहों को आर्थिक और सामाजिक रूप से सशक्त बनाने के उद्देश्य से बैठक आयोजित की गई, जिसमें ग्रामसभा के छह स्वयं सहायता समूहों की अध्यक्षों और महिला सदस्यों ने भाग लिया। समूहों के सुचारु संचालन, पारदर्शिता, आपसी समन्वय व महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़ने के लिए संगठनात्मक ढांचे का गठन भी किया गया। इस दौरान प्रोड्यूसर ग्रुप (पीजी) के माध्यम से आजीविका गतिविधियों को बढ़ावा देने और स्वयं सहायता समूहों की संगठनात्मक व्यवस्था को मजबूत बनाने पर चर्चा हुई। ग्राम प्रधान कमल रावत ने कहा कि स्वयं सहायता समूह ग्रामीण महिलाओं की आर्थिक उन्नति का प्रभावी माध्यम हैं। उन्होंने कहा कि योजनाबद्ध और सामूहिक प्रयासों से महिलाएं आत्मनिर्भर बनने के साथ स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी सृजित कर सकती है। उन्होंने महिलाओं से सरकारी योजनाओं का लाभ उठाकर उद्यमिता की दिशा में आगे बढ़ने का आह्वान किया। उपप्रधान पार्वती देवी ने समूहों की नियमित बैठक, बचत, पारदर्शी कार्यप्रणाली और सामूहिक निर्णयों को प्राथमिकता देने पर जोर दिया। बैठक में संगीता देवी, शोभा देवी, आरती देवी, आशा देवी, शकुंतला देवी, यशोदा देवी, कुसुम देवी, बिमला देवी, लक्ष्मी देवी आदि मौजूद रहे।

मार्ग पर रोड़ी डालने का कार्य, देर से चली दो पैसेंजर ट्रेंने

जयन्त प्रतिनिधि कोटद्वार : नजीबाबाद से कोटद्वार रेलखंड पर रेल ट्रैक के किनारे रोड़ी डालने के लिए लिए गए ब्लॉक का असर पैसेंजर ट्रेनों के संचालन पर पड़ा। इस दौरान दो पैसेंजर ट्रेनें विलंब से संचालित हुईं। हालांकि, दिल्ली से आने वाली श्री सिद्धबली जनशताब्दी एक्सप्रेस अपने निर्धारित समय पर कोटद्वार पहुंच गई।

जानकारी के अनुसार, सुबह 11:35 बजे नजीबाबाद से कोटद्वार के लिए रवाना होने वाली पैसेंजर ट्रेन करीब 35 मिनट की देरी से दोपहर 12:10 बजे चली। इसके बाद ट्रेन लगभग 12:50 बजे कोटद्वार पहुंची। सामान्यतः इंजन बदलकर इसे वापस नजीबाबाद के लिए रवाना किया जाता है, लेकिन सिंगल रेल लाइन होने और जनशताब्दी एक्सप्रेस के निर्धारित संचालन के कारण ऐसा संभव नहीं हो सका। दोपहर 12:45 बजे नजीबाबाद से श्री सिद्धबली जनशताब्दी एक्सप्रेस को कोटद्वार के लिए रवाना किया जाना था। ऐसे में कोटद्वार से लौटने वाली पैसेंजर ट्रेन को सनेह रोड स्टेशन पर रोक दिया गया, ताकि जनशताब्दी एक्सप्रेस बिना किसी बाधा के अपने तय समय पर कोटद्वार पहुंच सके। जनशताब्दी एक्सप्रेस समय पर कोटद्वार पहुंची, जबकि कोटद्वार से नजीबाबाद जाने वाली पैसेंजर ट्रेन लगभग 40 मिनट की देरी से अपने गंतव्य पर पहुंची।

कोटद्वार रेलवे स्टेशन

बुद्धा पार्क के पास बीच सड़क पर मारपीट, तीन युवक शांति भंग में गिरफ्तार

कोतवाली पुलिस की हिरासत में आरोपी

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : बुद्धा पार्क के समीप बीच सड़क पर आपस में मारपीट और हंगामा कर रहे तीन युवकों को पुलिस ने शांति भंग के आरोप में गिरफ्तार किया है। युवकों के विवाद के कारण कुछ देर के लिए यातायात भी प्रभावित रहा और सड़क पर वाहनों की कतार लग गई। पुलिस के अनुसार, सूचना मिली थी कि बुद्धा पार्क के पास तीन युवक बीच सड़क पर आपस में मारपीट कर रहे हैं और एक-दूसरे के साथ गाली-गलौज कर रहे हैं। इससे मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया और सड़क पर जाम की स्थिति पैदा हो गई। सूचना पर तत्काल पहुंची पुलिस ने तीनों युवकों को मौके से हिरासत में लेकर कोतवाली पहुंचाया। पूछताछ में उनकी पहचान नजीबाबाद रोड निवासी दीपक तथा शिवपुर निवासी उदय और ऋषभ के रूप में हुई। पुलिस ने तीनों के खिलाफ शांति भंग की कार्रवाई करते हुए आवश्यक वैधानिक प्रक्रिया पूरी की।

सीएमओ ने उपजिला चिकित्सालय का किया निरीक्षण

श्रीनगर गढ़वाल : चारधाम यात्रा के मद्देनजर मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने उपजिला चिकित्सालय के पांच बेड के आईसीयू को हर समय सक्रिय रखने के निर्देश दिए गए थे। निर्देश के दो दिन बाद मंगलवार को मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. मेघना असवाल दोबारा अस्पताल पहुंचीं। उन्होंने आईसीयू का निरीक्षण कर मरीजों के उपचार और उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान व्यवस्थाएं चाक-चौबंद मिलीं।
उन्होंने चिकित्सकों को मरीजों की नियमित निगरानी करने और किसी भी आपातस्थिति से निपटने के लिए आईसीयू में आवश्यक दवाएं, उपकरण रखने और स्वास्थ्यकर्मी तैनात करने के निर्देश दिए।

चाकू से युवक पर हमला करने वाले गिरफ्तार

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : काशीरामपुर तल्ला स्थित मेले में युवक पर चाकू से जानलेवा हमला करने वाले दो सगे भाईयों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपितों के पास से हमले में प्रयुक्त चाकू को भी बरामद किया है। हमले के बाद से आरोपित युवक के स्वजनों को भी लगातार धमकी दे रहे थे। मामले में काशीरामपुर निवासी इंदु की ओर से पुलिस को तहरीर दी गई थी। बताया कि दो अगस्त को उनका बेटा राहुल घर के समीप लगे मेले में घूमने के लिए गया हुआ था। इसी दौरान लकड़ीपड़ाव निवासी मयंक व प्रवीण के साथ उसकी किसी बात को लेकर विवाद हो गया।

बताया कि कुछ देर बाद मयंक व प्रवीण मेले में चाकू लेकर पहुंचे और उनके बेटे पर हमला करने लगे। सूचना के बाद उनका छोटा बेटा वहां पहुंचा और राहुल को बचाते हुए उसे अस्पताल लेकर पहुंचाया। बताया कि आरोपितों ने उनके बेटे के माथा, गर्दन, आंख के समीप व सिर पर चाकू से हमला किया है। गंभीर रूप से घायल उनके बेटे का अब भी अस्पताल में उपचार चल रहा है। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक प्रदीप नेगी ने बताया कि मामले में मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की तलाश के लिए टीम गठित की गई थी। बताया कि मंगलवार सुबह आरोपित मयंक व प्रवीण को लकड़ीपड़ाव क्षेत्र से गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है।

खस्ताहाल हो चुके स्कूल भवनों की होगी मरम्मत

नई टिहरी। जिले में खस्ताहाल हो चुके सात प्राथमिक और दो उच्च प्राथमिक स्कूलों का नवनिर्माण सहित कई अन्य विद्यालय भवनों के मरम्मत आस जगी है। भवनों के निर्माण और मरम्मत के लिए जिला योजना से 5.89 लाख की धनराशि की स्वीकृति मिली है। जिले में कई विद्यालयों भवनों हालत लंबे समय खस्ताहाल बनी है। बारिश के समय जर्जर विद्यालयों की छतों से पानी टपकने से छात्र–छात्राओं और शिक्षकों को परेशानी झेलनी पड़ती है। खिड़की और दरवाजे क्षतिग्रस्त होने से चोरी का भय बना रहता है। लंबे समय से अभिभावक और स्थानीय जनप्रतिनिधि स्कूल भवनों के नव निर्माण की मांग कर रहे हैं लेकिन धन के अभाव में स्कूल भवनों का नव निर्माण नहीं हो पा रहा था।

करंट लगने से ग्रामीण झुलसा

पुरोला। मोरी विकासखंड की फतेपर्वत पट्टी के सेवा गांव के समीप बिजली लाइन से करंट लगने पर एक खच्चर की मौत हो गई जबकि दो अन्य खच्चर और उनके मालिक देव कुमार झुलस गए। घटना के बाद सेवा और बरी गांव के ग्रामीणों में ऊर्जा निगम के खिलाफ आक्रोश है।

उत्तर रेलवे

(शुद्धि पत्र)

Tender Notice- SNT-Sig-Road-Signal,LC-344,AMC-Plotter.,DRG-MB,AFDAS-FIRE-BrokenELB, LC-Interlocking Date: 30.07.2026

विषयः–मुरादाबाद मंडल के संकेत एवम् दूरसंचार के टेंडर की निविदा के सम्बन्ध में।

सन्दर्भः 1. इस कार्यालय का टेंडर नोटिस संख्या SNT-Sig-Road-Signal,LC-344,AMC-Plotter,DRG-MB,AFDAS-FIRE-BrokenELB, LC-Interlocking dated 15.07.2026

उक्त सन्दर्भ में मुरादाबाद मंडल की एस0 एंड टी० शाखा के निम्न कार्य के लिए निविदा खोलने की तिथि में बदलाव किया गया है:

क्रम सं0	निविदा संख्या और कार्य का विवरण	निविदा खोलने के लिए पुरानी तिथि और समय	निविदा खोलने के लिए नयी तिथि और समय
1	2	3	4
1	SNT-Sig-LC-Interlocking-L इंटरलॉकिंग ऑफ़ एल सी गेट्स TUV >20000 इन थे लेफ्टओवर सेक्शन ओवर मुरादाबाद डिवीज़न	14.08.2026 15:00	19.08.2026 15:00 hrs.

निविदा की अन्य नियम व शर्तों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। **नोटः**– निविदा के पूरा विवरण **www.ireps.gov.in** पर देखा जा सकता है। **2688/2026**

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

अदालती सूचना

न्यायालय श्रीमान् असि0 कलेक्टर (प्र0श्रे0) कोटद्वार
रा0वा0सं0 07/2020

मातबर सिंह पुत्र लाल सिंह निवासी ग्राम सनेह मल्ली (कोटड़ीढांग), पट्टी सनेह, तहसील कोटद्वार, जिला पौड़ी गढ़वाल, उत्तर-रखण्ड।

–वादी

बनाम्

1- गुड्डी देवी पत्नी मदनपाल पुत्री चुन्नी लाल, 2- सुशीला देवी पत्नी राजेन्द्र सिंह पुत्री चुन्नी लाल, 3- कपोत्री देवी पत्नी दयाराम पुत्री चुन्नी लाल निवासीगण - ग्राम सनेह मल्ली (कोटड़ीढांग), पट्टी सनेह, तहसील कोटद्वार, जिला पौड़ी गढ़वाल, उत्तराखण्ड, 4- उत्तराखण्ड सरकार बजरिये जिलाधिकारी महोदय, पौड़ी, 5- सहायक नगर आयुक्त, नगर निगम, कोटद्वार गढ़वाल

– प्रतिवादीगण

हरगाह,

वादी ने एक दावा अन्तर्गत धारा 229बी जेड0ए0 एण्ड एल0आर0एक्ट मेरे न्यायालय में योजित किया है जिसमें उपरोक्त पक्षों को प्रतिवादी बनाया गया है लिहाजा आपको सूचित किया जाता है कि आप दिनांक 11-08-2026 को प्रातः 10:00 बजे मेरे न्यायालय में उपस्थित होकर जावाबदेही करना सुनिश्चित करें अन्यथा वाद में एक पक्षीय कार्यवाही अमल में लायी जायेगी।

आज दिनांक 30/7/26 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की मुद्रा से जारी।

न्यायालय श्रीमान् असिस्टेन्ट कलेक्टर (प्र0श्रे0) कोटद्वार गढ़वाल
(0579/11)

अदालती सूचना

न्यायालय श्रीमान् असि0 कलेक्टर (प्र0श्रे0) कोटद्वार
रा0वा0सं0 22/2023

श्रीमती शीला देवी पत्नी श्री पैम्बा शेरपा निवासी ग्राम ध्रुवपुर, पट्टी सुखरौ, तहसील कोटद्वार, जिला पौड़ी गढ़वाल, उत्तराखण्ड।

- वादिनी

बनाम्

दारिज लाल पुत्र धूमलाल, 2- कुन्दन लाल पुत्र धूमलाल, 3- श्यामलाल पुत्र धूमलाल, 4- ओमप्रकाश पुत्र भवानी लाल, 5- रमेश चन्द्र पुत्र मनीलाल, 6- महेश चन्द्र पुत्र मनीलाल तथा अन्य निवासीगण- ग्राम ध्रुवपुर, पट्टी सुखरौ, तहसील कोटद्वार, जिला पौड़ी गढ़वाल, उत्तराखण्ड, 7- उत्तराखण्ड सरकार बजरिये जिलाधिकारी महोदय, पौड़ी, 8- सहायक नगर आयुक्त, नगर निगम, कोटद्वार गढ़वाल

- प्रतिवादीगण

हरगाह,

वादनी ने एक दावा अन्तर्गत धारा 229बी जेड0ए0 एण्ड एल0आर0एक्ट मेरे न्यायालय में योजित किया है जिसमें उपरोक्त पक्षों को प्रतिवादीगण बनाया गया है लिहाजा आपको सूचित किया जाता है कि आप दिनांक 19-08-2026 को प्रातः 10:00 बजे मेरे न्यायालय में उपस्थित होकर जावाबदेही करना सुनिश्चित करें अन्यथा वाद में एक पक्षीय कार्यवाही अमल में लायी जायेगी।

आज दिनांक 14/7/26 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की मुद्रा से जारी।

न्यायालय श्रीमान् असिस्टेन्ट कलेक्टर (प्र0श्रे0) कोटद्वार गढ़वाल
(0578/11)

संपादकीय

भाजपा की मुश्किले बढ़ी

विधानसभा के हालिया उपचुनावों के जो परिणाम सामने आए हैं, वे निश्चित रूप से भारतीय जनता पार्टी के माथे पर शिकन लाने वाले कहे जा सकते हैं। बिहार जहां भाजपा के नेतृत्व में गठबंधन सरकार है और पहली बार उसका मुख्यमंत्री बना है, वहां हाईप्रोफाइल बांकीपुर उपचुनाव में उसे हार का सामना करना पड़े तो इसको लेकर पार्टी की फिक्र बढ़ना लाजमी ही है। पिछले बिहार विधानसभा चुनावों में नई-नवेली बनी जन सुराज पार्टी यानी जे.एस.पी की करारी हार हुई थी। उस हार से सबक लेकर जेएसपी के सुप्रीमो प्रशांत किशोर ताल ठोककर बांकीपुर उपचुनाव मैदान में उतरे थे। इस तरह प्रशांत किशोर ने बांकीपुर उपचुनाव में अच्छी जीत हासिल करके भाजपा के गढ़ में सेंध लगाने में कामयाबी हासिल कर ही ली। राज्य में सत्ताधारी गठबंधन का नेतृत्व करने वाली भारतीय जनता पार्टी के लिये चुनाव परिणाम और भी अधिक कष्टदायक होगा, क्योंकि यह पार्टी के खाते वाली सीट थी। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष बने नितिन नवीन के राज्यसभा के लिये चुने जाने के बाद यह सीट खाली हुई थी। जाहिर तौर पर यह सामान्य विधानसभा सीट नहीं थी, इसको फिर से हासिल करना भाजपा की प्राथमिकता भी रही होगी। कमोबेश भाजपा के लिये ऐसी ही निराशाजनक खबरें अन्य राज्यों से भी आई हैं। लंबे समय से भाजपा का गढ़ माने जाने वाले एक और राज्य मध्यप्रदेश में भाजपा उम्मीदवार को हार मिली। मध्य प्रदेश की दतिया सीट कांग्रेस ने कब्जा ली है। दरअसल, इस सीट में उपचुनाव में टिकट बंटवारे को लेकर खासा बवाल हुआ था। पिछली भाजपा सरकार में इस सीट से एक दिग्गज मंत्री बने थे। इस बार उनको टिकट न मिलने पर उग्र प्रदर्शन व धरने हुए थे। इस बड़े विवाद का फायदा कांग्रेस के प्रत्याशी को हुआ। हां, भाजपा के लिए एक सुकूनभरी खबर गुजरात से आई। पार्टी के इस परंपरागत गढ़ में उपचुनाव के बाद, वडोदरा जिले की मंजलपुर विधानसभा सीट पर पार्टी ने अपना कब्जा बरकरार रखा। बहरहाल, बिहार में बांकीपुर सीट को खो देना भाजपा को परेशान करने वाला जरूर है। बांकीपुर का बदला जनादेश न सिर्फ नितिन नवीन के लिये, बल्कि बिहार में भाजपा के पहले मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के लिये भी असहज करने वाली स्थिति है। दरअसल, प्रचार के दौरान प्रशांत किशोर ने स्थानीय मुद्दों के साथ मुख्यमंत्री पर तीखे हमले किये थे। उन्होंने राज्य में भ्रष्टाचार, बेरोजगारी और कानून-व्यवस्था जैसे अहम मुद्दों को लगातार विभिन्न मंचों से उठाया था। जाहिर है अब मुख्यमंत्री को पार्टी के भीतर ही जवाबदेही को लेकर मुश्किल स्थिति का सामना करना होगा।

चिंतन-मनन

सांख्य और कर्मयोग का संबंध

भौतिक जगत के विश्लेषणात्मक अध्ययन (सांख्य) का उद्देश्य आत्मा को प्राप्त करना है। भौतिक जगत की आत्मा विष्णु या परमात्मा है. भगवान की भक्ति का अर्थ परमात्मा की सेवा है। एक विधि से वृक्ष की जड़ खोजी जाती है और दूसरी विधि से उसको सींचा जाता है। सांख्य दर्शन का वास्तविक छात्र जगत के मूल अर्थात विष्णु को ढूंढता है, और फिर पूर्णज्ञान समेत अपने को भगवान की सेवा में लगा देता है। अतः मूलतः इन दोनों में कोई भेद नहीं है क्योंकि दोनों का उद्देश्य विष्णु की प्राप्ति है। जो लोग चरम उद्देश्य को नहीं जानते, वे ही कहते हैं कि सांख्य और कर्मयोग एक नहीं है। किंतु जो विद्वान है, वह जानता है कि इन दोनों भिन्न विधियों का उद्देश्य एक है। दार्शनिक शोध (सांख्य) का वास्तविक उद्देश्य जीवन के चरम लक्ष्य की खोज है। चूंकि जीवन का चरम लक्ष्य आत्म-साक्षात्कार है, अतः दोनों विधियों से प्राप्त होने वाले परिणामों में कोई अन्तर नहीं है। वस्तुतः जो पदार्थ से विरक्ति व कृष्ण में आसक्ति को एक तरह देखता है, वही वस्तुओं को यथारूप में देखता है।

मायावादी संन्यासी सांख्य दर्शन के अध्ययन में लगे रहते हैं तथा वैष्णव संन्यासी वेदान्त सूत्रों के यथार्थ भाष्य भागवत दर्शन के अध्ययन में लगे रहते हैं। वैष्णव संन्यासियों को भौतिक कार्य से कोई सरोकार नहीं रहता, तो भी वे भगवान की भक्ति में नाना प्रकार के कार्य करते हैं। किन्तु मायावादी संन्यासी, जो सांख्य तथा वेदान्त के अध्ययन व चिन्तन में लगे रहते हैं, भगवान की दिव्य भक्ति का आनन्द नहीं उठा पाते। उनका अध्ययन अत्यन्त जटिल हो जाता है, अतः वे कभी-कभी ब्रह्म चिन्तन से ऊबकर समुचित बोध बिना ही भागवत की शरण ग्रहण करते हैं। मायावादी संन्यासी कभी-कभी आत्म-साक्षात्कार के पथ से नीचे गिर जाते हैं और फिर से समाजसेवा, परोपकार जैसे भौतिक कर्म में प्रवृत्त होते हैं। अतः निष्कर्ष निकला कि कृष्णभावनामृत के कार्य में लगे रहने वाले लोग ब्रह्म-अब्रह्म विषयक चिन्तन में लगे संन्यासियों से श्रेष्ठ होते हैं, यद्यपि वे भी अनेक जन्मों के बाद कृष्णभावनाभावित हो जाते हैं।

मुद्दों से क्यों भटका छात्र आंदोलन?

सुरेश हिंदुस्तानी

लोकतंत्र में आंदोलन केवल विरोध का माध्यम नहीं होते, बल्कि जनता की भावनाओं, अपेक्षाओं और समस्याओं को शासन तक पहुँचाने का सशक्त साधन भी हैं। इतिहास गवाह है कि अनेक आंदोलनों ने देश की नीतियों में परिवर्तन कराया, सामाजिक सुधारों का मार्ग प्रशस्त किया और शासन को जनभावनाओं के अनुरूप निर्णय लेने के लिए प्रेरित किया। किंतु पिछले कुछ वर्षों में एक ऐसी प्रवृत्ति भी देखने को मिली है, जिस पर गंभीर चिंतन की आवश्यकता है। अनेक आंदोलन अपने मूल उद्देश्य से भटककर राजनीतिक प्रतिस्पर्धा का मंच बन जाते हैं। परिणामस्वरूप जिस समस्या के समाधान के लिए आंदोलन शुरू होता है, वही धीरे-धीरे चर्चा के केंद्र से बाहर हो जाती है।

नीट परीक्षा में कथित पेपर लीक और परीक्षा प्रक्रिया को लेकर उठे विवाद ने देशभर के लाखों विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों को चिंतित किया। यह केवल एक परीक्षा का प्रश्न नहीं था, बल्कि देश की शिक्षा व्यवस्था की विश्वसनीयता और युवाओं के भविष्य का विषय था। इसलिए स्वाभाविक रूप से छात्रों ने निष्पक्ष जांच, दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई और पारदर्शी व्यवस्था की मांग की। यह एक ऐसा मुद्दा था, जिस पर राजनीति से ऊपर उठकर सभी पक्षों को विद्यार्थियों के हित में एकमत दिखाई देना चाहिए था। लेकिन राजनीतिक स्वार्थ के चलते यह आंदोलन दिशा से भटकता हुआ दिखाई दिया।

लोकतांत्रिक व्यवस्था में विपक्ष का दायित्व है कि वह सरकार से जवाब मांगे और जनहित के प्रश्नों को प्रभावी ढंग से उठाए। इसी प्रकार सरकार का दायित्व है कि वह हर गंभीर आरोप की निष्पक्ष जांच कराए, दोषियों को दंडित करे और जनता का विश्वास बनाए रखे। लेकिन जब आंदोलन का केंद्र समाधान के बजाय राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप बन जाता है, तब मूल मुद्दा पीछे छूटने लगता है।

यह भी देखा गया है कि कई बार अलग-अलग राज्यों में समान प्रकृति की घटनाओं पर राजनीतिक दलों की प्रतिक्रियाएँ अलग-अलग होती हैं। इससे जनता के मन में यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि क्या राजनीतिक दल सभी मामलों में एक समान सिद्धांत अपनाते हैं, या उनका रुख राजनीतिक परिस्थितियों के अनुसार बदल जाता है? लोकतंत्र में जनविश्वास बनाए रखने के लिए आवश्यक है कि सार्वजनिक हित के मुद्दों पर राजनीतिक दलों का आचरण अधिक सुसंगत और सिद्धांत आधारित दिखाई दे।

यह प्रश्न केवल राजनीतिक दलों तक सीमित नहीं है। आंदोलन का नेतृत्व करने वाले संगठनों और नागरिक समूहों की भी बड़ी जिम्मेदारी होती है। यदि आंदोलन का उद्देश्य किसी समस्या का समाधान है, तो उसे उसी लक्ष्य पर केंद्रित रखना चाहिए। आंदोलन में अनावश्यक राजनीतिक ध्रुवीकरण या विषयांतर से बचना आवश्यक है, क्योंकि इससे समाधान की प्रक्रिया प्रभावित हो सकती है। मीडिया की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। लोकतंत्र का चौथा स्तंभ होने के कारण उसका दायित्व है कि वह मूल मुद्दे को केंद्र में रखे। यदि समाचारों और बहसों में वास्तविक समस्या की अपेक्षा राजनीतिक टकराव अधिक स्थान पाने लगे, तो जनचर्चा भी उसी दिशा में मुड़ जाती है। इससे जनता का ध्यान समस्या के समाधान से हटकर राजनीतिक विवादों में उलझ सकता है।

आज आवश्यकता इस बात की है कि आंदोलन की सफलता का आकलन इस आधार पर किया जाए कि उससे समस्या का कितना समाधान हुआ, न कि इससे किस राजनीतिक दल को लाभ या हानि हुई। किसी भी आंदोलन की विश्वसनीयता तभी बनी रहती है, जब वह अपने घोषित उद्देश्य, नैतिक मयार्दा और जनहित के प्रति प्रतिबद्ध रहे।

लोकतंत्र में राजनीति आवश्यक है, क्योंकि वही नीतियाँ बनाती है और शासन चलाती है। लेकिन राजनीति का उद्देश्य केवल सत्ता प्राप्त करना नहीं, बल्कि जनहित और राष्ट्रहित की रक्षा करना होना चाहिए। यदि हर जनआंदोलन राजनीतिक संघर्ष का अखाड़ा बन जाएगा, तो समाज का विश्वास कमजोर होगा और वास्तविक समस्याएँ समाधान की प्रतीक्षा करती रह जाएँगी।

आवश्यकता इस बात की है कि सरकार, विपक्ष, आंदोलनकारी संगठन, मीडिया और नागरिक, सभी अपनी-अपनी जिम्मेदारियों का ईमानदारी से निर्वहन करें। जब जनहित सर्वोपरि होगा और समाधान राजनीति पर भारी पड़ेगा, तभी लोकतंत्र की वास्तविक शक्ति सामने आएगी। आंदोलनों की दिशा भी तभी सार्थक होगी, जब उनका लक्ष्य केवल विरोध नहीं, बल्कि व्यवस्था में सकारात्मक परिवर्तन लाना होगा।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

उप-चुनाव, बड़ा संकेत-भाजपा का अति आत्म विश्वास या बदलती तस्वीर

ऋतुपर्ण दवे

तीन अगस्त को तीन राज्यों के तीन नतीजे बहुत बड़े संकेत हैं। निश्चित रूप से बिहार का नतीजा जहाँ सत्ताधारी दल के लिए हैरान और परेशान करने वाला रहा। वहीं मध्यप्रदेश का नतीजा सत्ताधारी दल की अन्दरूनी गुटबाजी का परिणाम रहा। गुजरात में भाजपा की जीत स्वाभाविक कही जा सकती है। सबसे चर्चित जीत रही प्रशान्त किशोर उर्फ पीके की, क्योंकि राज्य की जनता को विकल्प के तौर पर एक नया दल जनसुराज जो मिल गया। पहले बिहार वासियों के पास दो ही विकल्प थे। राजद और भाजपा। राजद से मोहभंग हो गया था और पीके मतदाताओं के बीच अपनी जगह बनाने की कवायद कर रहे थे। हालाकि बीते विधानसभा चुनाव में उनका एक भी प्रत्याशी नहीं जीता और वो खुद चुनाव में खड़े नहीं हुए। लेकिन बिहार की नब्ज को टटोलते रहे। इसी बीच नितिन नवीन के भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद उनकी बांकीपुर सीट खाली हुई जो पीके लिए मौके पर चौका लगाने जैसा रहा। हाँ, उन्होंने छक्का जरूर जड़ दिया ये बात अलग है। बांकीपुर सीट पटना के शहरी इलाके की है जिसे शुरू से ही भाजपा का मजबूत गढ़ माना जाता रहा। इस नतीजे ने न केवल यह मिथक तोड़ा बल्कि भाजपा में खलबली मचा दी। माना जा रहा है कि पेपर लीक और परीक्षाओं में धांधलियों के चलते युवाओं की नाराजगी और जंतर-मंतर पर चले लंबे आन्दोलन ने भी भाजपा की छवि पर डेन्ट लगाया। इधर भाजपा अति आत्मविश्वास में थी और यह समझने में नाकाम रही कि हवा हमेशा एक ही दिशा में नहीं बहती। चंदा चोरी और जेन-जी आन्दोलन के बीच भाजपा ने अपने 40 स्टार प्रचारक उतार दिए। लेकिन राजद के चार सांसद तक बांकीपुर नहीं पहुंचे। इतना ही नहीं नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव तो विदेश चले गए जिन्होंने आखीर-आखीर में रोड शो किया। लेकिन तब तक बांकीपुर के मतदाताओं को यह समझना आसान हो गया कि तेजस्वी यादव और राजद अपने उम्मीदवार को लेकर गंभीर नहीं है। संकेत साफ रहा मतदाता को कहीं और शिफ्ट होना था। विकल्प के तौर पर पढ़ा लिखा, राजनीति को समझने-जानने वाले रणनीतिकार के रूप में पीके का नाम था इसलिए ज्याद सोचने-समझने के बजाए बिहार और देश के हालातों को देखते हुए मतदाताओं ने इस छोटे से चुनाव में बड़ा संदेश दे दिया। भाजपा को नुकसान पहुंचाने में भरत तिवारी एनकाउंटर मामला भी माना जा रहा है। इस एनकाउंटर ने न केवल युवाओं बल्कि खुल कर भाजपा के सवर्ण विरोधी होने को जबरदस्त हवा दी। भाजपा के तमाम जिम्मेदारों और रणनीतिकारों ने भाजपा विरोधी माहौल को थामने और बदलने की कोशिश की पर यह हो न सका। अंततः जीत भाजपा के हाथ से निकल गई और कई दशकों से भाजपा की परंपरागत कहलाने वाली बांकीपुर और राष्टीय अध्यक्ष नितिन नबीन के कारण अतिप्रतिष्ठत हुई सीट हाथ से निकल गई। अब बिहार की राजनीति को समझने वाले यह कह रहे हैं कि पीके भाजपा सरकार, विशेषकर सम्राट चौधरी के लिए सदन के अन्दर भी और बाहर भी मुश्किलें बढ़ाएंगे क्योंकि ब उनका मकसद सिर्फ विधायकी नहीं बल्कि अपनी पार्टी को बिहार में नया मुकाम जो देना है।

कमोवेश यही स्थिति मध्यप्रदेश के दतिया में रही। 2023 में हुए विधानसभा चुनाव में दतिया से नरोत्तम मिश्रा की हार के बाद भाजपा के अन्दरूनी हलकों में कहीं खुशी, कहीं गम का माहौल था। लेकिन वहां से चुने गए कांग्रेस विधायक राजेंद्र भारती को बैंक धोखाधड़ी मामले में दोषी ठहराए जाने और सजा हो जाने के बाद अप्रैल में अयोग्य घोषित कर दिए जाने से हुए उपचुनाव में घनश्याम सिंह ने कांग्रेस से चुनाव लड़कर सीट को बरकरार रखा। लेकिन इसमें सबसे ज्यादा बिना चुनाव लड़े मुश्किल नरोत्तम मिश्रा की हुई। जिन्होंने चुनाव से काफी पहले ही प्रचार और जनसंपर्क बढ़ा दिया था। लेकिन ऐन वक्त पर उन्हें टिकट नहीं मिली। जिस कारण यह सीट बहुत ही बड़ी प्रतिष्ठा का कारण बन गई। नरोत्तम मिश्रा की स्थिति न उगल पाने, न निगल पाने जैसी हो गई। यदि यहाँ से भाजपा जीतती तो उनका राजनीतिक कद घटता और अब कांग्रेस जीत गई है तो भी उनके राजनीतिक भविष्य पर सवाल उठ रहे हैं। निश्चित रूप से नरोत्तम मिश्रा का कद देखते हुए उनकी मंशा और उनके समर्थक इस मतदान के दौरान किस निर्णय पर पहुंचे होंगे, कहने की जरूरत नहीं। लेकिन नरोत्तम मिश्रा की मुसीबतें तो बढ़ीं। कांग्रेस की जीत के बाद प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी की संगठन में स्थिति और मजबूत होगी। कांग्रेस के लिए भी यह चुनाव बेहद खास था क्योंकि करीब साल भर से संगठन को मजबूत करने और नए नेतृत्व को आगे बढ़ाने के लिए कांग्रेस जबरदस्त संघर्ष कर रही थी। अब यह जीत संजीवनी का काम करेगी। हालाकि कांग्रेस ने चुनाव को त्रिकोणीय बनाने की कोशिश कर आजाद समाज पार्टी ने दामोदर सिंह यादव को मैदान में उतारा था फिर भी मुकाबला भाजपा और कांग्रेस के बीच ही रहा।

सर्वविदित है कि प्रदेश भाजपा अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल के नेतृत्व और पार्टी के चुनावी प्रबंधन के लिहाज से भी यह चुनाव भाजपा के लिए अग्नि परीक्षा माना जा रहा था, जिसमें वह विफल रही। मांजलपुर सीट से भाजपा की प्रचण्ड मतों से जीत ने पार्टी के लिए जश्न का मौका जरूर बरकरार रखा।

हाँ, कोई माने या न माने भले ही सार्वजनिक न हो लेकिन अन्दरूनी तौर पर भाजपा भी गुटबाजी से उबर नहीं पा रही है। जेन-जी आन्दोलन, पेपर लीक और भी कुछ मुद्दों पर पार्टी में अलग-अलग विचार समझ आने लगे हैं। इन चुनाव नतीजों के बाद स्थिति-परिस्थित क्या बनेगी, इसके लिए थोड़ा इंतजार करना होगा।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार और स्तंभकार हैं।)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

पीओके की पुकार और दुनिया की जिम्मेदारी

ललित गर्ग

पाकिस्तान स्वयं को लोकतांत्रिक राष्ट्र कहता है, लेकिन उसके व्यवहार में लोकतंत्र की मूल भावना बार-बार प्रश्नों के घेरे में आ जाती है। लोकतंत्र का अर्थ केवल चुनाव करवा देना नहीं है, बल्कि असहमति का सम्मान करना, नागरिक अधिकारों की रक्षा करना और सत्ता की आलोचना को स्वीकार करना भी है।

पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में इन दिनों जो परिस्थितियां निर्मित हो रही हैं, वे केवल एक चुनावी प्रक्रिया की कहानी नहीं हैं, बल्कि लोकतंत्र, मानवाधिकार और जनविश्वास के गहरे संकट की दास्तान हैं। किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था की वास्तविक शक्ति निष्पक्ष चुनाव, नागरिक स्वतंत्रता और शासन की जवाबदेही में निहित होती है, लेकिन जब चुनाव भय, हिंसा, प्रशासनिक दबाव और धांधली के आरोपों से घिर जाएँ, तब लोकतंत्र का स्वरूप विकृत हो जाता है। आज पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर की स्थिति इसी कठोर वास्तविकता की ओर संकेत करती है। वहाँ के लोगों का आक्रोश केवल चुनावी अनियमितताओं तक सीमित नहीं है, बल्कि वर्षों से चली आ रही आर्थिक उपेक्षा, राजनीतिक भेदभाव और नागरिक अधिकारों की अनदेखी के विरुद्ध भी है। यही कारण है कि वहाँ का असंतोष अब स्थानीय मुद्दा न रहकर अंतरराष्ट्रीय चिंता का विषय बनता जा रहा है। लोकतंत्र केवल मतपेटियों तक सीमित नहीं होता। लोकतंत्र का अर्थ है कि प्रत्येक नागरिक बिना किसी भय, दबाव या प्रलोभन के अपनी इच्छा व्यक्त कर सके और उसकी अभिव्यक्ति का सम्मान हो। यदि किसी क्षेत्र में चुनाव पहले से तय परिणामों का माध्यम बन जाएँ, यदि सत्ता का पूरा तंत्र एक दल विशेष के पक्ष में खड़ा दिखाई दे, यदि विरोध की आवाज को बलपूर्वक दबाया जाए और शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने वालों पर कठोर कार्रवाई हो, तो उसे लोकतंत्र नहीं कहा जा सकता। पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में समय-समय पर ऐसे आरोप सामने आते रहे हैं कि चुनावी प्रक्रिया पूरी तरह स्वतंत्र और निष्पक्ष नहीं है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि सत्ता का प्रभाव प्रशासन और चुनावी व्यवस्था पर स्पष्ट दिखाई देता है। यदि जनता के मन में यह विश्वास ही समाप्त हो जाए कि उसका मत परिवर्तन ला सकता है, तो लोकतंत्र का सबसे महत्वपूर्ण आधार ही समाप्त हो जाता है।

पाकिस्तान स्वयं को लोकतांत्रिक राष्ट्र कहता है, लेकिन उसके व्यवहार में लोकतंत्र की मूल भावना बार-बार प्रश्नों के घेरे में आ जाती है। लोकतंत्र का अर्थ केवल चुनाव करवा देना नहीं है, बल्कि असहमति का सम्मान करना, नागरिक अधिकारों की रक्षा करना और सत्ता की आलोचना को स्वीकार करना भी है। यदि विरोध करने वालों को राष्ट्रविरोधी या व्यवस्था विरोधी बताकर दबाने का प्रयास किया जाए, यदि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता सीमित कर दी जाए और यदि प्रशासन जनता के बजाय सत्ता के हितों की रक्षा करता दिखाई दे, तो लोकतांत्रिक मूल्यों की विश्वसनीयता स्वतः समाप्त होने लगती है। पाकिस्तान की यही दोहरी नीति आज उसके लोकतांत्रिक दावों पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़े करती है। पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर के लोगों की सबसे बड़ी पीड़ा केवल राजनीतिक नहीं, बल्कि आर्थिक भी है। प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध होने के बावजूद वहाँ का सामान्य नागरिक मूलभूत सुविधाओं के लिए संघर्ष कर रहा है। बिजली संकट, महँगाई, बेरोजगारी, आवश्यक वस्तुओं की कमी और विकास की धीमी गति ने जनजीवन को अत्यंत कठिन बना दिया है। यह विडंबना है कि जिन नदियों से ऊर्जा उत्पन्न होती है, उसी क्षेत्र के लोग लंबे समय तक बिजली कटौती झेलने को विवश हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि उनके संसाधनों का उपयोग तो किया जाता है, लेकिन उनके विकास के लिए अपेक्षित निवेश नहीं किया जाता। ऐसी स्थिति में जनता के भीतर असंतोष का बढ़ना स्वाभाविक है।

लोकतांत्रिक शासन की सबसे बड़ी कसौटी यह होती है कि वह संकट के समय जनता के साथ किस प्रकार खड़ा रहता है। यदि जनता की शिकायतों का समाधान संवाद से करने के बजाय दमन से किया जाए, तो यह शासन की कमजोरी का प्रमाण होता है। पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में विरोध प्रदर्शनों और असंतोष के प्रति जिस प्रकार का रवैया अपनाए जाने के आरोप लगते रहे हैं, वे चिंता पैदा करते हैं। लोकतंत्र का उत्तर हिंसा नहीं, बल्कि संवाद होता है। दुर्भाग्य से जब शासन संवाद छोड़कर शक्ति प्रदर्शन का मार्ग अपनाता है, तब जनता और व्यवस्था के बीच विश्वास की खाई और गहरी हो जाती है। विश्व समुदाय के सामने भी यह एक गंभीर नैतिक प्रश्न है। यदि लोकतंत्र और मानवाधिकार वास्तव में सार्वभौमिक मूल्य हैं, तो उनका संरक्षण केवल कुछ चुनिंदा क्षेत्रों तक सीमित नहीं होना चाहिए। अंतरराष्ट्रीय संस्थाएँ और महाशक्तियाँ अनेक अवसरों पर दुनिया के विभिन्न हिस्सों में मानवाधिकारों और लोकतंत्र की रक्षा की बात करती हैं। यदि यही सिद्धांत सार्वभौमिक हैं, तो पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में उठ रहे प्रश्नों की भी निष्पक्ष समीक्षा होनी चाहिए। मानवाधिकारों का मूल्य भौगोलिक सीमाओं से निर्धारित नहीं होता। जहाँ भी नागरिकों की स्वतंत्रता और सम्मान प्रभावित होता है, वहाँ वैश्विक समुदाय की नैतिक जिम्मेदारी बनती है कि वह स्थिति पर गंभीरता से ध्यान दे।

भारत ने हाल की घटनाओं के संदर्भ में अंतरराष्ट्रीय समुदाय का ध्यान पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर की स्थिति की ओर आकर्षित किया है और वहाँ नागरिकों के अधिकारों की रक्षा तथा दमन रोकने की आवश्यकता पर बल दिया है। इस प्रकार की अपील को केवल कूटनीतिक दृष्टि से नहीं, बल्कि मानवीय दृष्टिकोण से भी देखा जाना चाहिए। यदि किसी क्षेत्र में चुनावी प्रक्रिया पर लगातार प्रश्न उठ रहे हों, यदि नागरिक असुरक्षा और अविश्वास के वातावरण में जी रहे हों और यदि उनके मौलिक अधिकार प्रभावित हो रहे हों, तो विश्व समुदाय की निष्क्रियता भविष्य के लिए और भी गंभीर संकट उत्पन्न कर सकती है। पाकिस्तान की लोकतांत्रिक नीतियों का सबसे बड़ा विरोधाभास यह है कि एक ओर वह अंतरराष्ट्रीय मंचों पर लोकतंत्र, न्याय और जनाधिकारों की बात करता है, वहीं दूसरी ओर अपने नियंत्रण वाले क्षेत्रों में उन्हीं मूल्यों को व्यवहार में उतारने में विफल दिखाई देता है। लोकतंत्र की विश्वसनीयता केवल भाषणों से नहीं, बल्कि शासन की कार्यशैली से सिद्ध होती है। यदि नागरिक स्वयं को उपेक्षित, असुरक्षित और असहाय महसूस करें, तो लोकतंत्र का दावा खोखला प्रतीत होने लगता है। लोकतंत्र का वास्तविक अर्थ सत्ता परिवर्तन की संभावना, स्वतंत्र संस्थाएँ, निष्पक्ष प्रशासन और नागरिकों की गरिमा की रक्षा है। यदि ये तत्व अनुपस्थित हों, तो चुनाव केवल औपचारिक प्रक्रिया बनकर रह जाते हैं।

आज आवश्यकता इस बात की है कि पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में चुनाव पूरी तरह शांतिपूर्ण, स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी वातावरण में संपन्न हों। मतदाता बिना किसी भय या दबाव के अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकें, राजनीतिक दल समान अवसर प्राप्त करें और चुनावी प्रक्रिया पर जनता का विश्वास पुनर्स्थापित हो। यह केवल उस क्षेत्र के लोगों के हित में नहीं, बल्कि पूरे दक्षिण एशिया में स्थिरता और शांति के लिए भी आवश्यक है। विश्व की महाशक्तियों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों को यह समझना होगा कि लोकतंत्र की रक्षा केवल वक्तव्यों से नहीं होती। जहाँ लोकतांत्रिक संस्थाएँ कमजोर पड़ती हैं, वहाँ समय रहते निष्पक्ष निगरानी, संवाद और मानवाधिकारों के संरक्षण के लिए रचनात्मक प्रयास आवश्यक होते हैं। यदि दुनिया ऐसे मामलों में मौन रहती है, तो लोकतंत्र के सार्वभौमिक मूल्यों की विश्वसनीयता भी कमजोर पड़ती है।

पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर की वर्तमान परिस्थितियाँ दुनिया के लिए एक चेतावनी हैं कि चुनाव केवल सत्ता प्राप्त करने का माध्यम नहीं, बल्कि जनता के विश्वास की सबसे बड़ी परीक्षा होते हैं। यदि यह विश्वास टूट जाता है, तो असंतोष, अस्थिरता और संघर्ष की परिस्थितियाँ जन्म लेती हैं। आज आवश्यकता किसी राजनीतिक पक्ष का समर्थन करने की नहीं, बल्कि लोकतंत्र, न्याय, पारदर्शिता और मानवाधिकारों की रक्षा करने की है। अंतरराष्ट्रीय समुदाय को निष्पक्ष दृष्टि से स्थिति का आकलन करते हुए यह सुनिश्चित करने का प्रयास करना चाहिए कि वहाँ के नागरिकों को वही अधिकार और सम्मान मिले, जो किसी भी लोकतांत्रिक समाज के नागरिकों का स्वाभाविक अधिकार है। दुनिया की आँखें अब इस ओर खुलनी चाहिए, क्योंकि जहाँ लोकतंत्र कमजोर होता है, वहाँ अंततः पूरी मानवता की नैतिक शक्ति भी कमजोर पड़ती है।

संक्षिप्त समाचार

एआई बच्चों की कर रहा निगरानी, स्टार्टअप्स ला रहे स्मार्ट सर्विलांस सिस्टम

न्यूयॉर्क , एजेंसी। बच्चों की देखभाल के लिए इस्तेमाल होने वाले स्मार्ट बेबी मॉनिटर अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से तैयार किए जा रहे हैं। नैनिट, बेबीटेक समेत कई स्टार्टअप ऐसे सिस्टम विकसित कर रहे हैं, जो रात के दौरान बच्चे की नींद, सांस, करवट और गतिविधियों पर लगातार नजर रखते हैं। कंपनियां भविष्य में एआई के जरिए बच्चों की दिनभर की गतिविधियों, विकास और व्यवहार का भी डिजिटल रिकॉर्ड तैयार करने की दिशा में काम कर रही हैं। यही वजह है कि विशेषज्ञ इसे बेबी सर्विलांस का नया दौर मान रहे हैं। द न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, दीवार पर लगा सफेद कैमरा बच्चों पर सीधा नजर रखता है। एचडी वीडियो ऐसे सर्वर पर भेजी जाती है, जहां मशीन-लर्निंग एल्गोरिद्म उसके हर हिलने-डुलने और उसकी आंखें खुलने-बंद होने के सटीक समय का रिकॉर्ड रखते हैं। इन आंकड़ों को चार्ट और विश्लेषण के रूप में तैयार करते हैं। इसमें सांस लेने से लेकर सोने में लगा समय, रात के माता-पिता की जरूरत कितनी बार पड़ी, ऐसी जानकारी रिकॉर्ड की जाती हैं। नैनिट का दावा है कि उसके 10 लाख सक्रिय उपयोगकर्ता हैं और सालाना आय 10 करोड़ डॉलर से अधिक है। उसका सबसे महंगा किट 474 डॉलर (करीब 45 हजार रुपये) का है। नैनिट ने निवेशकों से हाल में 5 करोड़ डॉलर जुटाए हैं।

ग्रीस में आग बुझाने गए 2 हेलिकॉप्टर हवा में टकराए; 2-2 लोग सवार थे

एथेंस , एजेंसी। ग्रीस की राजधानी एथेंस के पास जंगल की आग बुझाने के दौरान रविवार को 2 फायरफाइटिंग हेलिकॉप्टर हवा में टकरा गए। हादसा पोर्टो जर्मेनो इलाके में हुआ। टक्कर के बाद एक हेलिकॉप्टर जमीन पर गिर गया। फायर विभाग के मुताबिक, दोनों हेलिकॉप्टरों में 2-2 लोग सवार थे। उनकी तलाश के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया जा रहा है। अभी तक उनके बारे में कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है। ग्रीस में तेज हवाओं के कारण जंगल की आग तेजी से फैल रही है। एथेंस के आसपास कई इलाकों में आग पहुंचने के बाद लोगों को सुरक्षित जगहों पर भेजा गया है। तेज हवा के चलते हेलिकॉप्टरों को समुद्र से पानी भरने में भी दिक्कत आ रही है।

अमेरिका में 80 वर्षीय अभिनेता विंसेंट पास्टर का शव बरामद

वाशिंगटन, एजेंसी। द सोप्रानोस में सल्वाटोर बोनपेन्सिएरो की भूमिका के लिए प्रसिद्ध अभिनेता विंसेंट पास्टर का निधन हो गया। वह 80 वर्ष के थे। उनके मैनेजर बॉब मैकगोवन ने बताया कि पास्टर न्यूयॉर्क के सिटी आइलैंड स्थित अपने घर में मृत पाए गए। पास्टर ने 1980 के दशक से फिल्मों में अभिनय शुरू किया था। उन्होंने 1990 की गुडफेलस और अवेकनिंग्स जैसी बड़ी फिल्मों में काम किया। वियतनाम युद्ध के दौरान अमेरिकी नौसेना में सेवा देने वाले पास्टर अपने दयालु और मददगार स्वभाव के लिए जाने जाते थे। उनके परिवार में उनकी बेटी रेनी पास्टर हैं।

यूएई में इस साल पहली बार 50 डिग्री तक पहुंचा तापमान

अबू धाबी , एजेंसी। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में इस साल पहली बार तापमान 50 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। राष्ट्रीय मौसम केंद्र (एनसीएम) के अनुसार, रविवार को देश के एक आंतरिक क्षेत्र में पारा 50 डिग्री तक पहुंच गया। यह इस वर्ष का अब तक का सबसे अधिक तापमान है। हालांकि मौसम विभाग का कहना है कि गर्मियों का चरम दौर अब धीरे-धीरे समाप्ति की ओर है, लेकिन फिलहाल लोगों को भीषण गर्मी से राहत मिलने की उम्मीद नहीं है। मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक, अगस्त के दौरान तापमान में धीरे-धीरे गिरावट शुरू हो सकती है, लेकिन तेज धूप, गर्म हवाएं और उमस का असर कई सप्ताह तक बना रहेगा। यूएई में आमतौर पर अक्तूबर के मध्य से मौसम में उल्लेखनीय बदलाव देखने को मिलता है। तब तक दिन के समय अत्यधिक गर्मी लोगों की परेशानी बढ़ाती रहेगी। भारतीय मानसून का लो-प्रेशर सिस्टम उत्तर भारत और पाकिस्तान से पश्चिम की ओर बढ़कर अरब प्रायद्वीप तक पहुंच रहा है, जिससे गर्म हवा का प्रवाह तेज हो गया है। अरब प्रायद्वीप पर बने थर्मल लो प्रेशर तापमान लगातार बढ़ा रहा है। रुब-अल-खाली रेगिस्तान से आने वाली अत्यधिक गर्म हवाएं तापमान को और ऊपर ले जा रही हैं।

पाकिस्तान में पुलिस को निशाना बनाकर बड़ा फिदायीन हमला, पांच सुरक्षाकर्मियों समेत 15 की गई जान

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान का उत्तर-पश्चिमी प्रांत खैबर पख्तूनख्वा एक बार फिर भीषण आतंकी हमले से दहल उठा है। रविवार, 2 अगस्त को स्वात जिले के काबल टाउन में आयोजित एक शांति मार्च के दौरान संदिग्ध आत्मघाती हमलावर ने खुद को उड़ा लिया। इस दर्दनाक हादसे में अब तक 15 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है, जबकि 12 अन्य लोग जिंदगी और मौत के बीच जंग लड़ रहे हैं।

पुलिस स्टेशन के पास हुआ धमाका : यह विस्फोट उस समय हुआ जब स्थानीय लोगों और स्वात अमन जिरगा नामक स्थानीय परिषद द्वारा आयोजित अमन पासून शांति रैली निकाली जा रही थी। पिछले कुछ समय से इलाके में बिगड़ती सुरक्षा व्यवस्था और बढ़ते उग्रवाद के खिलाफ सैकड़ों लोग सड़कों पर उतरे थे। प्रदर्शनकारी शांति की अपील के साथ हाथों में तख्तियां और बैनर लेकर मार्च निकाल रहे थे, तभी काबल पुलिस स्टेशन के पास यह धमाका हुआ।

सुरक्षाबलों और नागरिकों को बनाया निशाना : क्षेत्रीय पुलिस अधिकारी मलकंद द्वारा साझा की गई जानकारी के अनुसार, इस भीषण हमले में 5 पुलिसकर्मियों और 10 आम नागरिकों की जान चली गई है। विस्फोट इतना जबरदस्त था कि पूरा इलाका धुएं और चीख-पुकार से भर गया। शुरुआती जांच में यह एक फिदायीन यानी आत्मघाती हमला प्रतीत हो रहा है, जिसका मुख्य लक्ष्य वहां तैनात पुलिसबल और सुरक्षा घेरा था।

अस्पतालों में हाई अलर्ट : धमाके की सूचना मिलते ही जिला प्रशासन और बचाव दल मौके पर पहुंचे। गंभीर रूप से घायल 12 लोगों को तुरंत नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है, जहां कई की हालत नाजुक बनी हुई है। पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों ने घटनास्थल की घेराबंदी कर साक्ष्य जुटाने शुरू कर दिए हैं। अभी तक किसी भी आतंकी संगठन ने इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है, लेकिन इस घटना ने पूरे क्षेत्र में दहशत और तनाव का माहौल पैदा कर दिया है।

जनता का फुटा गुस्सा : स्वात घाटी में पिछले कुछ महीनों से हिंसा की घटनाओं में इजाफा हुआ है, जिससे स्थानीय लोग पहले से ही डरे हुए थे। प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था और कड़ी करने के निर्देश दिए हैं, लेकिन शांति की मांग कर रहे निहत्थे नागरिकों पर हुए इस हमले ने सरकार और सुरक्षा एजेंसियों की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

लोग आतंकवाद के खिलाफ रैली निकाल रहे थे : धमाके से पहले रविवार को कई लोग आतंकवाद के खिलाफ शांति रैली निकाल जा रहे थे। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने स्वात में बढ़ रही आतंकवादी घटनाओं की निंदा की। डॉन के मुताबिक, प्रदर्शनकारियों ने कहा कि उनके आंदोलन का एक ही मकसद है, इलाके में शांति लौटाना और आतंकवाद का खात्मा करना। उन्होंने कहा कि यह सरकार की जिम्मेदारी है। अगर असुरक्षा का माहौल जारी रहा तो लोगों में बड़ा जनआक्रोश पैदा हो सकता है। प्रदर्शन में शामिल प्रदर्शनकारियों ने यह भी आरोप लगाया कि प्रशासन शांतिपूर्ण नागरिकों के खिलाफ कार्रवाई करता है, जबकि स्वात के पहाड़ी इलाकों में आतंकवादी खुलेआम सक्रिय हैं।

पाक राष्ट्रपति जरदारी ने जांच के आदेश दिए : पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने धमाके में लोगों की मौत पर दुख जताया। राष्ट्रपति कार्यालय के मुताबिक, उन्होंने पूरे मामले की विस्तृत जांच कराने के निर्देश दिए। खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री ने धमाके की निंदा की खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री सोहेल अफरीदी ने घटना की निंदा करते हुए पुलिस महानिरीक्षक से रिपोर्ट की मांग की है। उन्होंने मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए कहा, शांति के दुश्मनों को उनके नापाक इरादों में कभी कामयाब नहीं होने दिया जाएगा।

वहीं, खैबर पख्तूनख्वा के गवर्नर फैसल करीम कुंडी ने भी धमाके की निंदा करते हुए मृतकों के प्रति शोक जताया। उन्होंने कहा, 'आतंकी कायराना हमलों से देश का मनोबल नहीं तोड़ सकते।'

जुलाई में आतंकी हमलों में 154 मौतें हुई : पाकिस्तान में आतंकवादी घटनाओं में बढ़ोतरी देखने को मिली है। पाकिस्तान इंस्टीट्यूट फॉर कॉन्फ्लिक्ट एंड सिक्योरिटी स्टडीज की मासिक सुरक्षा रिपोर्ट के मुताबिक, खैबर पख्तूनख्वा में आतंकवादी गतिविधियों में तेजी आई है। रिपोर्ट के अनुसार, जुलाई में कई जिलों में आतंकवाद से जुड़ी 154 मौतें दर्ज की गईं, जबकि जून में यह संख्या 75 थी। यानी एक महीने में 105 फीसदी की बढ़ोतरी हुई।

ट्रंप के हमले कैंसिल करने के बाद ईरानी मीडिया ने किया ट्रोल, कहा- 'फूल की हवा निकल गई'

तेहरान, एजेंसी। ईरान के खिलाफ संभावित मिलिट्री हमलों पर कुछ समय के लिए रोक लगाने की घोषणा के बाद ईरानी मीडिया आउटलेट्स ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तीखी आलोचना और मजाक उड़ाया. ट्रंप ने एक ट्रुथ सोशल पोस्ट में दावा किया कि यह फैसला रीजनल एक्टर्स की रिक्वेस्ट के बाद लिया गया है, जिसमें कहा गया है, ईरान और दूसरे मिडिल ईस्टर्न देशों ने हमसे अभी-अभी कहा है कि हम कोई भी हमला न करें क्योंकि डील के पैरामीटर्स पर सहमति हो गई है. उन्होंने आगे कहा कि इस समझौते में होर्मुज स्ट्रेट को तुरंत, पूरी तरह से और पूरी तरह से खोलना शामिल होगा.' हालांकि, ईरान की सरकारी मीडिया ने मिलिट्री ऑपरेशन रोकने की किसी रिक्वेस्ट की पुष्टि करने वाली या होर्मुज स्ट्रेट को लेकर तेहरान के रुख में किसी बदलाव का संकेत देने वाली कोई रिपोर्ट नहीं दी. इसके बजाय ईरानी न्यूज एजेंसियों ने इस डेवलपमेंट को वॉशिंगटन की वापसी के तौर पर दिखाया. सेमी-ऑफिशियल न्यूज एजेंसी फार्स ने इस डेवलपमेंट पर रिपोर्ट करते हुए पोस्ट किया, 'ट्रंप द फूल का दम निकल गया है!' इसके साथ ही सेमी-ऑफिशियल न्यूज एजेंसी मेहर ने इस बात को खारिज कर दिया कि तेहरान ने हमले रोकने की मांग की थी, और बताया कि ट्रंप एक बार फिर अपनी खोखली धमकियों से पीछे हट गए और दुनिया के सामने अपने पीछे हटने को एक एहसान के तौर पर पेश किया. मिलिट्री अधिकारियों का हवाला देते हुए मेहर ने ट्रंप के बयान को एक नया झूठ बताया और कहा कि ईरानी सेना हाई अलर्ट पर है और किसी भी हालात के लिए तैयार है. ईरानी आउटलेट्स ने वेस्टर्न मीडिया की उन रिपोर्टों की ओर भी इशारा किया जिनमें अमेरिकी एयर डिफेंस मिसाइल स्टॉक में बढ़ती कमी को हाईलाइट किया गया था, जिसमें सेमी-ऑफिशियल न्यूज एजेंसी तस्नीम ने इस कमी को ईरान पर हमला रोकने के डोनाल्ड ट्रंप के फैसले के पीछे मुख्य वजहों में से एक बताया. तेहरान के विरोध के बावजूद सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस के साथ बातचीत के बाद ट्रंप ने कहा कि अमेरिकी सेना इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान के खिलाफ जाने के लिए पूरी तरह तैयार है. साथ ही उन्होंने दोहराया कि ईरान और दूसरे मिडिल ईस्ट देशों ने हमसे अभी-अभी किसी भी हमले को रोकने के लिए कहा है. यह डिप्लोमैटिक बातचीत पांच महीने से ज़्यादा समय तक चली मिलिट्री बातचीत के बाद हुई है, जो 28 फरवरी को शुरू हुई थी, जब अमेरिका और इजराइली सेना ने तेहरान पर हमले शुरू किए थे, और इसका कोई साफ हल नहीं दिख रहा था. पहले का सीजफायर फ्रेमवर्क, जिसमें होर्मुज स्ट्रेट को फिर से खोलना भी शामिल था, टूट गया. इससे ईरान ने हाल के हफ़्तों में दोनों देशों के बीच हमले फिर से शुरू होने पर इस जरूरी समुद्री रास्ते पर अपनी पकड़ मजबूत कर ली. फार्स ने ईरानी बातचीत करने वालों के एक करीबी सोर्स के हवाले से बताया कि होर्मुज स्ट्रेट तब तक बंद रहेगा।

ओमान तट पर मालवाहक जहाज पर अज्ञात हमला : जांच शुरू

लंदन । यूनाइटेड किंगडम मैरीटाइम ट्रेड ऑपरेशंस (यूकेएमटीओ) ने घोषणा की कि ओमान के अल-खसाब से करीब 20 समुद्री मील उत्तर-पूर्व में एक मालवाहक जहाज अज्ञात प्रोजेक्टाइल से टकरा गया। यूकेएमटीओ को संकट कॉल के माध्यम से घटना की सूचना मिली थी, जिसके बाद अधिकारियों ने तुरंत मामले की जांच शुरू कर दी है। यह हमला तब हुआ है जब क्षेत्र में तनाव चरम पर है, खासकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की ईरान के साथ चल रही वार्ताओं पर की गई टिप्पणियों के ठीक बाद। ट्रम्प ने कहा था कि उन्होंने सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात और कतर के राजनयिक हस्तक्षेप के बाद ईरान के खिलाफ नियोजित सैन्य हमले को टाल दिया था। राष्ट्रपति ट्रम्प ने वार्ताओं का जिक्र कर ईरान के लिए आखिरी मौका बताया था ताकि वे एक अच्छा दस्तावेज पर हस्ताक्षर कर सकें। उन्होंने दावा किया कि बातचीत ईरान के अनुरोध पर हो रही थी और दोहराया कि तेहरान को परमाणु हथियार हासिल करने से रोकना वाशिंगटन का प्राथमिक उद्देश्य बना हुआ है। उन्होंने होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने के संबंध में चल रही चर्चाओं का भी उल्लेख किया था। हालांकि, उनकी टिप्पणियों के तुरंत बाद, ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघेई ने अमेरिका के साथ प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष वार्ताओं की रिपोर्टों को सिरे से खारिज किया। बघेई ने स्पष्ट किया कि तेहरान वाशिंगटन के साथ किसी भी द्विपक्षीय वार्ता में शामिल नहीं है। उन्होंने बताया कि ईरान और ओमान के बीच होर्मुज जलडमरूमध्य के माध्यम से एक नए समुद्री यातायात मार्ग पर बनी समझ केवल सुरक्षित जहाज आवाजाही के लिए एक तकनीकी व्यवस्था थी, न कि रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण जलमार्ग को फिर से खोलने का संकेत। मालवाहक जहाज पर हुए कथित हमले ने क्षेत्रीय सुरक्षा और दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री व्यापार मार्गों में से एक, होर्मुज जलडमरूमध्य में नौपरिवहन पर चल रहे राजनयिक प्रयासों के बीच एक नई जटिलता पैदा कर दी है।

होर्मुज़ पर अमेरिका के साथ कोई सीधी बातचीत नहीं, ओमान से बातचीत प्रगति पर

-ट्रंप का दावा- ईरानी नेता निजी और गुप्त रूप से बातचीत करने के इच्छुक हैं

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया है कि ईरानी नेता निजी और गुप्त रूप से बातचीत करने के इच्छुक दिखते हैं, लेकिन खुले तौरा पर बातचीत करने को तैयार नहीं हैं। ट्रंप ने आरोप लगाया कि ईरान बहुत ज्यादा दोहरा चरित्र वाला रवैया अपना रहा है। वहीं, ईरान अमेरिका के साथ सीधी बातचीत करने से सख्ती से इनकार कर रहा है और कहा है, हम ट्रंप से किसी तरह की बात नहीं करेंगे। वहीं, राष्ट्रपति ट्रंप पर ईरान के साथ युद्ध को लेकर अमेरिका में ही बड़े आरोप लग रहे हैं और विरोध हो रहा है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ईरान ने कहा कि होर्मुज़ को लेकर ओमान के साथ बातचीत में प्रगति हो रही है, साथ ही, कतर और पाकिस्तान समेत क्षेत्रीय मध्यस्थ पर्दे के पीछे सक्रिय हैं, जो यह संकेत देता है कि सैन्य तनाव के बावजूद राजनयिक रास्ते अभी भी खुले हैं। सोमवार को ईरान के विदेश मंत्रालय ने घोषणा की थी कि ओमान के साथ बातचीत जहाजों के लिए एक अस्थायी रास्ता बनाने पर केंद्रित है, जिसमें जलमार्ग में ईरानी और ओमानी दोनों रास्तों को मिला दिया जाएगा, जब तक कि इस पर कोई स्थायी समझौता नहीं हो जाता। जलमार्ग से एक ही, भले ही अस्थायी, रास्ता बनाना ईरान और अमेरिका के बीच विश्वास बनाने की दिशा में पहला कदम हो सकता है, लेकिन ईरानी अधिकारियों का कहना है कि इस समय होर्मुज़ को लेकर अमेरिका के साथ कोई सीधी बातचीत नहीं हो रही है।

ईरान ने ट्रंप को चेतावनी देते हुए कहा कि हमारी सैन्य प्रतिरोधक क्षमता बरकरार है। ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड (आईआरजीसी) ने घोषणा की है कि वह किसी भी खतरे का जवाब देने के लिए तैयार है, जबकि अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने कहा है कि अमेरिकी सेना होर्मुज़ में वाणिज्यिक जहाजों की सुरक्षा के लिए पूरी तरह तैयार है। ईरान के सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई के मिलिट्री एडवाइज़र मोहसेन रेज़ाई ने ईरानी बंदरगाहों पर जारी नौसैनिक नाकेबंदी को लेकर अमेरिका को चेतावनी दी है। रेज़ाई ने एक्स पर लिखा कि अगर नाकेबंदी जारी रही, तो अमेरिकी जहाजों और सेना को गंभीर खतरों और नुकसान का सामना करना पड़ेगा। अमेरिका को अपना व्यवहार बदलना होगा, वरना हम इसे बर्दाश्त नहीं करेंगे। हम होर्मुज में दूसरा कॉरिडोर खोलने की इजाज़त कभी नहीं देंगे।

वहीं अमेरिकी सीनेट में माइनॉरिटी लीडर चक शूमर ने ईरान के साथ युद्ध को लेकर ट्रंप की जमकर आलोचना की। उन्होंने कहा कि ट्रंप तेल उद्योग से जुड़े अपने कैंपेन डोनर्स को फायदा पहुंचा रहे हैं, जबकि आम नागरिकों को ऊर्जा की बढ़ती कीमतों का सामना करना पड़ रहा है। शूमर ने एक्स पर लिखा- ईरान में ट्रंप का गैर-कानूनी युद्ध उनके बिग ऑयल वाले दोस्तों के लिए एक तोहफा है, जिन्होंने मुनाफा कमाने के वादे के साथ उनके कैंपेन को फंड किया था। पता चला कि यह वही वादा है जिसे उन्होंने असल में पूरा किया। रिपोर्ट के मुताबिक सऊदी अरब का कहना है कि यह गठबंधन बाब अल-मंदेब जलडमरूमध्य, लाल सागर और अदन की खाड़ी में समुद्री आवाजाही, वैश्विक व्यापार और ऊर्जा शिपमेंट को सुरक्षित करेगा। रियाद में 43 देशों और ईयू की बैठक के बाद गुरुवार को इसने अपनी योजनाओं का खुलासा किया। इसने कहा कि तुर्की, पाकिस्तान, मिस्र, सूडान और जिबूती समेत 14 देशों ने प्रस्तावित गठबंधन का समर्थन किया है। खाड़ी के छह अरब देशों में से ओमान और यूएई का नाम गठबंधन का समर्थन करने वालों में शामिल नहीं था।

चीन की हरकतों से परेशान थाईलैंड को भाया भारत का ब्रह्मास्त्र, ब्रह्मोस मिसाइल खरीदने की तैयारी में जुटा बैंकॉक

बैंकॉक, एजेंसी। भारत की सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल ब्रह्मोस दुनिया भर में अपनी धाक जमाती जा रही है। ऑपरेशन सिंदूर के बाद से दक्षिण एशियाई और मिडिल ईस्ट के देश इसे खरीदने में दिलचस्पी दिखा रहे हैं। सूत्रों के अनुसार, दक्षिण एशियाई देश फिलीपींस के बाद अब थाईलैंड भी इस खतरनाक मिसाइल को खरीदने की तैयारी में है। समुद्री सीमाओं को सुरक्षित करने और अपनी सेना को आधुनिक बनाने के लिए थाईलैंड अब ब्रह्मोस खरीदने में रुचि दिखा रहा है। इस मिसाइल के थाइलैंड की नौसेना शामिल हो जाने के बाद ?समुद्र में उसकी ताकत में इजाफा होगा। मिसाइल में जबरदस्त रफ्तार के साथ सटीक निशाना लगाने की क्षमता है। इससे समुद्र में थाईलैंड की नौसेना और ताकतवर हो जाएगी और वह अपने व्यापारिक रास्तों के साथ-साथ समुद्री इलाकों को भी बेहतर तरीके से सुरक्षित कर पाएगा। बेहद खास है थाईलैंड का यह कदम थाईलैंड हमेशा से किसी एक देश पर पूरी तरह से निर्भर नहीं रहने की नीति पर रहा है। हाल के वर्षों में अमेरिका-चीन में चल रहे तनाव को देखते हुए थाईलैंड, भारत की सहायता से अपनी रक्षात्मक स्थिति को और मजबूत करना चाहता है। चीन के साथ थाईलैंड के व्यापारिक और आर्थिक संबंध अच्छे रहे हैं। पहले वो चीन से हथियार भी खरीद चुका है, लेकिन दक्षिण चीन सागर में चीन की बढ़ती दादागीरी और भविष्य की सुरक्षा चुनौतियों को देखते हुए वो अत्याधुनिक तकनीक के लिए भारत जैसे अन्य विकल्पों को रक्षा साझेदार बना रहा है। चीन द्वारा दक्षिण चीन सागर में दावा करने के बाद दक्षिण एशियाई देश भारत जैसे मजबूत और विश्वस्त साझेदार बना रहे हैं। इंडोनेशिया दौरे में भी हुआ था समझौता पीएम मोदी के पिछले महीने इंडोनेशिया यात्रा के दौरान दोनों देशों में ब्रह्मोस मिसाइल प्रणाली और एयर-टू-एयर मिसाइल सहयोग समझौता हुआ था। इसके अलावा समुद्री क्षेत्र में तटीय निगरानी, प्रदूषण नियंत्रण और खोज एवं बचाव जैसे कई अहम क्षेत्रों में भी पूरी सहमति बनी। दोनों देशों ने मानवीय सहायता एवं आपदा राहत के लिए एक साथ मिलकर काम करने का बड़ा फैसला किया था।

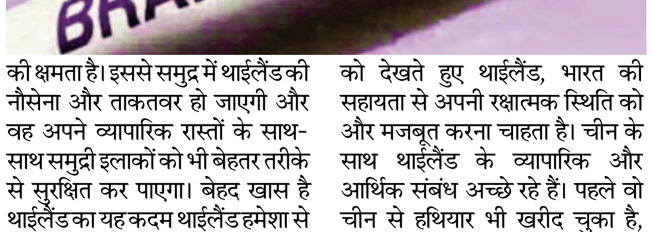

पाकिस्तानी घुसपैठियों को बाहर करो, नेपाल में हिंदू राष्ट्र की मांग; सड़कों पर उतरे लोग

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल को हिन्दू राष्ट्र घोषित करने की मांग तेज हो रही है। यह मुद्दा केवल संगठनों और प्रदर्शनों तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि आम लोग अपने जनप्रतिनिधियों से भी सीधे जवाब मांग रहे हैं। प्रभावित क्षेत्रों में सांसदों का घेराव कर उनसे हिन्दू समुदाय की सुरक्षा और अधिकारों के पक्ष में खुलकर बोलने की मांग की जा रही है।

सांसद के सामने विरोध : सिरहा जिले में राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के सांसद बबलू गुप्ता को लोगों के भारी विरोध का सामना करना पड़ा। विरोध कर रहे लोगों का कहना था कि उन्होंने परिवर्तन और नेपाल को पुनः हिन्दू राष्ट्र बनाने की उम्मीद के साथ अपने जनप्रतिनिधियों का समर्थन किया था, लेकिन अब उनकी अपेक्षाओं की अनदेखी की जा रही है।

ठंडी हुई सांप्रदायिक हिंसा की आंच : नेपाल में 26 जुलाई की रात से शुरू हुई हिंसा की आंच अब मंद पड़ चुकी है। कई जिलों में बने तनाव के हालात अब काबू में हैं। हालांकि, इस घटना के बाद अब हिंदूवादी संगठनों ने सरकार को 15 सूत्री मांगपत्र सौंपते हुए नेपाल को पुनः हिंदू राष्ट्र घोषित करने के लिए संसद में प्रस्ताव लाने समेत कई बड़े फैसले लेने की मांग की है। मांगपत्र में सुनसरी जिले के देवानगंज में हुई हिंसा की निष्पक्ष जांच, घटना के दोषियों एवं साजिशकर्ताओं की शीघ्र गिरफ्तारी तथा जांच समिति की रिपोर्ट सार्वजनिक करने की मांग की गई है। साथ ही गोली चलाने का आदेश देने वाले अधिकारियों की पहचान उजागर कर उनके विरुद्ध कानूनी कार्रवाई करने की भी मांग रखी गई है। प्रशासनिक लापरवाही और सुरक्षा व्यवस्था में हुई चूक के लिए जिम्मेदार अधिकारियों पर भी सख्त कार्रवाई की मांग की गई है। मांगपत्र में घटना में जान गंवाने वाले लोगों को शहीद का दर्जा देने, उनके परिजनों को उचित मुआवजा उपलब्ध कराने तथा घायलों का निशुल्क और प्रभावी इलाज सुनिश्चित करने की भी मांगें शामिल हैं। साथ ही नेपाल को बौद्ध एवं किरात परंपराओं के सम्मान के साथ 'वैदिक सनातन हिंदू राष्ट्र' के रूप में पुनःस्थापित करने के लिए संसद में प्रस्ताव लाने की मांग की गई है। संगठनों ने रोहिंग्या, बांग्लादेशी और पाकिस्तानी घुसपैठियों की पहचान कर उन्हें निष्कासित करने, सीमा सुरक्षा को और मजबूत बनाने तथा वर्ष 1990 के बाद जारी नेपाली नागरिकताओं की जांच कराने की मांग भी उठाई है।

क्या बोले पीएम बालेन शाह : पीएम बालेन शाह का कहना है कि हिंदू राष्ट्र की बहाली के साथ राजशाही का मुद्दाभी जुड़ता है। ऐसे में वर्तमान परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए ऐसा कोई भी फैसला लेना उचित नहीं होगा। उन्होंने कहा कि सरकार फेडरल व्यवस्था के लिए प्रतिबद्ध है और मजबूती से इसका पालन करेगी। उनका कहना है कि हिंदू राष्ट्र घोषित कर देने से संघीय व्यवस्था कमजोर हो जाएगी।

पाकिस्तान में बस दुर्घटना, 13 लोग घायल और बुनियादी ढांचे पर सवाल

इस्लामाबाद , एजेंसी। पाकिस्तान भर में लगातार बुनियादी ढांचे की खामियों, नागरिक कुप्रबंधन और बढ़ते सार्वजनिक सुरक्षा जोखिमों को उजागर करते हुए, सरगोधा में सड़क दुर्घटनाओं, ढांचागत विफलताओं और शहरी बाढ़ की घटनाओं की एक श्रृंखला देखी गई है, जैसा कि डॉन ने रिपोर्ट किया है।

बहेरा के पास एम2 मोटरवे पर भीषण बस दुर्घटना : बहेरा इंटरचेंज के पास एम2 मोटरवे पर एक बड़ी सड़क दुर्घटना में, तीर्थयात्रियों को ले जा रही एक बस ने नियंत्रण खो दिया और सड़क किनारे टायर बदलने के लिए खड़ी एक वाहन से टकरा गई, जिससे यात्री बस पलट गई।

शनिवार को 13 लोगों को गंभीर चोटें आईं, जिनमें राईस, मुख्तार, मुहम्मद सामी, फैजान इजाज, अली वारिस, कमर जुल्फिकार, महमूद हसन, तसावुर इजाज, नदीम, जहीर अहमद, उस्मान अली, शोएब और मुहम्मद इक़बाल शामिल हैं, जैसा कि डॉन ने रिपोर्ट किया है। रेस्क्यू 1122 के कर्मियों ने पांच गंभीर रूप से घायल पीड़ितों को स्वास्थ्य सुविधा में ले जाने से पहले प्रारंभिक आपातकालीन देखभाल प्रदान की, जबकि स्थानीय अधिकारियों ने जांच शुरू कर दी है।

सरगोधा में बुनियादी ढांचे की विफलताएं : सार्वजनिक बुनियादी ढांचे में गंभीर प्रशासनिक चूक और भ्रष्ट आचरण को उजागर करते हुए, सरगोधा के उपायुक्त ने शहर के बाजार सौंदर्यीकरण अभियान में घटिया सामग्री और त्रुटिपूर्ण निष्पादन के संबंध में गंभीर चिंता जताई, जहां मानसून की बारिश के बाद नव-बिछाई गई फुटपाथ ढह गई और तूफान के पानी से दुकानों के बेसमेंट में बाढ़ आ गई। डॉन के अनुसार, उपायुक्त कार्यालय के आधिकारिक प्रतिनिधियों ने दावा किया कि कदाचार के संबंध में कोई ढील बर्दाश्त नहीं की जाएगी, और गुणवत्ता मानकों को लागू करने के लिए शहरी नियोजन में संरचनात्मक दोषों को दूर करने का वचन दिया।

बाढ़ और आवास सुरक्षा चिंताएं : इस बीच, सरगोधा डिवीजन के आयुक्त हाफिज शौकत अली, नगरपालिका, राजमार्ग और जल स्वच्छता नेतृत्व सहित क्षेत्रीय प्रशासकों ने विभिन्न नगरपालिका स्थलों का निरीक्षण किया, जीर्ण-शीर्ण सड़क नेटवर्क, विफल जल निकासी बुनियादी ढांचे और उपेक्षित नागरिक उपयोगिताओं की समीक्षा की।

आयुक्त ने सिल्लवाली डिस्पोजल स्टेशन, ईदगाह डिस्पोजल स्टेशन, सिटी रोड और शहीन चौक में चल रही विकास परियोजनाओं का निरीक्षण किया, फील्ड अधिकारियों को टिकाऊ सामग्री का उपयोग करके कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए, जबकि भारी वर्षा के दौरान शहरी पक्षाघात को रोकने के लिए जल प्रबंधन एजेंसियों को चालू डिस्पोजल पंप बनाए रखने का निर्देश दिया।

आवास सुरक्षा कमजोरियों को उजागर करने वाली एक अन्य घटना में, मुरादाबाद कॉलोनी गली 12 में अपने आवास की छत गिरने से 18 वर्षीय समीन अशरफ और 20 वर्षीय फरवा अशरफ गंभीर रूप से घायल हो गए, जो भारी बारिश के बाद आधी रात को ढह गई। पारंपरिक टीआर गर्डर से निर्मित संरचना अचानक ढह गई, जिससे दोनों पीड़ित भारी मलबे के नीचे दब गए, इससे पहले कि उन्हें निकाला गया और एक निजी चिकित्सा केंद्र ले जाया गया।

बढ़ती जलवायु भेद्यता और कमजोर आपदा निवारण उपायों को और इंगित करते हुए, चेनाब और झेलम नदियों के बढ़ते जल स्तर ने आसपास के किनारों पर बाढ़ ला दी, जिससे कृषि भूमि नष्ट हो गई और ग्रामीण आबादी को खतरा पैदा हो गया, जैसा कि डॉन ने रिपोर्ट किया है।

आपातकालीन टीमों ने लगभग तीन दर्जन निवासियों को जलमग्न क्षेत्रों से सुरक्षित स्थानों पर सुरक्षित निकाला, जबकि स्थानीय अधिकारियों ने दावा किया कि अंतर-एजेंसी तत्परता को बढ़ावा देने के लिए पहले मॉक बाढ़ अभ्यास आयोजित किए गए थे।

जॉब के लिए इन चीजों की कुर्बानी कभी न दें

हम आठ से दस घंटे जॉब करते हैं और वह भी अपना पूरा सौ प्रतिशत देकर। आप भले ही अपने जॉब से कितना भी प्यार क्यों न करते हों लेकिन आपको अपने व्यक्तिगत और व्यावसायिक जीवन में सीमा बनाकर रखने की जरूरत होती है। अगर हम ऐसा नहीं करेंगे तो हमारा काम, हमारा स्वास्थ्य, हमारा निजी जिंदगी प्रभावित होगी। आइए जानते हैं कि ऐसी कौन सी 5 चीजें हैं जिसे आपको अपने जॉब के लिए कभी कुर्बान नहीं करना चाहिए।

आपका स्वास्थ्य

यह बहुत ही मुश्किल होता है कि काम के समय आप अपने स्वास्थ्य के लिए सीमा तैयार कर ले क्योंकि आपको इसके दुष्प्रभाव का अंदाज ही नहीं होता। आप तनाव का स्वागत करते हैं, नींद खो देते हैं और बिना व्यायाम के लंबे समय पर बैठकर काम करते हैं। जब तब आपको इस बारे में पता चलेगा आपकी हालत खराब हो चुकी होगी। इसलिए इस बात को सुनिश्चित कर लें कि आपकी जॉब के कारण आपके हेल्थ पर कोई गलत प्रभाव तो नहीं पड़ रहा है। कोई भी जॉब ऐसी नहीं है जिसकी कीमत आपके स्वास्थ्य से बढ़कर हो।

आपका परिवार

यह बहुत ही आसान होता है कि आपका परिवार आपके जॉब के कारण प्रभावित हो रहा हो। हममें से कई लोग यह करते हैं क्योंकि हम हमारी नौकरी को हमारे परिवार का चलाने का साधन मानते हैं। आप यह सोचते हैं कि बच्चों को अच्छे कॉलेज-स्कूल में पढ़ाना है तो मुझे ज्यादा पैसा कमाना होगा। बस फिर क्या आप परिवार के साथ क्वॉलिटी टाइम भी नहीं बिता पाते। आप ऐसी कई मेमोरिज मिस कर देते हैं जो आपके परिवार को खुशियां देती है।

आपका विवेक

वह जॉब जो आपके विवेक का एक छोटा सा हिस्सा भी ले ले तो यह आपके लिए अच्छा नहीं है। आपका विवेक कुछ ऐसा है कि इसे आपको ही मॉनिटर करना होगा और खुद को हेल्दी रखने के लिए सीमाएं तय करनी होगी।

आपकी पहचान

जब आपका काम आपकी पहचान का महत्वपूर्ण हिस्सा है तो यह खतरनाक साबित हो सकता है कि आपकी पूरी पहचान केवल आपका काम ही हो। अपनी पहचान के बाहर का काम कर के आपको सुखद एहसास होगा। यह आपके तनाव दूर करने में मदद करेगा और एक व्यक्ति के रूप में विकास करने में मददगार साबित होगा।

आपके संपर्क

आपके संपर्क आपकी मेहनत और प्रयास का उत्पाद है। किसी भी जॉब की खातिर आप अपने अच्छे संपर्क सूत्रों से मुंह नहीं मोड़ सकते हैं।

इस तरह बना सकते हैं ग्रह, नक्षत्रों में करियर

इन दिनों युवाओं में ज्योतिष की पढ़ाई को लेकर भी खूब क्रेज है। बाजार में ज्योतिषियों की बढ़ती मांग को देखते हुए युवाओं को इसमें भविष्य संवारने का सुनहरा मौका दिया है। ज्योतिष कोर्स को लेकर युवाओं के बढ़ते रुझान को देखते हुए यह एक बेहतरीन करियर विकल्प बन गया है। पिछले कुछ सालों में इस फील्ड में काफी स्कोप बढ़ा है। यही नहीं ज्योतिष के साथ पूजा-पाठ में करियर का व्यापक प्रचार-प्रसार हो रहा है। जहां लोग अपना भविष्य जानना चाहते हैं, वहीं ग्रह-नक्षत्र को शांत करने के लिए धार्मिक अनुष्ठान कराते हैं।

कुंडली मिलान से लेकर, मांगलिक कार्य, शादी ब्याह, पंचाग, राशिफल, अंकविज्ञान, कर्मकांड आदि भी इसी दायरे में आते हैं। ज्योतिष, पूजा-पाठ के कई तरह के कोर्स उपलब्ध है। 12 वीं करने के बाद भी आप इस क्षेत्र में करियर बना सकते हैं। स्नातक ऑनर्स या शास्त्री की डिग्री तीन साल की होती है। दो साल का पीजी कोर्स या आचार्य की डिग्री हासिल की जा सकती है। आप पीएचडी भी कर सकते हैं। ज्योतिष अलंकार कोर्स के लिए 12वीं पास होना जरूरी है।

इसके बाद आप ज्योतिषाचार्य का कोर्स कर सकते हैं। ज्योतिष और अध्यात्म के साथ-साथ पूजा-पाठ में करियर का व्यापक प्रचार-प्रसार हो रहा है। जहां लोग अपना भविष्य जानना चाहते हैं, वहीं ग्रह-नक्षत्र को शांत करने के लिए भी धार्मिक अनुष्ठान कराते हैं। अधिकतर संस्थानों और विश्वविद्यालयों में संस्कृत के साथ ही ज्योतिष विज्ञान, कर्मकांड, धर्मशास्त्र, व्याकरण, वेद, पुरोहित आदि की पढ़ाई होती है। वेद, व्याकरण, साहित्य, ज्योतिष, वैदिक दर्शन, जैन-बुध्द दर्शन, धर्मशास्त्र मीमांसा, धर्मागम आदि का अध्ययन संस्कृत विषय के तहत ही किया जाता है। हालांकि कई संस्थानों में ज्योतिष प्रज्ञ में सर्टिफिकेट कोर्स तो ज्योतिष भूषण में डिप्लोमा कोर्स भी आयोजित कर रहे हैं।

संभावनाएं

ज्योतिष में करियर बनाने के इच्छुक लोगों को रत्न, पत्थर, ग्रह-नक्षत्र के साथ भारतीय लोगों के दृष्टिकोण को पहचानने की क्षमता होनी चाहिए। इस क्षेत्र में कभी भी मंदी नहीं आती क्योंकि अधिकतर भारतीय पारंपरिक हैं और ज्योतिष पर विश्वास करते हैं। कोई भी व्यक्ति अखबार, न्यूज चैनलों के अलावा पत्रिकाओं में भविष्यवक्ता भी बन सकता है।

स्किल्स

इस फील्ड में आप तभी सफल हो सकते हैं जब आप में लगातार कुछ न कुछ सीखने के गुण हों। आपका व्यक्तित्व आकषर्क हो, आप लोगों के साथ दोस्ताना रवैया रख सकें। केवल पैसा कमाना ही आपका मकसद न होकर दूसरों की सहायता करना भी होना चाहिए। ईमानदारी इस पेशे में काफी अहमियत रखती है। साथ ही, जिम्मेदारी की भावना भी आप में कूट-कूट कर भरी होनी चाहिए। लोगों को अपनी बातों से कंविंस करना इस फील्ड की मुख्य चुनौती है। आप अपनी बात हर समय तर्कयुक्त ढंग से रखें जिससे सामने वाला आपकी बातों पर हामी भरे। ज्योतिष सीखना और भविष्यवाणी करना आसान काम नहीं है। इसके लिए कठिन परिश्रम की आवश्यकता होती है।

कोर्सेस

बीएससी इन एस्ट्रोलॉजी, एमएससी इन एस्ट्रोलॉजी, सर्टिफिकेट कोर्स इन एस्ट्रोलॉजी, डिप्लोमा कोर्स इन भारतीय ज्योतिष, बीएम/एमए/पीएचडी इन एस्ट्रोलॉजी, एमए इन संस्कृत रिसर्च इन एस्ट्रोलॉजी, कोर्स इन वेदांग ज्योतिष, टू ईयर ग्रेडेट कोर्स इन वैदिक एस्ट्रोलॉजी, एम इन एस्ट्रोलॉजी (पत्राचार), बीए (संस्कृत), ज्योतिष एमए (आचार्य), ज्योतिष बीए (संस्कृत), ज्योतिष फलित, ज्योतिष बीए (ज्योतिष), एमए (फलित ज्योतिष), एमए (सिध्दांत ज्योतिष), बीए शास्त्री (सिध्दांत ज्योतिष), बीए (फलित ज्योतिष), ज्योतिष डिप्लोमा कोर्स, ज्योतिष डिप्लोमा पुरोहित सर्टिफिकेट ट्रेनिंग कोर्स इन पुरोहित, पीजी डिप्लोमा इन वास्तुशास्त्र रिफ्रेशर कोर्स इन ज्योतिष (ज्योतिष प्रज्ञ और ज्योतिष भूषण), ज्योतिष प्रवीण बेसिक एस्ट्रोलॉजी कोर्स (एक साल)।

किस तरह क्वॉलिफाई कर सकते हैं सीसैट

युवाओं में सिविल सर्विसेज की प्रिलिम्स, यानी सीसैट (सिविल सर्विसेज एप्टिट्यूड टेस्ट) बहुत मायने रखती है। अगर आपमें पैशन है, तो आप इस परीक्षा में अपनी योग्यता दिखाकर अच्छे अंक पा सकते हैं। जानते हैं सी-सैट सहित सिविल सेवा परीक्षा से संबंधित कुछ सामान्य सवालों के जवाब।

सीसैट की तैयारी में कितना समय लगता है

सीसैट (प्रिलिम्स) में 2 ऑब्जेक्टिव टाइप सेक्शन होते हैं। पहला पेपर जनरल स्टडीज का और दूसरा पेपर एप्टीट्यूड टेस्ट का होता है। अगर उम्मीदवार प्रिलिम्स की तैयारी कर रहा है, तो उसे दोनों यानी जनरल स्टडीज पेपर 1 और जीएस मेन्स की तैयारी साथ में ही करनी चाहिए। जहां तक समय का सवाल है, तो प्रिलिम्स की तैयारी के लिए 6 से 8 महीने का समय लग जाता है। अगर उम्मीदवार सही तरीके से तैयारी करे, तो वह जीएस मेन्स का 60 से 70 प्रतिशत भाग कवर कर सकता है। इसके अलावा नोट्स बनाने भी बहुत जरूरी हैं। आपको सिलेक्शन पाने के लिए कुछ हटकर करना पड़ेगा।

सीसैट व मेन्स का जीएस पेपर क्या एक-दूसरे से किसी तरह संबंधित हैं?

शायद ही इन दोनों में कुछ कॉमन हो। फिर भी, अगर हम इसकी गहराई में जाएं, तो एक संबंध देख सकते हैं कि अगर किसी उम्मीदवार की जीएस बहुत अच्छी है, तो यह उसे रीडिंग कम्प्रिहेंशन सेक्शन में मदद कर सकती है, जिससे सीसैट में कम से कम 40 से 60 प्रतिशत प्रश्न पूछे जाते हैं।

सीसैट पेपर 1 और 2 के लिए विद्यार्थियों की रणनीति

पेपर 1 - इसके लिए सबसे जरूरी यह है कि उम्मीदवार एनसीईआरटी की पुस्तकों को बहुत अच्छे-से पढ़े। कक्षा 6 से 12 तक की हिस्ट्री, सिविक्स और जिओग्रॉफी को अच्छे से पढ़ें। कक्षा 9 से 12 तक की इकोनॉमिक्स का गहराई से अध्ययन करें और कक्षा 11 व 12 की सोशलॉजी पर फोकस करें। एनसीईआरटी बुक्स के साथ-साथ आपको एक अच्छा अखबार भी नियमित रूप से पढ़ना चाहिए। इसके अलावा वार्षिक बुक भी अच्छे से पढ़ें। आपको इकोनॉमिकल और पॉलिटिकल साप्ताहिक मैगजीन भी पढ़नी चाहिए।

पेपर 2 - इसके लिए आपको कक्षा 7 से 10 तक की मैथ्स पर बहुत अच्छा कमांड होना चाहिए। इसके अलावा रीजनिंग का बेसिक ज्ञान भी अच्छा होना चाहिए।

करंट अफेयर्स के तहत किस तरह के प्रश्न पूछे जाते हैं?

जहां तक प्रिलिम्स का सवाल है, कुछ साल पहले तक करंट अफेयर्स से काफी प्रश्न पूछे जाते थे, लेकिन पिछले 2-3 सालों से इन प्रश्नों में कुछ कमी आई है। एक बात का हमेशा ध्यान रखें कि सिविल सर्विसेज एग्जाम का कोई स्पष्ट ट्रेंड नहीं होता है। करंट अफेयर्स के प्रश्न सीसैट में नहीं पूछे जाते, बल्कि मेन्स में पूछे जाते हैं। इसीलिए उम्मीदवारों को अपने आसपास की घटनाओं से अपडेट रहना चाहिए।

सीसैट में एक सामान्य विद्यार्थी की सफलता की कितनी संभावना होती है?

2023 में लगभग 5 लाख उम्मीदवार इस परीक्षा के लिए बैठे थे, जिसमें 3.7 प्रतिशत ही सीसैट क्रैक कर पाए, जबकि करीब 80 प्रतिशत उम्मीदवार ऐसे भी थे, जो बहुत आश्वस्त थे अपने चयन को लेकर मगर वे प्रिलिम्स तक नहीं क्वॉलिफाई कर पाए। वास्तव में प्रतिस्पर्धा 20 प्रतिशत उम्मीदवारों के बीच ही थी। पिछले 5-6 साल से सक्सेस रेट 3-6 प्रतिशत रहा है। सीसैट कठिन तो है पर असंभव नहीं है। एक सामान्य विद्यार्थी भी कड़ी मेहनत करके सीसैट क्वॉलिफाई कर सकता है।

क्या सीसैट क्वॉलिफाई करने के लिए कोचिंग जरूरी है?

कोचिंग जरूरी तो नहीं है, फिर भी अगर आप कोई कोचिंग ज्वॉइन करना चाहते हैं, तो बहुत सोच-समझकर ऐसा करें और हो सके तो उसी से मार्गदर्शन लें, जिसने खुद यह परीक्षा दी हो। कारण यह कि कई कोचिंग संस्थानों में फैकल्टी अच्छी नहीं होती।

इन तरीकों से दूर कर सकते हैं अपनी कमजोरियां

कई बार हम बिना सोचे-समझे दूसरों की आलोचना कर देते हैं लेकिन ऐसा करते हुए हम यह नहीं सोचते कि इसका परिणाम क्या होगा। दूसरों की आलोचना पर ध्यान देने या उनकी कमियां निकालने में समय गंवाने के बजाय हमें खुद को सशक्त बनाने पर ध्यान देना चाहिए। अपने आप को कमजोर या हीन समझने के बजाय यह देखें कि आखिर वह कौन-सी खासियत है, जो आपके भीतर है, जिसे आगे बढ़ाकर आप कामयाबी के शिखर की तरफ बढ़ सकते हैं। कभी भी यह न सोचें कि आपके भीतर कोई हुनर नहीं है।

अगर आपको लगता है कि वाकई कोई अच्छाई आपमें नहीं है, तो किसी निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले जरा ठहरें। कुछ दिन पूरी एकाग्रता के साथ आत्म-मंथन करें। अपनी रुचियों, आदतों, व्यवहार, बातचीत, प्रतिक्रिया आदि पर ध्यान दें। आपको जरूर पता चल जाएगा कि आप में कौन-सी अच्छाई है। अगर फिर भी समझ में नहीं आता, तो घर के किसी समझदार सदस्य, अध्यापक या फिर काउंसलर की मदद से खुद की ताकत को जानें-समझें। इससे आपको अपनी पसंद के क्षेत्र में आगे बढ़ने में मदद मिलेगी।

घबराएं न हार से

अगर आप कभी किसी परीक्षा या टेस्ट में फेल हो जाते हैं, किसी टीम का हिस्सा होते हुए भी बेहतर परफॉर्म नहीं कर पाते या फिर किसी वजह से शर्मिंदा होना पड़ता है, तो ऐसी स्थिति में भी धैर्य बनाए रखें। हताश बिल्कुल न हों। खुद को संयत रखें। फिर यह सोचें कि आखिर आप असफल क्यों हुए? आपसे कहां चूक हो गई? आपने गलती कहां की? अपनी हार या असफलता में छिपे कारणों को ढूंढें। जब तक आप उन कारणों को ढूंढकर उन्हें दूर करने का प्रयत्न नहीं करेंगे, कामयाबी आपसे दूर ही रहेगी। अगर आप खुद को विजेता के रूप में देखता चाहते हैं, तो अपनी कमियों-कमजोरियों को ढूंढकर उन्हें यथाशीघ्र दूर करें। याद रखें, दुनिया में ऐसे बहुत कम कामयाब लोग होंगे, जिन्होंने कभी असफलता का स्वाद नहीं चखा होगा। कामयाबी के शिखर पर पहुंच चुके तमाम लोगों को अपने प्रयासों में कई बार हार मिली।

चाहे बल्ब के आविष्कारक थॉमस एडिसन हों या फिर नए संसार की खोज में निकले कोलंबस और वास्को-डि-गामा जैसे लोग। बार-बार की असफलता के बावजूद ऐसे उत्साही लोगों ने उम्मीद का दामन नहीं छोड़ा। आखिर एक दिन ऐसा आ ही गया, जब उन्हें कामयाबी मिली और दुनिया भर ने उनका लोहा माना। अगर आप भी किसी परीक्षा या प्रतियोगिता में असफल हो जाते हैं, तो इसे जिंदगी का आखिरी इम्तेहान समझने के बजाय इस बात पर विचार करें कि आखिर किन कमियों के कारण आपको सफलता नहीं मिल सकी। इन कमियों को दूर कर फिर दोगुने उत्साह के साथ प्रयास करें।

आत्ममुग्धता से बचें

अक्सर यह भी देखने में आता है कि छोटी-छोटी सफलताएं पाकर हम आत्ममुग्ध हो जाते हैं। इसका नतीजा यह होता है कि बड़े लक्ष्य को पाने के लिए किए जाने वाले हमारे प्रयास शिथिल पड़ने लगते हैं। कई बार हम खुद को बेहद काबिल मानकर यह सोच लेते हैं कि हमें सफलता तो मिल ही जाएगी। मगर जब ऐसा नहीं होता और असफलता हाथ लगती है, तो हमें शॉक लगता है। तब हमें एहसास होता है कि काश दूसरों की तारीफों के कारण हम आत्ममुग्धता के शिकार न हुए होते।

300 फलदार पौधों का किया निःशुल्क वितरण

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : पर्यावरण संरक्षण एवं हरित भविष्य के निर्माण के उद्देश्य से सेवा संकल्प फाउंडेशन द्वारा सोमवार को विकासखंड बीरोंखाल के नौगांव स्थित पंचायत भवन परिसर में वृक्षारोपण एवं पौध वितरण अभियान आयोजित किया गया। अभियान के अंतर्गत नींबू, कटहल, लीची एवं अनार सहित लगभग 300 फलदार पौधों का निःशुल्क वितरण किया गया। इस मौके पर जनसहभागिता के साथ वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने पर्यावरण संरक्षण की शपथ लेते हुए अधिक से अधिक वृक्ष लगाने एवं उनके संरक्षण का संकल्प लिया।

कार्यक्रम को सेवा संकल्प फाउंडेशन की संस्थापक अध्यक्षा गीता धामी ने दूरभाष के माध्यम से संबोधित किया। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल अभियान नहीं, बल्कि हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने विधानसभा चौबट्टाखाल क्षेत्र में अभियान के शुभारंभ हेतु विधायक सतपाल महाराज के प्रति आभार व्यक्त किया। कहा कि प्रकृति संरक्षण उत्तराखंड की समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा का अभिन्न अंग रहा है। सुंदरलाल बहुगुणा, गौरा देवी तथा हरेला जैसे जनआंदोलनों और परंपराओं ने सदैव प्रकृति के संरक्षण का संदेश दिया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के एक पेड़ माँ के नाम अभियान से प्रेरणा लेते हुए प्रत्येक व्यक्ति को अपनी माता के नाम पर एक पौधा लगाकर उसके संरक्षण का संकल्प लेना चाहिए। आज लगाया गया पौधा भविष्य में समाज को स्वच्छ वातावरण, छाया एवं फल प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि सेवा संकल्प फाउंडेशन पूरे प्रदेश में पर्यावरण संरक्षण एवं जनजागरूकता के उद्देश्य से वृक्षारोपण अभियान संचालित कर रहा है। संस्था का उद्देश्य अधिक से अधिक लोगों को पर्यावरण संरक्षण से जोड़ते हुए आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ एवं सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित करना है। उन्होंने सभी से सावन मास में अधिकाधिक वृक्षारोपण कर पौधों के संरक्षण का संकल्प लेने का आह्वान किया। इस मौके पर समाज कल्याण विभाग से नामित सदस्य प्रेम सिंह नेगी, विधायक प्रतिनिधि दर्शन सिंह रीगोड़ा, बद्री-केदार मंदिर समिति की सदस्य नीलम पुरी, ग्राम प्रधान नौगांव ओमपाल बिष्ट, सेवा संकल्प फाउंडेशन के प्रतिनिधि पवन सिंह, स्वयं सहायता समूह की ब्लॉक मिशन प्रबंधक सुषमा बिष्ट, ज्येष्ठ प्रमुख कुलदीप नेगी आदि मौजूद थे।

पर्यावरण संरक्षण में महिलाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि ब्लॉक प्रमुख नेहा नेगी ने वृक्षारोपण कर अभियान का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण में महिलाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है तथा समाज के प्रत्येक व्यक्ति को इस दिशा में सक्रिय योगदान देना चाहिए। उन्होंने सेवा संकल्प फाउंडेशन एवं श्रीमती गीता धामी द्वारा संचालित जनहितकारी एवं पर्यावरण संरक्षण संबंधी प्रयासों की सराहना की। जिला पंचायत सदस्य श्रीमती रजनी रावत ने महिलाओं को स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से स्वरोजगार एवं आजीविका से जोड़ने पर बल देते हुए गांवों में अधिक से अधिक फलदार एवं छायादार वृक्ष लगाने का आह्वान किया।

यमुनोत्री हाईवे स्यानाचट्टी में दूसरे दिन भी नहीं खुला

उत्तरकाशी /बड़कोट। गंगोत्री हाईवे पर मंगलवार को पापड़ गाड के समीप हाईवे सुबह तीन घंटे तक आवाजाही के लिए बंद रहा जिससे कांवड़ यात्रियों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। वहीं यमुनोत्री हाईवे पर कई स्थानों पर भूस्खलन हो रहा है। स्यानाचट्टी में दूसरे दिन भी आवाजाही बंद रही। गंगोत्री हाईवे पर सुबह पापड़ गाड के पास भू–धंसाव होने से मार्ग अवरूद्ध हो गया था। बीआरओ की जेसीबी ने कड़ी मशक्कत के बाद हाईवे को तीन घंटे बाद यातायात के लिए सुचारू किया। इस दौरान हाईवे के दोनों सैकड़ों की संख्या में कांवड़ यात्री फंसे रहे। इसी तरह यमुनोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग सिलाई बैण्ड, पालीगाड, स्यानाचट्टी, हनुमानचट्टी, बाडिया, जंगलचट्टी, रानाचट्टी, झर्झरगाड के पास भूस्खलन व मलबा आने के कारण मार्ग अवरूद्ध रहा।

संक्षिप्त समाचार

गंभीर घायल महिला को 24 घंटे बाद मिला इलाज

पुरोला। मोरी विकासखंड के सुदूरवर्ती गंगाड़ क्षेत्र में सड़क बाधित होने की कीमत एक घायल महिला को चुकानी पड़ी। स्थिति यह रही कि गंभीर घायल महिला करीब 24 घंटे तक अस्पताल नहीं पहुंच सकी। हालांकि बाद में प्रशासन ने महिला को हेली से हायर सेंटर भेजा।

गंगाड़ निवासी सूरी देवी (39) पत्नी मेंबर सिंह रविवार शाम गांव के समीप भूमूलगाड क्षेत्र में किसी कार्य से गई थीं। इसी दौरान उनका पैर फिसल गया और वह गहरी ढलान में गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गईं। परिजनों और ग्रामीणों ने कड़ी मशक्कत के बाद उन्हें सुरक्षित बाहर निकाला और प्राथमिक उपचार उपलब्ध कराया लेकिन क्षेत्र के मोटर मार्ग भूस्खलन के कारण बंद होने से उन्हें तत्काल अस्पताल ले जाना संभव नहीं हो सका।

सड़क पूरी तरह बाधित होने के कारण घायल महिला को समय पर बेहतर चिकित्सा नहीं मिल पाई। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए प्रशासन ने सोमवार शाम को हेली से उन्हें हायर सेंटर रेफर किया जहां उनका उपचार जारी है। घटना के बाद ग्रामीणों में भारी नाराजगी देखने को मिली। ग्रामीण रमेश चौहान, प्रदीप चौहान और राजेंद्र चौहान ने कहा कि हर वर्ष बरसात में गंगाड़ समेत कई गांवों की सड़कें बार–बार बंद हो जाती है।

सिंचाई विभाग में अनियमितताओं के खिलाफ अनशन शुरू

पुरोला। सिंचाई विभाग में भ्रष्टाचार, अनियमितताओं और कार्यों में पारदर्शिता के अभाव में टीपीएस भंडारी विभागीय कार्यालय परिसर में अनिश्चितकालीन अनशन पर बैठ। उन्होंने विभागीय कार्यप्रणाली की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई और विकास कार्यों में पारदर्शिता लाने की मांग उठाई है। भंडारी का आरोप है कि विभाग में निर्माण कार्यों और विकास योजनाओं के क्रियान्वयन में नियमों की अनदेखी की जा रही है। टेंडर प्रक्रिया पारदर्शी नहीं है। कई कार्यों के लिए निर्धारित प्रक्रिया के अनुरूप निविदाएं आमंत्रित नहीं की जाती और कुछ चुनिंदा ठेकेदारों को बैकडोर तरीके से लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से कार्य आवंटित किए जाते हैं।

उन्होंने आरोप लगाया कि विभाग में कई अभियंता और कर्मचारी वर्षों से एक ही स्थान पर जमे हैं जबकि स्थानांतरण संबंधी नियमों का पालन नहीं हो रहा है। इससे विभागीय कार्यप्रणाली की निष्पक्षता और पारदर्शिता पर सवाल खड़े हो रहे हैं। ईई पन्नीलाल ने कहा कि आरोपों की जांच कराई जाएगी। यदि जांच में किसी स्तर पर अनियमितता या लापरवाही सामने आती है तो संबंधित अधिकारियों या कर्मचारियों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

रद्दी से बनी कठपुतलियां देंगी पर्यावरण संरक्षण का संदेश

बडकोट। घर के कोने में पड़ी बेकार वस्तुएं अब पर्यावरण संरक्षण की कहानी सुनाएंगी। राजकीय इंटर कॉलेज साल्ड के छात्र–छात्राएं कठपुतलियों के माध्यम से समाज को जागरूक करने की अनूठी पहल कर रहे हैं। शिक्षक प्रेम सिंह कटारिया (पीएस कटारिया) के मार्गदर्शन में तैयार 10 विद्यार्थियों की टीम अपने पहले पपेट शो वृक्ष गाथा के जरिये पेड़ों और पर्यावरण बचाने का संदेश देगी। इस अनोखी पहल की खासियत यह है कि शो में इस्तेमाल होने वाली कठपुतलियां बाजार से नहीं खरीदी गईं, बल्कि शिक्षक पीएस कटारिया ने घर में रखे रद्दी सामान से इन्हें नया रूप दिया है। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर विद्यालय में ह्यवृक्ष गाथाह्न का पहला मंचन किया जाएगा। पीएस कटारिया ने बताया कि कठपुतली निर्माण उनकी रुचि की कला है, लेकिन आधुनिक दौर में यह पारंपरिक कला धीरे–धीरे लुप्त होती जा रही है। कठपुतलियों को केवल पुराने समय की यादों और पुस्तकों तक सीमित न रहने देने के उद्देश्य से विद्यालय में इसे विद्यार्थियों और जनजागरूकता से जोड़ा गया है। उन्होंने बताया कि शिक्षकों की सहमति के बाद छात्र–छात्राओं को कठपुतली निर्माण की जानकारी दी गई और पर्यावरण संरक्षण पर आधारित नाटक तैयार किया गया। ह्यवृक्ष गाथाह्न का निर्देशन पीएस कटारिया कर रहे हैं, जबकि कक्षा 10वीं की छात्रा आराधना नेगी सह निर्देशक की भूमिका निभा रही हैं। टीम में आजाद, प्राची, अर्जुन, अकुंश सहित अन्य विद्यार्थी शामिल हैं।

तहसील दिवस में 47 शिकायतें दर्ज, अधिकांश का मौके पर हुआ निस्तारण

जयन्त प्रतिनिधि। रूद्रप्रयाग : जिलाधिकारी विशाल मिश्रा के निर्देशों के क्रम में मंगलवार को विकासखंड सभागार, ऊखीमठ में मुख्य विकास अधिकारी राजेंद्र सिंह रावत की अध्यक्षता में तहसील दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने उपस्थित रहकर आमजन की समस्याएं सुनीं तथा उनके त्वरित समाधान के लिए आवश्यक कार्रवाई की।

तहसील दिवस में स्थानीय लोगों ने बड़ी संख्या में पहुंचकर अपनी समस्याएं एवं मांगें अधिकारियों के समक्ष रखीं। इस दौरान कुल 47 शिकायतें दर्ज की गईं, जिनमें से अधिकांश का मौके पर ही समाधान किया गया। शेष शिकायतों के शीघ्र एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के लिए संबंधित विभागों को आवश्यक निर्देश दिए गए। ग्राम पंचायत दैड़ा के प्रधान प्रेम सिंह ने बताया कि दैड़ा-मस्तूरा में आकाश कामिनी नदी की ओर से विद्यालय को जाने वाला मार्ग पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया है, जिससे छात्र-छात्राओं को विद्यालय पहुंचने में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ग्राम बुरुवा के प्रधान मदन सिंह ने गांव की पेयजल लाइनों के एकीकरण की मांग उठाई। वहीं डुंगर-सेमाला की प्रधान मीनाक्षी देवी ने उरेडा विभाग के माध्यम से गांव में सोलर लाइटें स्थापित किए जाने का अनुरोध किया। नगर पंचायत ऊखीमठ की सभासद सरला रावत ने मस्तोली तोक में गदेरे की ओर से हो रहे कटाव को रोकने तथा मकानों की सुरक्षा के लिए चेकडैम निर्माण की आवश्यकता बताई। मुख्य विकास अधिकारी राजेंद्र सिंह रावत ने कहा कि तहसील दिवस का उद्देश्य आमजन की समस्याओं का त्वरित एवं प्रभावी समाधान सुनिश्चित करना है। उन्होंने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि जन शिकायतों का समयबद्ध, पारदर्शी एवं संवेदनशीलता के साथ निस्तारण किया जाए, ताकि लोगों को अनावश्यक कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। उन्होंने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप जनता की समस्याओं का समाधान सर्वोच्च प्राथमिकता के आधार पर किया जाए तथा लंबित मामलों में नियमित अनुश्रवण सुनिश्चित किया जाए। इस अवसर पर नगर पंचायत अध्यक्ष ऊखीमठ श्रीमती कुब्जा धर्मवाण, उपजिलाधिकारी ऊखीमठ अनिल सिंह रावत, जिला कार्यक्रम अधिकारी अखिलेश मिश्रा, जिला उद्यान अधिकारी आर.पी. जसोला, जिला पूर्ति अधिकारी के.एस. कोहली, अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग ऊखीमठ सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

उफान पर आया गदेरा, दो पुलिया और पेयजल लाइन टूटी

ज्योतिर्मठ। रात को ऊरी क्षेत्र में हुई भारी बारिश होने से परसारी में बहने वाला घट गदेरा उफान पर आ गया। इससे दो पैदल पुलिया और पेयजल लाइनें क्षतिग्रस्त हो गईं।

पुलिया क्षतिग्रस्त होने से लोगों की आवाजाही प्रभावित हो गई है। सोवन सिंह मोतीलिया ने बताया कि घट गदेरा पर आम तौर पर इसमें इतना पानी नहीं आता है। मगर बारिश के कारण गदेरा उफान पर आ गया था। वहीं ज्योतिर्मठ नगर पालिका अध्यक्ष देवेश्वरी शाह ने बताया कि पालिका की टीम ने मौके पर जाकर निरीक्षण किया है। नुकसान का आकलन किया जा रहा है। जल्द क्षतिग्रस्त पुलिया और पेयजल लाइन को ठीक करवा लिया जाएगा।

राज्य में भूस्खलन से 84 सड़क बंद, नदियों का जलस्तर बढ़ा

बडकोट। राज्य में भूस्खलन के कारण 84 सड़क बंद हैं। इनमें अल्मोड़ा में एक, बागेश्वर छह, चमोली 18, देहरादून छह और नैनीताल में पांच मार्ग बंद हैं। पौड़ी छह, पिथौरागढ़ 16, रुद्रप्रयाग 11, टिहरी छह और उत्तरकाशी में नौ मार्ग बंद हैं। वहीं, बारिश होने के कारण नदियों का जल स्तर खतरे के निशान के पास पहुंच गया। चमोली में अलकनंदा, मंदाकिनी और पिंडर नदी का जल स्तर चेतावनी स्तर को ऊपर और खतरे के निशान के पास पहुंच गया। रुद्रप्रयाग में अलकनंदा, मंदाकिनी नदी का जल चेतावनी स्तर अधिक हो गया। हरिद्वार में भी गंगा नदी का जल स्तर खतरे के जल स्तर के पास पहुंच गया है।

यमुनोत्री हाईवे पर भूस्खलन का संकट बरकरार, श्रद्धालुओं की बढ़ी मुश्किलें

यमुनोत्री हाईवे पर पालीगाड़ से जानकीचट्टी तक भूस्खलन के कारण श्रद्धालुओं और प्रशासन की मुश्किलें लगातार बनी हुई हैं। स्यानाचट्टी में लगातार हो रहा चट्टानी भूस्खलन हाईवे खोलने में सबसे बड़ी बाधा बना है, हालांकि निर्माण एजेंसी युद्धस्तर पर मलबा हटाने में जुटी है। दूसरी ओर, जानकीचट्टी–यमुनोत्री पैदल मार्ग पर राम मंदिर के पास एक सप्ताह बाद भी हालात सामान्य नहीं हो पाए हैं। यहां श्रद्धालु अब भी जोखिम उठाकर आवाजाही करने को मजबूर हैं।

अल्ट्रा पुअर योजना से आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ाए मजबूत कदम

जयन्त प्रतिनिधि। रूद्रप्रयाग : ग्रामोत्थान परियोजना के अंतर्गत संचालित अल्ट्रा पुअर कार्यक्रम के माध्यम से जनपद रुद्रप्रयाग की लाभार्थी सोनम देवी ने कठिन आर्थिक परिस्थितियों से निकलकर आत्मनिर्भरता की दिशा में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की है।

ग्राम चैरा ब्लॉक जखोली की निवासी सोनम देवी का परिवार लंबे समय से आर्थिक अभाव से जूझ रहा था। नियमित आय का कोई स्थायी स्रोत न होने के कारण परिवार की आजीविका चलाना कठिन था। ग्राम स्तर पर किए गए सर्वेक्षण एवं मानकों के आधार पर उनका चयन अल्ट्रा पुअर कार्यक्रम में किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत उन्हें 35000 रुपये की सहयोग राशि प्रदान की गई। प्रशिक्षण के बाद उन्होंने व्यवस्थित रूप से मुर्गी पालन प्रारंभ किया, जिससे उन्हें नियमित आय प्राप्त होने लगी। इससे परिवार की आर्थिक स्थिति में सुधार आया और घरेलू आवश्यकताओं की पूर्ति के साथ-साथ बचत भी संभव हो सकी। आज सोनम देवी न केवल अपने परिवार की आय बढ़ाने में सफल हुई हैं, बल्कि अपने गांव की अन्य महिलाओं के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बन गई हैं। उनका कहना है कि यदि सही समय पर मार्गदर्शन और सहयोग मिले तो अत्यंत गरीब परिवार भी सम्मानपूर्वक आत्मनिर्भर जीवन जी सकते हैं। अल्ट्रा पुअर कार्यक्रम का उद्देश्य अत्यंत गरीब एवं वंचित परिवारों को आजीविका के स्थायी साधनों से जोड़कर उन्हें गरीबी से बाहर निकालना तथा सामाजिक एवं आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है।

यह पहल ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने और सतत आजीविका के अवसर उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। ऐसे कार्यक्रम ग्रामीण क्षेत्रों में गरीबी उन्मूलन और महिला सशक्तिकरण के प्रभावी माध्यम के रूप में उभर रहे हैं।

पौधरोपण कर महिलाओं ने सुरक्षा का लिया संकल्प

जयन्त प्रतिनिधि। लैंसडौन : अभ्युदय परिवार लैंसडौन द्वारा कालेश्वर महादेव मार्ग पर वृक्षारोपण किया गया। महिलाओं ने कालेश्वर मार्ग स्थित पार्क के चारों ओर वृक्षारोपण कर उनके संरक्षण का संकल्प लिया। अभयुदय परिवार की संस्थापक भावना वर्मा ने बताया कि वृक्षारोपण का मुख्य उद्देश्य लैंसडौन को हरा भरा और स्वच्छ रखना है। उनकी संस्था के द्वारा नींबू, आंवला, बांस, देवदार जामुन के वृक्ष लगाए गए। उन्होंने कहा कि केवल पौधे लगाना ही उद्देश्य नहीं है बल्कि उनका संरक्षण कर उन्हें पेड़ बनने तक सुरक्षित रखना ही वास्तविक लक्ष्य है। कहा कि स्वच्छ पर्यावरण के लिए प्रत्येक व्यक्ति की भागीदारी आवश्यक है और महिलाओं की भूमिका इसमें महत्वपूर्ण हो सकती है। वृक्ष लगाने से पूर्व सभी महिलाओं ने संकल्प लिया कि लगायें वृक्ष की वो सदैव देखरेख करेंगे। इस मौके पर पूनम बैठियाल, भावना सती, रेनू चौहान, चंद्रकांता बौठियाल लक्ष्मी थापा, चन्दा नेगी, कल्पना चौहान, मोनिका बिष्ट, संतोषी, गुड्डी बिष्ट, कविता बिष्ट, पूनम कनौजिया, शशि शर्मा आदि मौजूद थे।

8 को चलेगा वृहद स्वच्छता अभियान

गोपेश्वर। जनपद चमोली में ठोस एवं प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन को प्रभावी बनाने के लिए 8 अगस्त को जिलेभर में वृहद स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सहयोग से सभी विकासखंडों, नगर निकायों और ग्राम पंचायतों में एक साथ अभियान संचालित होगा। बुधवार को जिलाधिकारी गौरव कुमार की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में तैयारियों की समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने स्वयंसेवी संस्थाओं, छात्र–छात्राओं और सामाजिक संगठनों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जिले में 15 से अधिक कचरा हॉटस्पॉट और क्रॉनिक स्थलों को चिह्नित कर विशेष सफाई अभियान चलाया जाएगा। प्रत्येक स्थल के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त किए जाएंगे। उन्होंने ग्रामीण, शहरी और वन क्षेत्रों में विशेष स्वच्छता अभियान चलाने, बायोडिग्रेडेबल उत्पादों के उपयोग को बढ़ावा देने तथा सिंगल यूज प्लास्टिक के खिलाफ जनजागरूकता और चालानी कार्रवाई तेज करने के निर्देश दिए।

चार साल साल बाद भी शुरू नहीं हुआ सिरी का बीएसएनएल टावर

उत्तरकाशी। डुंडा ब्लॉक के गाजणा क्षेत्र स्थित सिरी गांव में वर्ष 2023 में स्थापित बीएसएनएल का मोबाइल टावर आज तक संचालित नहीं हो पाया है। वहीं, ग्रामसभा सटियालीधार में टावर शुरू होने के बावजूद नेटवर्क की कमजोर रेंज से ग्रामीणों को पर्याप्त सुविधा नहीं मिल रही है। ग्रामीणों ने बीएसएनएल के अधिकारियों से जल्द सेवाएं सुचारु करने की मांग की। कहा कि यदि समस्या का समाधान नहीं हुआ तो वे धौंतरी तहसील परिसर में धरना–प्रदर्शन करेंगे। स्थानीय निवासी तेजपाल, दिनेश राणा, नितिन नौटियाल और दीपक नौटियाल ने बताया कि सिरी गांव में लगाया गया मोबाइल टावर गाजणा क्षेत्र के 27 से अधिक गांवों के लोगों को बेहतर संचार सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से स्थापित किया गया था लेकिन चार वर्ष बीतने के बाद भी टावर चालू नहीं होने से इसका कोई लाभ नहीं मिल पा रहा है। उन्होंने बताया कि क्षेत्र में अन्य निजी कंपनियों के मोबाइल नेटवर्क भी अक्सर ठप रहते हैं। इससे ग्रामीणों का बाहरी दुनिया से संपर्क बाधित हो जाता है। ग्रामीणों का कहना है कि बरसात में भूस्खलन और सड़क बंद होने जैसी आपदाओं का खतरा बना रहता है।

सीएम धामी बोले सरकार बिना रुके, बिना थके कर रही हर वादे को पूरा

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को मसूरी विधानसभा क्षेत्र के पुरुकुल में 17 करोड़ 80 लाख रुपयों की विभिन्न विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। इसमें पूर्व जिला पंचायत उपाध्यक्ष स्वर्गीय दीपक पुण्डीर की स्मृति में नवनिर्मित सामुदायिक भवन का लोकार्पण भी शामिल है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार अपने हर वादे को बिना रुके, बिना थके धरातल पर उतारने का प्रयास कर रही है। लेकिन कुछ लोग झूठ और नकारात्मकता की बातें कर रहे हैं। ऐसे लोगों के पास गिनाने के लिए अपनी कोई उपलब्धि नहीं है, तो इसलिए वे अफवाहें फैलाकर लोगों को गुमराह करने का प्रयास कर रहे हैं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि ये सभी परियोजनाएं मसूरी विधानसभा के विकास को नई गति देने वाली साबित होंगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में उत्तराखंड विकास के स्वर्णिम युग की ओर अग्रसर है। आज जहां प्रदेश में करोड़ों रुपये की लागत से शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, पेयजल और आधारभूत संरचना को मजबूत किया जा रहा है। वहीं, प्रदेश को खेल, पर्यटन और एडवेंचर एक्टिविटीज हब के रूप में भी स्थापित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जब भी वेडिंग डेस्टिनेशन या पर्यटन की बात आती है, तो पहाड़ों की रानी मसूरी का नाम सबसे पहले आता है। मसूरी की प्राकृतिक सुंदरता और शांत वातावरण लोगों को अपनी ओर आकर्षित करता है। मसूरी में आने वाले पर्यटक यहां की अर्थव्यवस्था को भी मजबूत आधार प्रदान करते हैं। इसलिए प्रदेश सरकार भी मसूरी के समग्र विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही है। इसी दिशा में पुरकुल में सैन्य धाम का निर्माण किया जा रहा है, साथ ही मसूरी रोपवे के लोअर टर्मिनल तक लगभग 13 किमी. मुख्य सड़क का उच्चीकरण किया जा रहा है। इसी तरह जल जीवन मिशन के अंतर्गत गंगोल-पंडितवाड़ी पेयजल योजना के माध्यम से अनेक गांवों तक शुद्ध पेयजल पहुंचाया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार एक ऐसा उत्तराखंड बनाना चाहती है, जहां किसी भी युवा को रोजगार के लिए पलायन ना करना पड़े। साथ ही मातृशक्ति पूरी तरह सशक्त और आत्मनिर्भर हो। इस मौके पर कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी, दायित्वधारी ज्योति कोटिया, शमशेर सिंह बिष्ट, उपाध्यक्ष एम.डी.डी.ए बंशीधर तिवारी, भाजपा नेता वीर सिंह चौहान, नेहा जोशी, सीमा पुंडीर, लक्ष्मण सिंह रावत उपस्थित थे।

जयन्त

संस्थापक : नरेन्द्र उनियाल

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित।

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र कोटद्वार, (गढ़वाल) उत्तराखण्ड होगा।

CONT. 9412081969

PRGI NO. 35469/79

रविंद्र जडेजा की सोच में आया बड़ा बदलाव, पुजारा ने श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज से पहले किया खुलासा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के पूर्व बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा का मानना है कि टेस्ट क्रिकेट में रवींद्र जडेजा की सफलता के पीछे एक बड़ा कारण उनका आक्रामक सोच वाला गेंदबाज बनना है। उन्होंने कहा कि यह ऑलराउंडर अब सिर्फ रन रोकने के बजाय विकेट लेने के इरादे से हर गेंद फेंकता है। श्रीलंका के खिलाफ भारत की दो मैचों की टेस्ट सीरीज से पहले पुजारा ने कहा कि हाल के सालों में जडेजा की सोच में काफी बदलाव आया है जिससे वह टेस्ट क्रिकेट (सबसे लंबे फॉर्मेट) में और भी खतरनाक गेंदबाज बन गए हैं।

दो मैचों की यह सीरीज 15 से 19 अगस्त तक गाले इंटरनेशनल स्टेडियम में शुरू होगी जबकि दूसरा टेस्ट 23 से 27 अगस्त तक कोलंबो में खेला जाएगा। पुजारा ने जियो स्टार से कहा, 'पहले, जब रवींद्र जडेजा गेंदबाजी करते थे तो उनकी सोच ज्यादा रन न देने की होती थी, खासकर रेड-बॉल क्रिकेट में। अगर पिच से थोड़ी मदद मिलती थी, तो वह विकेट लेने की कोशिश करते थे। लेकिन अगर पिच गेंदबाजों के अनुकूल नहीं होती थी, तो उनका ध्यान रन रोकने पर होता था। लेकिन अब, उन्होंने अपनी ताकत को समझ लिया है और उसी के हिसाब से गेंदबाजी कर रहे हैं। हर मैच में वह स्टंप्स की लाइन में गेंद डालने और बल्लेबाज को आउट करने की कोशिश कर रहे हैं।'

पुजारा ने बताया कि इस बाएं हाथ के स्पिनर का नजरिया अब ज्यादा आक्रामक हो गया है जिससे वह कंट्रोल बनाए रखते हुए अलग-अलग एंगल और वेरिएशन आजमा सकते हैं। उन्होंने समझाया, 'पहले उनकी सोच थोड़ी ज्यादा डिफेंसिव थी, लेकिन अब वह हर गेंद विकेट लेने के मकसद से फेंकते हैं। ऐसे में आप अपने खेल के बारे में थोड़ा ज्यादा सोचते हैं। आप क्रीज का बेहतर इस्तेमाल करते हैं, वाइड एंगल से गेंद डालने की कोशिश करते हैं और बल्लेबाज के हिसाब से अपनी लेंथ बदलते हैं। खेल के लिए यह मानसिक बदलाव बहुत जरूरी है।'

जडेजा लंबे समय बाद टेस्ट क्रिकेट में वापसी करने जा रहे हैं। इस अनुभवी बाएं हाथ के स्पिनर को इस साल की शुरुआत में इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) के दौरान कोहनी में चोट लग गई थी, जिसके कारण वह पिछले महीने अफगानिस्तान के खिलाफ भारत के एकमात्र टेस्ट मैच में नहीं खेल पाए थे, हालांकि उस मैच

में भारत ने आसानी से जीत हासिल की थी। श्रीलंका में होने वाली आगामी सीरीज में जडेजा नवंबर 2025 के बाद पहली बार टेस्ट मैच खेलते नजर आएंगे, उस समय उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भारत की दो मैचों की घरेलू सीरीज में हिस्सा लिया था।

नीरज चोपड़ा अब लुसाने डायमंड लीग में आएंगे नजर, श्रीलंका और पाकिस्तानी खिलाड़ी से मिलेगी कड़ी टक्कर

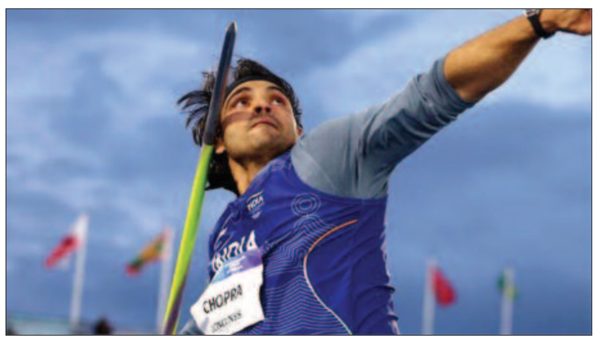

नई दिल्ली (एजेंसी)। ~दो बार के ओलंपिक पदक विजेता नीरज चोपड़ा 21 अगस्त को लुसाने डायमंड लीग में राष्ट्रमंडल चैम्पियन और इस सत्र में सबसे आगे चल रहे श्रीलंका के रूमेश पथिरागे का सामना करना पड़ेगा। इस टूर्नामेंट में ग्लास्गो राष्ट्रमंडल खेलों में भाग ले चुके पांच खिलाड़ी नजर आएंगे।

ग्लास्गो में सत्र का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करके 85.83 मीटर का थ्रो फेंकने वाले चोपड़ा का सामना ओलंपिक चैम्पियन पाकिस्तान के अरशद नदीम, मौजूदा विश्व चैम्पियन त्रिनिदाद और टोबैगो के केशोर्न वालकाट और पूर्व विश्व चैम्पियन ग्रेनाडा के एंडरसन पीटर्स से होगा। तोक्यो ओलंपिक रजत पदक विजेता चेक गणराज्य के याकूब वालेश, जर्मनी के जूलियन वेबर, स्विटजरलैंड के सिमोन वीलैंड और अमेरिका के कुर्टिस थॉम्पसन भी इसमें नजर आएंगे। आयोजकों ने कहा, 'पिछले चार ओलंपिक और विश्व चैम्पियनशिप जीत चुके भालाफेंक के पांच सुपरस्टार 21 अगस्त को इस टूर्नामेंट में भाग लेंगे।' चोट से उबरने के बाद यह चोपड़ा का तीसरा टूर्नामेंट होगा। वह जून में दोहा डायमंड लीग में 85.69 मीटर के थ्रो के साथ चौथे स्थान पर रहे थे। पथिरागे ने राष्ट्रमंडल खेलों में 89.75 मीटर का थ्रो लगाकर पहला स्थान हासिल किया। उन्होंने जून में गोल्डन गाला पिएट्रो मेनिया में 92.62 मीटर का थ्रो लगाया था।

इरफान पठान ने बताई आकिब नबी की सबसे बड़ी ताकत, बुमराह की जगह श्रीलंका के खिलाफ मिला मौका

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के पूर्व हरफनमौला इरफान पठान का मानना है कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में कदम रखने जा रहे जम्मू-कश्मीर के तेज गेंदबाज आकिब नबी की सबसे बड़ी ताकत तेज रफ्तार नहीं, बल्कि शीर्ष बल्लेबाजों को रक्षात्मक बल्लेबाजी के दौरान गलती करने पर मजबूर करने की क्षमता है। अनुभवी जसप्रीत बुमराह के चोटिल होने के कारण नबी को श्रीलंका में 15 अगस्त से शुरू होने वाले दो मैचों की टेस्ट श्रृंखला के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया है। पठान ने 2018 में श्रीनगर में हुए ट्रायल के दौरान पहली बार नबी की प्रतिभा पहचानी थी। उन्होंने बाद में जम्मू-कश्मीर के युवा क्रिकेटरों को मार्गदर्शन भी दिया। उनका मानना है कि नबी की स्वाभाविक गेंदबाजी शैली, कलाई की स्थिति और गेंद को मूव कराने की क्षमता उन्हें बिना तेज रफ्तार के भी प्रभावी बनाती है। पठान ने कहा, 'गेंद को स्विंग कराने के लिए आदर्श रफ्तार लगभग 135 किलोमीटर प्रति घंटा होती है। अगर आप गेंद को देर से स्विंग करा सकते हैं तो आप सफल हो सकते हैं।' उन्होंने कहा, 'उसकी लय और गेंदबाजी एक्शन को देखते हुए मेरा मानना है कि वह नियमित रूप से 133-135 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार हासिल कर सकता है।' पठान के अनुसार तेज गति गेंदबाजी का केवल एक हिस्सा है। असली क्षमता यह है कि गेंदबाज किस तरह विश्वस्तरीय बल्लेबाजों को रक्षात्मक शॉट खेलने के लिए मजबूर करता है और फिर उन्हें आउट करने का रास्ता निकालता है। उन्होंने कहा, 'क्या गेंदबाज में यह क्षमता है कि वह शीर्ष स्तर के बल्लेबाजों को डिफेंस करते हुए भी आउट कर सके? यही वह खूबी है जिसकी तलाश होती है।' पठान ने इस साल रणजी ट्रॉफी फाइनल का उदाहरण देते हुए कहा कि नबी ने कर्नाटक के खिलाफ शानदार प्रदर्शन किया था। जम्मू-कश्मीर ने पहली पारी की बढ़त के आधार पर ऐतिहासिक खिताब जीता। उन्होंने कहा, 'रणजी ट्रॉफी फाइनल में हमने देखा कि उसने अनुभवी लोकेश राहुल को परेशान किया। भले ही उसे विकेट नहीं मिला, लेकिन उसने बल्लेबाज को सामान्य तरीके से रक्षात्मक बल्लेबाजी करने पर मजबूर किया और फिर आउट किया।'

राष्ट्रमण्डल खेलों के पदक विजेताओं का स्वदेश पहुंचने पर भव्य स्वागत , खिलाड़ियों ने जताया आभार

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रमण्डल खेलों में शानदार प्रदर्शन कर चौथे स्थान पर रहा भारतीय दल आज स्वदेश पहुंच गया। टीम का दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय (आईजीआई) एयरपोर्ट पहुंचने पर पर भव्य स्वागत किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में प्रशंसकों के साथ ही खेल अधिकारी और समर्थक ढोल-नगाड़ों, फूल-मालाओं और भारत माता की जय के नारे लगाते दिखे। वहीं इस सम्मान से अभिभूत खिलाड़ियों ने इस सम्मान पर आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह स्वागत उनके लिए किसी सपने से कम नहीं है और वे आगे भी देश के लिए इसी तरह पदक जीतने का प्रयास करेंगे।

इन खेलों में भारतीय मुक्केबाजों ने एतिहासिक प्रदर्शन किया। मुक्केबाजी फेडरेशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष अजय सिंह ने कहा कि इन खेलों के 96 साल के इतिहास में भारत ने पहली बार मुक्केबाजी में सात स्वर्ण पदक जीते हैं। ये देश के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने इस उपलब्धि का श्रेय खिलाड़ियों, कोचिंग स्टाफ व सभी सहयोगी संस्थाओं को दिया है।

इस दौरान स्वर्ण पदक विजेता भारतीय मुक्केबाज साक्षी चौधरी ने एयरपोर्ट पर मिले शानदार स्वागत पर खुशी जतायी। उन्होंने भारत सरकार, मुक्केबाज फेडरेशन ऑफ इंडिया और हरियाणा सरकार द्वारा दिए गए निरंतर सहयोग और बेहतर

प्रशिक्षण के लिए आभार व्यक्त किया। साक्षी ने अपना स्वर्ण पदक देशवासियों को समर्पित करते हुए कहा कि यह उपलब्धि पूरे भारत की है और वे भविष्य में भी देश के लिए बेहतर प्रदर्शन करने का प्रयास करेंगी।

वहीं मुक्केबाज प्रीति पवार ने भी टीम के प्रदर्शन और देश लौटने पर मिले सम्मान पर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने सेना और भारत सरकार से मिले सहयोग को खिलाड़ियों की सफलता का प्रमुख कारण बताया। इसके अलावा एक अन्य मुक्केबाज अरुंधति चौधरी ने अपनी सफलता का श्रेय भारतीय सेना, आर्मी स्पोर्ट्स इंस्टीट्यूट और कॉर्प्स ऑफ मिलिट्री पुलिस को दिया। दूसरे ओर पुरुषों की 90 किलोग्राम वर्ग में रजत पदक विजेता मुक्केबाज नरेंद्र बेरवाल ने कहा कि वे एशियाई खेलों पर ध्यान केंद्रित करेंगे।

भारतीय पैरा-एथलीटों ने भी कॉमनवेल्थ गेम्स में शानदार प्रदर्शन किया। पुरुषों की शॉट पुट एफ-57 स्पर्धा में स्वर्ण पदक विजेता सोमन राणा ने अपनी जीत को पूरे देश, भारतीय सेना और सभी सहयोगियों को समर्पित किया। उन्होंने भी एशियाई खेलों को अपना अगला लक्ष्य बताया।

बैडमिंटन विश्व चैम्पियनशिप : सिंधू को नौवी, सात्विक-चिराग को पांचवीं वरीयता

नई दिल्ली ।दो बार की ओलंपिक पदक विजेता भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी पी वी सिंधू को आगामी बीडब्ल्यूएफ विश्व चैम्पियनशिप के लिये नौवीं वरीयता दी गई है जबकि पुरूष युगल टीम सात्विकसाइराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी को पांचवीं वरीयता मिली है। इंदिरा गांधी स्टेडियम पर 17 से 23 अगस्त तक यह चैम्पियनशिप खेली जाएगी। सिंधू ने जापान ओपन टूर्नामेंट जीता है जबकि सात्विक और चिराग 2022 एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता हैं। भारत ने पांचों वर्गों में दो प्रविष्टियां भेजी है। सिंधू, सात्विक-चिराग के अलावा पूर्व विश्व चैम्पियनशिप कांस्य पदक विजेता लक्ष्य सेन को पुरूष एकल में 14वीं वरीयता है जबकि मिश्रित युगल में ध्रुव कपिला और तनीषा क्रास्टो को 15वीं वरीयता मिली है। पुरूष एकल विश्व चैम्पियन चीन की शि युकी और दक्षिण कोरिया की महिला एकल स्टार आन से यंग को शीर्ष वरीयता मिली है। महिला एकल विश्व चैम्पियन अकाने यामागुची को दूसरी जबकि चीन की वांग झि यि को तीसरी और चेन युफेइ को चौथी वरीयता दी गई है। चैम्पियनशिप के ड्रॉ बुधवार को निकाले जाएंगे। अगर कोई वरीय खिलाड़ी उससे पहले नाम वापिस लेता है तो वरीयता क्रम बदल सकता है।

आईसीसी ने भारतीय मूल के अमेरिकी क्रिकेटर अखिलेश पर 8 साल का प्रतिबंध लगाया

दुबई ।अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने अमेरिकी टीम से खेलने वाले भारतीय मूल के क्रिकेटर अखिलेश रेड्डी पर 8 साल का प्रतिबंध लगा दिया है। आईसीसी ने अखिलेश पर यह प्रतिबंध मैच फिक्सिंग के प्रयास और जांच के दौरान सबूतों को मिटाने के आरोपों के बाद लगाया गया है। इस फैसले के बाद रेड्डी 21 नवंबर 2033 तक किसी भी तरह की क्रिकेट गतिविधि में हिस्सा नहीं ले पाएंगे। उनका निलंबन 21 नवंबर 2025 से प्रभावी माना गया है। इस प्रतिबंध से अखिलेश का करियर एक प्रकार से समाप्त हो गया है। इस क्रिकेटर पर साल 2025 अबू धाबी टी10 लीग के दौरान मैच फिक्सिंग के प्रयास के आरोप लगे थे। अखिलेश ने एक साथी खिलाड़ी को जानबूझकर गेंदबाजी के दौरान रन देने और खराब प्रदर्शन करने को कहा था हालांकि उस खिलाड़ी ने इस प्रस्ताव को ठुकरा दिया था। साथ ही आईसीसी की भ्रष्टाचार निरोधक इकाई (एसीयू) को इसकी जानकारी दी थी। इसी शिकायत के आधार पर जांच शुरू हुई, जिसमें अखिलेशको दोषी पाया गया। इतना ही नहीं, जब मामला प्रकाश में आया और जांच शुरू हुई, तो रेड्डी ने अपने मोबाइल फोन से महत्वपूर्ण व्हाट्सएप चैट और कॉल रिकॉर्ड भी डिलीट कर दिए, जिससे सबूत मिटाने का अतिरिक्त आरोप लगा। 26 वर्षीय अखिलेश रेड्डी भारत के हैदराबाद शहर से हैं। उन्होंने भारत में घरेलू क्रिकेट में भी हिस्सा लिया है और विजय हजारे ट्रॉफी की टीम का भी हिस्सा रहे हैं। इसके अतिरिक्त, वह आईपीएल फ्रेंचाइजी सनराइजर्स हैदराबाद के साथ नेट बॉलर के रूप में भी जुड़े थे। बेहतर अवसरों की तलाश में वह अमेरिका आये थे और वहां की राष्ट्रीय टीम में उन्हें जगह मिल गयी थी। वह दाएं हाथ के बल्लेबाज और ऑफ स्पिन गेंदबाज हैं। उन्होंने अमेरिका के लिए चार टी20 इंटरनेशनल मुकाबले खेले हैं, जिनमें एक विकेट लिया है। आईसीसी की भ्रष्टाचार निरोधक ट्रिब्यूनल ने रेड्डी को तीन अलग-अलग गंभीर मामलों में दोषी पाया है। पहला आरोप मैच को गलत तरीके से प्रभावित करने या फिक्स करने की कोशिश करना था। दूसरा, उन्होंने एक अन्य खिलाड़ी को मैच फिक्सिंग में शामिल होने के लिए कहा। तीसरा और बेहद गंभीर आरोप यह था कि उन्होंने जांच शुरू होने पर अपने मोबाइल से व्हाट्सएप चैट और कॉल रिकॉर्ड सहित अहम डेटा डिलीट कर सबूत मिटाने की कोशिश की।

जय शाह ने तंजानिया में आईसीसी के पहले क्रिकेट एरिना का उद्घाटन किया

दुबई (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) चेयरमैन जय शाह ने अफ्रीकी देश तंजानिया में ऐतिहासिक क्रिकेट एरिना का उद्घाटन किया है। शाह ने

यूनिवर्सिटी ऑफ दार एस सलाम में तंजानियाई क्रिकेटएसोसिएशन (टीसीए) के नए एरिना का आधिकारिक तौर पर उद्घाटन किया है। ये तंजानिया का पहला आईसीसी मान्यता प्राप्त क्रिकेट स्थल है। इस क्रिकेट स्थल के खेलने से तंजानिया और पूरे अफ्रीका में क्रिकेट का विकास तेजी से होगा। शाह ने कहा कि इस स्थल के आने से खेल में एक बड़ा बदलाव आयेगा।

आईसीसी चेयरमैन ने इस बड़ी उपलब्धि के लिए क्रिकेट तंजानिया को बधाई देते हुए, उन सामूहिक प्रयासों की सराहना की जिनकी वजह से देश में विश्व स्तरीय क्रिकेट ढ़ांचा तैयार हो पाया है। सोशल मीडिया पर उन्होंने लिखा, तंजानिया क्रिकेट एरिना के उद्घाटन पर क्रिकेट तंजानिया को बधाई। यह तंजानिया और पूरे अफ्रीका में क्रिकेट के लिए एक यादगार पल है। देश के पहले आईसीसी-मान्यतप्राप्त क्रिकेट स्थल। इस शानदार स्थल का आधिकारिक तौर पर उद्घाटन करना मेरे लिए सम्मान की बात थी। यह वेन्यू तंजानिया में खेल को आगे बढ़ाने में शामिल सभी लोगों की सोच, लगन और कड़ी मेहनत का सबूत है। इस उद्घाटन समारोह में जय शाह के साथ टीसीए के चेयरमैन बालकृष्ण श्रीकुमार और क्रिकेट लेजेंड्स ऑफ तंजानिया के संस्थापक व यूके और यूरोप के लिए चेयरमैन कंट्री कोऑर्डिनेटर कानू राठौड़ भी उपस्थित थे।

यह नया एरिना नेशनल हाई-परफॉर्मेंस सेंटर के तौर पर काम करेगा, जो तंजानिया की पुरुष, महिला और अंडर-19 राष्ट्रीय टीमों को उच्च स्तरीय प्रशिक्षण की सुविधा देगा। इसके साथ ही, यह पूरे देश में जमीनी स्तर (ग्रासरूट) और एलीट डेवलपमेंट प्रोग्राम को भी बढ़ावा देगा, जिससे नई प्रतिभाओं को निखारने का अवसर मिलेगा और क्रिकेट का भविष्य उज्ज्वल होगा।

तंजानिया में पहले से ही 27 क्रिकेट स्थल और 119 सक्रिय कोच व 75 अंपायर हैं। सहयोग प्राप्त है। यहां क्रिकेट तेजी से फैल रहा है। इससे यहां सक्रिय खिलाड़ियों की संख्या 1,58,000 से

अधिक हो गई है। इसमें पुरुष और महिला खिलाड़ियों की भागीदारी लगभग बराबर है। देश की अंडर-19 पुरुष टीम ने इस साल के आईसीसी अंडर-19 पुरुष क्रिकेट विश्व कप के लिए भी क्वालीफाई किया था, जिससे तंजानिया में क्रिकेट के बढ़ते प्रभाव और गुणवत्ता का अंदाजा होता है।

अमेरिका के टेलर फ्रिट्ज ने वॉशिंगटन डीसी ओपन टेनिस खिताब जीता

वॉशिंगटन डीसी । अमेरिका के तीसरी वरीयत प्राप्त टेलर फ्रिट्ज ने स्पेन के उभरते टेनिस खिलाड़ी राफेल जोदार को हराकर वॉशिंगटन डीसी ओपन टेनिस खिताब जीता है। ।फ्रिट्ज ने पुरुष एकल फाइनल में जोदार को सीधे सेटों में 7-6(2), 6-4 से हराकर 11वां एटीपी टूर खिताब जीता। यह जीत फ्रिट्ज के लिए इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि चार साल बाद एटीपी 250 से ऊपर के स्तर पर वह कोई खिताब जीतने में सफल रहे हैं। फाइनल मुकाबले में दोनों खिलाड़ियों ने पहले सेट में अपनी शानदार सर्विस गेम से मुकाबला टाईब्रेक तक पहुंचा दिया। टाईब्रेक में फ्रिट्ज ने अपनी आक्रामक रिटर्न और मैदानी स्ट्रोक्स के जरिये हमला बोलकर स्पेनिश खिलाड़ी जोदार को लगातार गलतियां करने पर मजबूर किया और 7-2 से टाईब्रेक जीतने के साथ ही बढ़त हासिल की। इसके बाद दूसरे सेट की शुरुआत में फ्रिट्ज ने 3-0 की बढ़त हासिल कर ली और फिर इसके बाद वह मुकाबले में हावी हो गये। मुकाबले के अंतिम गेम में फ्रिट्ज ने एक ब्रेक अंक बचाया और अपने अपने पांचवें मैच अंक पर जीत दर्ज की। इस कड़े मुकाबले के बाद जीत मिलते ही फ्रिट्ज उत्साहित हो गये। ।इस जीत के साथ ही फ्रिट्ज 2008 के बाद वॉशिंगटन ओपन जीतने वाले दूसरे अमेरिकी खिलाड़ी बन गए हैं, उनसे पहले 2024 में सेबेस्टियन कोर्डा ने यह खिताब अपने नाम किया था। इस खिताबी जीत के बाद फ्रिट्ज को एटीपी रैंकिंग में लाभ मिला है। वह दो स्थान के लाभ के साथ ही आठवें पायदान पर पहुंच गए हैं। अब उनका लक्ष्य मॉन्ट्रियल में होने वाले एटीपी मास्टर्स 1000 टूर्नामेंट को जीतना रहेगा।

पीसीबी ने माइक स्मिथ को बनाया नया बल्लेबाजी कोच

लाहौर (एजेंसी)। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने दक्षिण अफ्रीका के पूर्व प्रथम श्रेणी क्लास क्रिकेटर माइक स्मिथ को राष्ट्रीय टीम का नया बल्लेबाजी कोच बनाया है।

पाक टीम अभी वेस्टइंडीज दौरे पर है। इसी बीच अचानक की नये बल्लेबाज कोच की घोषणा कर दी गयी है। माना जा रहा है कि जिस प्रकार से टीम की बल्लेबाजी पिछले कुछ समय से संघर्ष कर रही है। उसी को देखते हुए स्मिथ को कोच बनाया गया है।

स्मिथ की नियुक्ति से कई दिग्गज क्रिकेटर भी हैरान हैं क्योंकि नये कोच बनाये गये स्मिथ ने अपने करियर में एक भी अंतर्राष्ट्रीय मैच नहीं खेला है जबकि अब उनकी जिम्मेदारी कप्तान बाबर आजम सहित

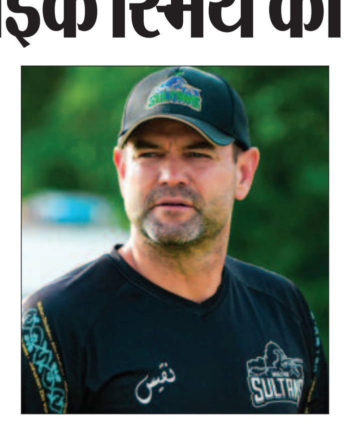

पाकिस्तान के अनुभवी बल्लेबाजों की तकनीकी कमियों को सुधारना और उन्हें स्थिरता प्रदान करना रहेगा। नये कोच की पहली परीक्षा आगामी इंग्लैंड दौरे पर होगी जहां पाकिस्तान टीम को तीन टेस्ट सीरीज खेलनी है।

गौरतलब है कि स्मिथ अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में भले ही नहीं पहुंच पाये हों पर कोचिंग की दुनिया में उनका अनुभव काफी गहरा है। वह एक लेवल-4 योग्यता प्राप्त बल्लेबाजी कोच हैं और लीग क्रिकेट में बल्लेबाजों के साथ काम करने का उनका लंबा और सफल ट्रैक रिकॉर्ड रहा है। स्मिथ ने पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) की कई टीमों के साथ भी काम किया है, जिससे उन्हें पाकिस्तान के घरेलू खिलाड़ियों और वहां की खेल परिस्थितियों की गहरी समझ है। माना जा रहा है कि पीसीबी ने उनकी इसी स्थानीय समझ और कोचिंग विशेषज्ञता को ध्यान में रखते हुए कोच बनाया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, पीसीबी ने बल्लेबाजी कोच की तलाश के लिए सार्वजनिक रूप से आवेदन मांगे थे। कई उम्मीदवारों के साक्षात्कार के बाद बोर्ड ने माइक स्मिथ के नाम पर सहमति बनाई। औपचारिक मंजूरी मिलने के बाद वह इंग्लैंड दौरे के दौरान टीम के साथ जुड़ेंगे। दरअसल, पिछले कुछ समय से पाकिस्तान की बल्लेबाजी लगातार सवालों के घेरे में है। टीम अच्छी शुरुआत मिलने के बावजूद बड़े स्कोर बनाने में नाकाम रही है और विशेष रूप से विदेशी दौरों पर बल्लेबाजों का प्रदर्शन निराशाजनक रहा है। ऐसे में पीसीबी को उम्मीद है कि स्मिथ अपनी विशेषज्ञता से बल्लेबाजों की तकनीकी कमियों को दूर कर टीम को बल्लेबाजी में स्थिरता और निरंतरता प्रदान कर पाएंगे।

जूनियर एशिया कप की तैयारियों के लिए भारत में आठ मैच खेलेगी मलेशियाई हॉकी टीम

बेंगलुरु। आगामी जूनियर एशिया कप 2026 की तैयारियों के लिए मलेशियाई अंडर-21 पुरुष हॉकी टीम भारत दौरे पर है। इस दौरे में मलेशियाई टीम भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम और साई टीम से कुल आठ मुकाबले खेलेगी। ये सभी मैच साई नेताजी सुभाष सदर्न सेंटर में आयोजित किए जाएंगे। इस सीरीज दोनों देशों की टीमों को एशिया कप के साथ ही भविष्य के अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों, विशेष रूप से जूनियर एशिया कप, की तैयारी का भी अवसर मिलेगा। इस दौरे का लक्ष्य खिलाड़ियों को उच्च-स्तरीय अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा का अनुभव करना और भारत व मलेशिया के बीच मौजूदा खेल संबंधों को और बेहतर बनाना है। भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम के मुख्य कोच फ्रेडरिक सोयेज ने कहा है कि इस सीरीज से टीम को काफी लाभ होगा। उनके अनुसार ये मुकाबले जूनियर एशिया कप की तैयारियों के लिए महत्वपूर्ण साबित होंगे। उन्होंने कहा, बेल्जियम दौरे के दौरान हमारे प्रदर्शन में निरंतर आया था, और अब मलेशिया के खिलाफ यह घरेलू सीरीज से टीम की तैयारी और बेहतर होगी। सोयेज ने साथ ही कहा, पिछले सप्ताह के गहन प्रशिक्षण शिविर में जिन रणनीतिक क्षेत्रों पर हमने काम किया है, उन्हें मैच हालातों में आंकने का अच्छा अवसर होगा, जिससे हमें अपनी टीम की ताकत और कमजोरियों को समझने में सहायता मिलेगी। हाल ही में बेल्जियम दौरे से लौटी भारतीय जूनियर टीम ने वहां कई मजबूत अंतरराष्ट्रीय टीमों के खिलाफ खेलकर अच्छा खासा अनुभव हासिल किया है। अब मलेशिया के विरुद्ध आठ मैचों की इस सीरीज से टीम संयोजन, खेल रणनीति को अंतिम रूप देने और खिलाड़ियों के प्रदर्शन का आंकलन करने में सहायता मिलेगी।

नेमार क्लब फुटबॉल से भी लेंगे संन्यास? ब्राजीलियाई स्टार ने खुद दिया बड़ा अपडेट

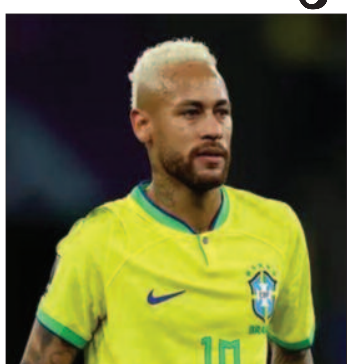

ग्लासगो (एजेंसी)। ब्राजील~ फुटबॉलर नेमार जूनियर ने हाल ही में अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास लेकर अपने प्रशंसकों को चौंका दिया था। ब्राजील के फीफा विश्व कप 2026 से बाहर होने के बाद उन्होंने राष्ट्रीय टीम को अलविदा कहा था। इसके बाद से ही फैंस के मन में सवाल था कि क्या नेमार क्लब फुटबॉल से भी संन्यास लेने वाले हैं। अब इस पर खुद नेमार ने बड़ा अपडेट दिया है।

क्लब फुटबॉल से संन्यास पर क्या बोले नेमार?

सैंटोस एफसी के लिए खेलने वाले नेमार ने साफ किया कि फिलहाल उनका संन्यास लेने का कोई इरादा नहीं है। उन्होंने कहा कि वह अभी अपने भविष्य को लेकर कोई फैसला नहीं कर रहे हैं और दिसंबर तक सैंटोस के साथ अपना मौजूदा अनुबंध पूरा करना चाहते हैं।नेमार ने कहा, 'मैं अभी रिटायरमेंट के बारे में नहीं सोच रहा हूं।' हालांकि उन्होंने यह भी माना कि दिसंबर के बाद क्या होगा, इस पर अभी कुछ तय नहीं है। उन्होंने कहा, 'रुकूंगा, जाऊंगा, संन्यास लूंगा या खेलता रहूंगा... मुझे नहीं पता। दिसंबर तक अभी समय है, फिर देखेंगे।'

फैंस के बीच बढ़ी अटकलें

नेमार के इस बयान के बाद उनके भविष्य को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। जहां उन्होंने संन्यास से साफ इनकार नहीं किया, वहीं यह भी नहीं बताया कि दिसंबर के बाद वह किस क्लब के लिए खेलेंगे या खेलना जारी रखेंगे। ऐसे में फैंस उनकी अगली घोषणा का इंतजार कर रहे हैं।

चोटों ने करियर पर डाला असर

34 वर्षीय नेमार पिछले कुछ वर्षों में लगातार चोटों से जूझते रहे हैं। हाल ही में वह ग्रेड-2 पिंडली (ष्ट्डुद्मद्ध) की चोट के कारण लंबे समय तक मैदान से बाहर रहे। इसी चोट का असर उनके 2026 विश्व कप अभियान पर भी पड़ा था।

वापसी के बाद बनाया खास रिकॉर्ड

चोट से वापसी करने के बाद नेमार ने ब्राजील के लिए चार गोल किए और राष्ट्रीय टीम के इतिहास में चार अलग-अलग विश्व कप संस्करणों में गोल करने वाले चुनिंदा खिलाड़ियों में शामिल हो गए। जनवरी 2025 में सऊदी क्लब अल हिलाल छोड़ने के बाद वह अपने बचपन के क्लब सैंटोस एफसी से जुड़े और फिलहाल वहीं खेल रहे हैं। अब सभी की नजर इस बात पर है कि दिसंबर में अनुबंध समाप्त होने के बाद नेमार अपने करियर को आगे बढ़ाएंगे या क्लब फुटबॉल से भी संन्यास का ऐलान करेंगे।